रायपुर। शनिवार, 12 सितम्बर, 2026
भाद्रपद शुक्ल पक्ष प्रतिपदा सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 41/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल ब्रेक ने मेरी गेंदबाजी को प्रभावित किया...
@ विचार रूस-भारत संबंध नई ऊंचाइयों पर...
@ व्यापार सेंसेक्स 121 अंक लुढ़का, निफ्टी 0.34 प्रतिशत गिरा...

विश्व केसरी खबर झरोखा

9/11 की बरसी पर अमेरिका में भावुक स्मरण

विस्तृत रिपोर्ट पेज 9 पर

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन। अमेरिका में 11 सितंबर 2001 के आतंकी हमलों की बरसी पर शुक्रवार को करीब 3,000 मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई। न्यूयॉर्क के ग्राउंड जीरो पर परिजनों और नेताओं ने स्मरण समारोह में हिस्सा लिया।

समारोह की शुरुआत स्थानीय समयानुसार सुबह 8:46 बजे मौन के साथ हुई, जब अपहृत अमेरिकन एयरलाइंस फ्लाइट-11 ने वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के नॉर्थ टावर को टक्कर मारी थी। हमलों में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, पेंटागन और पेंसिल्वेनिया में भारी जनहानि हुई थी।

विजय माल्या कानूनी प्रक्रिया से बच रहे हैं: ईडी

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय ने बॉम्बे हाईकोर्ट में कहा है कि पूर्व शराब कारोबारी विजय माल्या अब भी भारत में कानूनी प्रक्रिया से बच रहे हैं। ईडी के अनुसार, बैंकों द्वारा कर्ज की वसूली हो जाने से माल्या पर लगे कथित मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप खत्म नहीं होते। ईडी ने 8 सितंबर को माल्या की 2020 में दायर याचिका के जवाब में हलफनामा दाखिल किया। माल्या ने अपने खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों को बंद करने की मांग की थी। माल्या का तर्क था कि बैंकों के साथ विवाद कर्ज की वसूली के बाद समाप्त हो चुका है।

बिहार में बाढ़ का कहर, 15 जिलों में 47.33 लाख से अधिक लोग प्रभावित

पटना। बिहार में बाढ़ की स्थिति शुक्रवार को भी गंभीर बनी रही। गंगा और उसकी सहायक नदियों के खतरे के निशान से ऊपर बहने के कारण राज्य के 15 जिलों में 47.33 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। लगातार कटाव और तटबंधों में दरारों ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। अधिकारियों के अनुसार, भागलपुर जिले के विभिन्न इलाकों में कम से कम चार तटबंध टूटने की घटनाएं सामने आई हैं। इनमें से कुछ की मरम्मत कर दी गई है, जबकि शेष स्थानों पर बहाली का काम जारी है। गोपालपुर प्रखंड के ब्रह्मोत्तर बांध में आई दरार को रातभर की मशक्कत के बाद नियंत्रित कर लिया गया। जिला प्रशासन के मुताबिक, जल संसाधन विभाग की तकनीकी टीम और स्थानीय लोगों की मदद से स्थिति पर काबू पाया गया।

भंगाराम माई के दरबार में लगेगी देवी-देवताओं की अदालत

विश्व केसरी■
संवाददाता ■ केशकाल

छत्तीसगढ़ की आदिम और अनूठी जनजातीय संस्कृतियों में कई ऐसे रहस्य और परंपराएं छिपी हैं, जो देश-दुनिया के लिए कौतूहल का विषय हैं। ऐसा ही एक हैरान कर देने वाला नजारा कोंडागांव जिले के केशकाल में देखने कल शनिवार 12 सितंबर को देखने को मिलेगा, जहां इंसानों की नहीं बल्कि देवी-देवताओं की अदालत लगेगी। इस अनोखे दरबार में सालभर के अच्छे-बुरे कामों का लेखा-जोखा होता है और कसूरवार साबित होने पर खुद देवी-देवताओं को भी सजा भुगतनी पड़ती है।

टाटामारी मार्ग पर सजता है भंगाराम माई का दरबार - केशकाल घाटी की 10 मोड़ों वाली सर्पिलाकार सड़क के ठीक ऊपर टाटामारी पर्यटन मार्ग पर स्थित माता भंगाराम माई के दरबार में हर साल भादो जातरा के दौरान यह महा-अदालत सजती है।

भारत-रूस संबंधों को और मजबूत करने पर सहमति

मोदी-पुतिन की मुलाकात में ऊर्जा, रक्षा समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का फैसला

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले हुई द्विपक्षीय बैठक, पश्चिम एशिया और काला सागर क्षेत्र में जारी संघर्षों पर भी हुई चर्चा

विश्व केसरी/नई दिल्ली। भारत ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने देशों के बीच विशेष संबंधों को और मजबूत करने पर सहमति जताई है। दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत में ऊर्जा, रक्षा और अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह बैठक भारत-रूस संबंधों की मजबूती के लिहाज से अहम मानी जा रही है। दोनों नेताओं ने ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा सहयोग, व्यापार और वैश्विक राजनीतिक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

भारत इन दिनों अमेरिका, खाड़ी देशों, रूस, ईरान और इज़राइल के साथ मजबूत संबंध बनाए रखने की कूटनीतिक संतुलन नीति पर काम कर रहा है, वहीं यूक्रेन और ईरान युद्ध के चलते समुद्री मार्गों और व्यापार में आई रुकावटों का भी असर झेल रहा है।

ब्रिक्स से पहले अहम मुलाकात

यह दोनों नेताओं के बीच पिछले दो सप्ताह में दूसरी मुलाकात थी। यह बैठक नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स नेताओं के वार्षिक शिखर सम्मेलन से एक दिन पहले हुई, जिसमें चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन समेत कई अन्य नेता शामिल होने वाले हैं। ब्रिक्स समूह के सदस्य ईरान युद्ध को लेकर विभाजित हैं, ऐसे में यह बैठक और भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच शुक्रवार को नई दिल्ली में हुई मुलाकात।

मुलाकात के मुख्य बिंदु

ऊर्जा सहयोग
ऊर्जा सुरक्षा, तेल-गैस और नवीकरणीय ऊर्जा में सहयोग बढ़ाने पर सहमति।

रक्षा सहयोग
रक्षा उपकरणों, तकनीक और सैन्य सहयोग को और मजबूत करने पर जोर।

वैश्विक मुद्दे
पश्चिम एशिया और काला सागर क्षेत्र में जारी संघर्षों पर चर्चा, जिससे समुद्री व्यापार और भारतीय नाविकों की सुरक्षा प्रभावित हुई है।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन पर सबकी निगाह

- बैठक में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन भी होंगे शामिल।
- ब्रिक्स समूह अपने वैश्विक प्रभाव को बढ़ाने की कोशिश में है।
- हालांकि, सदस्य देशों के बीच ईरान युद्ध को लेकर मतभेद बने हुए हैं।

> "मोदी और पुतिन ने पश्चिम एशिया और काला सागर क्षेत्र में जारी संघर्षों पर विचार साझा किए, जिनका समुद्री व्यापार और भारतीय नाविकों की सुरक्षा पर असर पड़ा है।"
>
> — भारत के विदेश मंत्रालय का बयान

भारत की विदेश नीति में संतुलन
भारत की कोशिश है कि वह अमेरिका, खाड़ी देशों, रूस, ईरान और इज़राइल सभी के साथ मजबूत संबंध बनाए रखे और क्षेत्रीय एवं वैश्विक स्थिरता में अपनी भूमिका निभाए।

भारत-रूस: मजबूत दोस्ती, साझा भविष्य

कैनबरा में भारत-ऑस्ट्रेलिया के सैन्य प्रमुखों की अहम मुलाकात

एजेंसी ■ नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया की यात्रा पर गए भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने कैनबरा में ऑस्ट्रेलिया के चीफ ऑफ डिफेंस फोर्स एडमिरल मार्क हैमंड से मुलाकात की है। यहां दोनों देशों के बीच रक्षा और समुद्री सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में अहम बातचीत हुई।

दोनों प्रमुख सैन्य अधिकारियों के बीच बातचीत में भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा साझेदारी को और गहराई देने पर विचार हुआ। खास तौर पर समुद्री सुरक्षा सहयोग रोडमैप के अमल को आगे बढ़ाने वार्ता की गई। साथ ही हिंद-प्रशांत क्षेत्र में दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया गया। बैठक के दौरान समुद्री क्षेत्र में दोनों देशों की सेनाओं के बीच तालमेल और संयुक्त रूप से काम करने की क्षमता को और मजबूत करने के अवसरों पर भी चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने इस बात पर जोर दिया कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रणनीतिक समझ को केवल बातचीत तक सीमित न रखते हुए उसे जमीन पर ठोस परिणामों में बदला जाए।

भारत और ऑस्ट्रेलिया हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक सुरक्षित, स्थिर और समृद्ध माहौल सुनिश्चित करने के लिए लगातार सहयोग बढ़ा रहे हैं। ऐसे में दोनों देशों के नौसैनिक संबंधों को मजबूत करना समुद्री सुरक्षा के लिहाज से खास महत्व रखता है। एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन और एडमिरल मार्क हैमंड की मुलाकात ने दोनों देशों के बीच बढ़ते रणनीतिक भरोसे और समुद्री साझेदारी को भी रेखांकित किया। बातचीत का उद्देश्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बदलती सुरक्षा चुनौतियों के बीच भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सहयोग को और प्रभावी बनाना है। इससे पहले कैनबरा पहुंचने पर एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन का पारंपरिक अंदाज में स्वागत किया गया। ऑस्ट्रेलिया की आदिवासी विरासत को दर्शाने वाली विशेष स्मोकिंग सेरेमनी के साथ उनका स्वागत किया गया।

बोलेरो और ट्रक में जोरदार भिड़ंत तीन बच्चों समेत आठ की मौत

रायपुर से महाराष्ट्र जा रहा था परिवार

विश्व केसरी■
संवाददाता ■ रायपुर

महाराष्ट्र के भंडारा जिले में शुक्रवार, 11 सितंबर को तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना सुबह करीब 4 बजे लखनी तालुका में मानेगांव और पिंपलगांव के बीच नेशनल हाईवे 53 पर हुई, जहां एक आइशर ट्रक और बोलेरो गाड़ी के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में बोलेरो में सवार पांच वयस्कों और तीन बच्चों की मौके पर ही जान चली गई। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बोलेरो में सवार सभी लोग छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से रवाना हुए थे। वे नेशनल हाईवे 53 के रास्ते नागपुर की ओर जा रहे थे। यात्रा के दौरान मानेगांव और पिंपलगांव के बीच सामने से आ रहे आइशर ट्रक से बोलेरो की सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन में सवार सभी आठों लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

पुलिस ने शुरू की मामले की जांच

घटना की सूचना मिलने के तुरंत बाद पुलिस दल मौके पर पहुंचा। मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारी ने बोलेरो सवार पांच वयस्कों और तीन बच्चों की मौत की पुष्टि की है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री साय ने जताया गहरा शोक

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने महाराष्ट्र के भंडारा जिले में नागपुर-रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई भीषण सड़क दुर्घटना में छत्तीसगढ़ के नागरिकों के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

प्रतिबंध लगाने वाले देश खुद औद्योगिक गिरावट से जूझ रहे : राष्ट्रपति पुतिन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

आज दुनिया बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है, जहां पुरानी आर्थिक ताकतों की जगह नए ग्रोथ इंजन ले रहे हैं। बिजनेस-टू-बिजनेस रिलेशन और आर्थिक साझेदारी ही वैश्विक अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और मौजूदा हालात में ब्रिक्स ने इन संबंधों को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यह बात शुक्रवार को आयोजित ब्रिक्स बिजनेस फोरम में कही।

पुतिन ने अपने संबोधन की शुरुआत में कहा, 'आज यहां पर सबकी मौजूदगी व्यवसायिक संपर्क और संबंधों को मजबूत करने को लेकर बढ़ती दिलचस्पी को दिखाता है। यह जाहिर है कि एक विश्वनीय बिजनेस-टू-बिजनेस रिलेशन और आर्थिक साझेदारी अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संबंधों की रीढ़ है। बिक्स ने इन संबंधों को और मजबूत करने में मदद की है। इसके साथ ही दुनिया में जो मौजूदा हालात बने हुए हैं, उसमें भी ब्रिक्स ने काफी मदद की है।'

रूस के राष्ट्रपति ने कहा, 'दुनिया में बड़े संरचनात्मक और गहरे बदलाव हो रहे हैं। इसकी वजह यह है कि तथाकथित पुराने लीडर, जो 20वीं सदी के दूसरे हिस्से में आर्थिक वृद्धि के अगुवा थे, उनकी जगह अब विकास के नए इंजन ले रहे हैं। जब मैं 'पुराना' कहता हूं तो यह सिर्फ औपचारिकता है, हम सब समझते हैं कि हम किस बारे में बात कर रहे हैं। इन तथाकथित पुराने लीडर्स के पास अभी बहुत मजबूत काबिलियत और अच्छा-खासा इंफ्रास्ट्रक्चर, तकनीकी फायदे, साइंटिफिक फायदे, साइंटिफिक स्कूल वगैरह हैं। यह इंसानियत और इकॉनमी का नेचर नहीं है। दुनिया हमेशा बदलती रहती है।' पश्चिमी देशों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जिन देशों ने रूस के खिलाफ प्रतिबंध का दबाव शुरू किया था, वे इंडस्ट्रियल गिरावट और बजट घाटे की समस्या का सामना कर रहे हैं। वे ऐसा नहीं कर सकते। उन्हें कुछ बहुत मुश्किल नतीजों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आगे कहा कि पिछले 5 सालों में, दुनिया की जीडीपी का 40 फीसदी से ज्यादा हिस्सा ब्रिक्स देशों ने बनाया है, जहां तथाकथित जी7, द ग्रेट 7, मुझे नहीं पता कि वे इसे क्यों कहते हैं, का योगदान सिर्फ 29 फीसदी है।

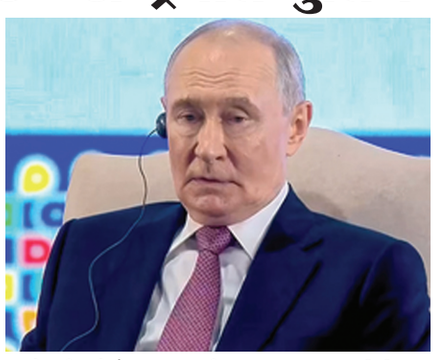

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और सीएम विष्णु देव साय ने 2 लाख परिवारों को कराया गृह प्रवेश

विश्व केसरी■
संवाददाता ■ सक्ती/रायपुर

सक्ती जिले के जेठा में आयोजित राज्यस्तरीय समारोह में गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास का ऐतिहासिक संगम देखने को मिला। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने संयुक्त रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत 2 लाख नवनिर्मित आवासों में गरीब परिवारों को गृह प्रवेश कराया और हितग्राहियों को प्रतीकात्मक चाबियां सौंपीं। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री चौहान ने छत्तीसगढ़ को 3.65 लाख नए अतिरिक्त आवासों का बड़ा तोहफा दिया। साथ ही सक्ती में नया 'कृषि विज्ञान केंद्र' खोलने और बस्तर संभाग में छूटे हुए पात्र हितग्राहियों के लिए आवास सर्वे की समय-सीमा को 31 अक्टूबर 2026 तक बढ़ाने का बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि 'विष्णुदेव (मुख्यमंत्री) कहें और शिव (केंद्रीय मंत्री) मना कर दें, यह संभव नहीं है।'

सक्ती को मिला कृषि विज्ञान केंद्र, बस्तर में सर्वे की तारीख बढ़ी

विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सक्ती धर्म, संस्कृति, प्रकृति और जन-ऊर्जा की पावन भूमि है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और स्थानीय सांसद कमलेश जांगड़े की मांग पर उन्होंने सक्ती में अत्याधुनिक कृषि विज्ञान केंद्र स्थापित करने की घोषणा की। इससे क्षेत्र के किसानों को उन्नत तकनीक, फसल विविधीकरण और वैज्ञानिक परामर्श का सीधा लाभ मिलेगा।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास की गति तेज करने पर जोर देते हुए चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में सुरक्षा बलों ने नक्सलवाद को लगभग समाप्त कर दिया है। अब वहां बारूदी सुरंगों के बजाय विकास की धारा बह रही है। मुख्यमंत्री द्वारा बस्तर संभाग में छूटे हुए गरीबों के आवास सर्वे के लिए एक माह का समय मांगे जाने पर केंद्रीय मंत्री ने संवेदनशीलता दिखाते हुए इसे डेढ़ माह बढ़ाते हुए 31 अक्टूबर तक का समय दे दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार गरीबों की सेवक है और किसी भी पात्र गरीब को पक्की छत से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा।

प्रतिदिन 1600 से अधिक मकान हो रहे तैयार, साय सरकार के काम को सराहा

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह ने छत्तीसगढ़ में योजनाओं के क्रियान्वयन की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश में प्रतिदिन 1600 से अधिक पीएम आवास पूर्ण हो रहे हैं, जो अभूतपूर्व गति है। उन्होंने कहा कि भाजपा जो वादा करती है, उसे पूरी निष्ठा से निभाती है। पिछली सरकार के समय गरीबों के मकानों पर ग्रहण लग गया था और केंद्र से स्वीकृत होने के बावजूद मैचिंग ग्रांट न देकर गरीबों के आशियाने छीने गए। उस दौर में तत्कालीन उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव तक ने इस्तीफा देकर अपनी व्यथा जताई थी। लेकिन मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शपथ लेते ही पहली कैबिनेट में 18 लाख आवासों की स्वीकृति देकर गरीबों का हक लौटाया। केंद्र और राज्य के साझा प्रयासों से पिछले ढाई वर्षों में 11.50 लाख से अधिक आवास पूरे किए जा चुके हैं।

तीर तेवर — सागर कुमार

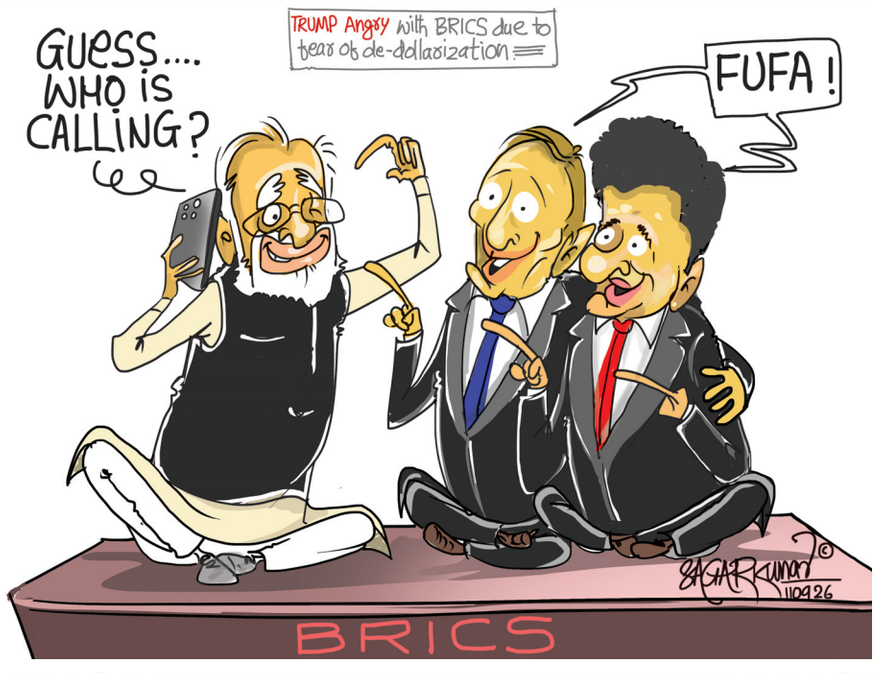

मध्य प्रदेश में 25 सितंबर को शुरू होगी मुख्यमंत्री सुगम परिवहन बस सेवा: सीएम मोहन यादव

विश्व केसरी■

इंदौर। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि 25 सितंबर को मुख्यमंत्री सुगम परिवहन बस सेवा की शुरुआत होने वाली है, जो प्रदेशवासियों के लिए महत्वपूर्ण सौगात होगी। सीएम मोहन यादव ने इंदौर में आयोजित दो दिवसीय 'यात्री परिवहन विजन समिट 2026' का शुभारंभ करते हुए कहा कि देश में हाईस्पीड ट्रेन, लॉजिस्टिक कॉरिडोर, इंडस्ट्रियल कॉरिडोर समेत हाईवे का जाल बिछ रहा है, जिससे देश की तस्वीर बदल रही है। इसी महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ होगा। इसी कड़ी में 25 तारीख को यात्रियों की सुविधा के लिए मध्य प्रदेश में सुगम परिवहन सेवा का शुभारंभ किया जाएगा। आमजन के लिए सार्वजनिक परिवहन का विशेष महत्व है। बस सेवा से प्रदेश के लोगों को बेहतर और आसान आवागमन की सुविधा मिलेगी।

उन्होंने कहा कि बस सेवा के विस्तार से प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। लंबे समय से बंद पड़ी राज्य परिवहन बस सेवा को नई संजीवनी मिली है। उन्होंने आगे कहा कि 17 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस पर 17 सितंबर से सेवा संकल्प अभियान शुरू होगा। सेवा संकल्प अभियान 17 अक्टूबर तक चलेगा।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि आज विश्व की तीसरी सबसे बड़ी सैन्य शक्ति भारत है। दुश्मन को उसके घर में घुसकर मुंहतोड़ जवाब देने का साहस भारतीय सेना में है। देश की धरती से माओवादियों को समाप्त करने का काम प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने किया है। नक्सलियों ने जन-अदालत के नाम पर निर्दोष लोगों की जघन्य हत्या की और पुलिस-प्रशासन केवल देखता रहता था। लाल सलाम को अंतिम सलाम मोदी सरकार ने किया है।

देश में सड़कों के बिछते जाल की चर्चा करते हुए सीएम मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में 74 हजार किलोमीटर के राजमार्ग सबसे तेज गति से बने हैं तो वहीं सबसे तेज गति से दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर विकसित हुआ है। देश के बीच में मध्य प्रदेश होने से कम समय में दिल्ली और मुंबई पहुंचा जा रहा है। लोक परिवहन की आवश्यकता समय के साथ सार्वजनिक सेवाओं की अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्य में मौजूद 15 हजार से ज्यादा बसें तथा 5 लाख किलोमीटर सड़क नेटवर्क लोगों के सुगम परिवहन की दिशा में महत्त्वपूर्ण सिद्ध होगा। उन्होंने आगे कहा कि देश में सुशासन और विकास का वातावरण बना है। भोपाल और इंदौर में मेट्रो का संचालन हो रहा है और प्रदेश के एयरपोर्ट विश्वस्तरीय बन रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश में ई-व्हीकल्स का संचालन शुरू हो रहा है। मध्य प्रदेश में बने इलेक्ट्रिक व्हीकल इंजन देश और दुनिया में सप्लाई हो रहे हैं।

मायावती का सपा-कांग्रेस पर तीखा हमला, बोलीं- नीला रंग अपनाने से नहीं बदलेगी जातिवादी सोच

विश्व केसरी■

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने समाजवादी पार्टी (सपा), कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोलते हुए उनके नीले रंग अपनाने को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि नीले कपड़े, गमछे और मंचों पर नीले रंग का इस्तेमाल करने भर से इन दलों की वर्षों पुरानी जातिवादी, संकीर्ण, सामंती और पूंजीवादी सोच नहीं बदल सकती। मायावती ने कहा कि बहुजन समाज के वास्तविक हित और कल्याण की बात करने से पहले इन दलों को अपना दिल और दिमाग पाक-साफ करना चाहिए।

मायावती ने सपा के पीडीए और कांग्रेस की राजनीति पर भी निशाना साधा। उन्होंने बसपा से निष्कासित नेताओं के दूसरी पार्टियों में जाने और अलग संगठन बनाने को लेकर भी विपक्षी दलों को घेरा। साथ ही अशोक सिद्धार्थ के राजनीति से संन्यास के मामले पर भी उन्होंने कई गंभीर आरोप लगाए और कहा कि सही समय आने पर पार्टी के लोगों को और भी बहुत कुछ बताया जाएगा।

बसपा मुखिया मायावती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट के माध्यम से लिखा कि सपा, कांग्रेस व अन्य विरोधी पार्टियों के नेताओं व कार्यकर्ताओं द्वारा बी.एस.पी. का शुरु से ही चला आ रहा नीला रंग अब यह इनके गले का गमछा व कपड़े पहनने से तथा स्टेज आदि में भी नीला कपडा इस्तेमाल करने से इनकी सर्वसमाज में से ख़ासकर ग़रीबों, दलितों, आदिवासियों, पिछड़े व अन्य उपेक्षित वर्गों के प्रति वर्षों से चली आ रही इनकी जातिवादी, संकीर्ण, सामन्तवादी एवं पूँजीवादी सोच नहीं बदल सकती है तथा ना ही ये लोग दिल से अम्बेडकरवादी होने एवं कहलाने वाले हैं। इसीलिये 'बहुजन समाज' के वास्तविक हित व कल्याण के प्रति पहले वे अपना दिल व दिमाग़ तो पाक-साफ करें।

उन्होंने आगे लिखा कि वैसे भी ये लोग इन वर्गों के मामले में आए दिन गिरगिट की तरह ही रंग बदलते रहते हैं अर्थात् ये कहते कुछ हैं और करते उसके ठीक विपरीत हैं। खासकर इनके सपा के पीडीए के मामले में तो इनकी सोच, चाल, चरित्र व चेहरा आदि हमेशा दोगला व बईमान ही रहा है, जिसके अनेकों उदाहरण हैं, ये सभी जानते हैं। इसलिए इन वर्गों की एकमात्र हितैषी व अम्बेडकरवादी पार्टी केवल बी.एस.पी. ही है, जो सर्वविदित है।

संक्षिप्त खबरें

अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, चोरी की 18 मोटरसाइकिल बरामद

विश्व केसरी■

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दादरी थाने की पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और उनकी निशानदेही पर चोरी की 18 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। इसके अलावा एक आरोपी के पास से अवैध चाकू भी बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में रेकी कर मोटरसाइकिलों को चोरी करते थे और बाद में उन्हें सुनसान स्थानों पर छिपाकर सस्ते दामों में राह चलते लोगों को बेच देते थे। पुलिस के मुताबिक, 11 सितंबर को थाना दादरी पुलिस को मैनुअल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर वाहन चोर गिरोह के संबंध में जानकारी मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए ग्राम कोट के सर्विस रोड पर स्थित श्मशान घाट के पास घेराबंदी की। यहां से पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

सरायकेला में नक्सलियों के ठिकाने से हथियारों का जखीरा, 317 कारतूस और आईईडी बरामद

विश्व केसरी■

सरायकेला। झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। जिला पुलिस और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की संयुक्त टीम ने कुचाई और चांडिल थाना क्षेत्रों के जंगलों में तलाशी अभियान चलाकर बड़ी मात्रा में हथियार, 317 जिंदा कारतूस और एक आईईडी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई पहले गिरफ्तार किए गए दो माओवादियों से पूछताछ के दौरान मिली जानकारी के आधार पर की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रघु सिंह सरदार उर्फ सागर सिंह सरदार बिरेन सिंह और मीना पहाड़िया उर्फ नेपू पहाड़िया के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, रघु सिंह सरदार भाकपा माओवादी की रीजनल कमेटी और पश्चिम बंगाल-झारखंड-ओडिशा सीमा कमेटी का सक्रिय सदस्य रहा है। वहीं, करीब 26 वर्षीय मीना पहाड़िया संगठन में सब-जोनल कमांडर के रूप में सक्रिय रही है। उसके खिलाफ पश्चिम बंगाल के बलरामपुर थाने में कई मामले दर्ज हैं।

आईडीएफसी बैंक मामला : सीबीआई ने आईएफएस अधिकारी और उसकी पत्नी के खिलाफ दाखिल की चार्जशीट

विश्व केसरी■

चंडीगढ़। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने शुक्रवार को एक इंडियन फॉरेस्ट सर्विस (आईएफएस) अधिकारी, जो चंडीगढ़ की ग्रीन एनर्जी सोसाइटी क्रेस्ट के तत्कालीन सीईओ थे, उनकी पत्नी और उस कंपनी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की, जिसमें वह डायरेक्टर के तौर पर काम करती थीं।

यह मामला आईडीएफसी फर्स्ट बैंक अकाउंट्स से 75 करोड़ रुपए की सरकारी राशि के गबन से जुड़ा है। इसको लेकर सीबीआई के एक अधिकारी ने बताया कि चंडीगढ़ रिन्यूएबल एनर्जी एंड साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रमोशन सोसाइटी (क्रेस्ट) ??के तत्कालीन प्रमुख और फॉरेस्ट सर्विस ऑफिसर नवनीत श्रीवास्तव (जो पहले से ही ज्यूडिशियल कस्टडी में हैं), विपम कंसल्टेंसी और उसके डायरेक्टर के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है।

सीबीआई ने कहा कि आरोपियों पर बीएनएस के तहत आपराधिक साजिश, सबूत मिटाने, धोखाधड़ी, विश्वासघात, जालसाजी और नकली दस्तावेजों को असली बताकर इस्तेमाल करने के आरोप लगाए गए हैं। इसके साथ ही उन पर 'प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट 2018' के तहत रिश्वतखोरी, आपराधिक कदाचार और अपराध में मदद के आरोप भी हैं।

बयान में कहा गया है कि सीबीआई की जांच से पता चला है कि क्रेस्ट के सीईओ के तौर पर काम करते हुए श्रीवास्तव ने दूसरे आरोपियों के साथ मिलकर आपराधिक साजिश रची, राशि का गलत इस्तेमाल किया और एक सरकारी कर्मचारी के तौर पर आपराधिक कदाचार करते हुए गैर-कानूनी तरीके से पैसे लिए।

उनकी पत्नी, जो विपम कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड की डायरेक्टर हैं और कंपनी को भी अपराध में मदद करने और आपराधिक साजिश का हिस्सा होने के लिए चार्जशीट किया गया है।

सीबीआई ने बताया कि इस कंपनी को धोखाधड़ी से हासिल रकम में से 95 लाख रुपए मिले और उसने इस पैसे का इस्तेमाल अचल संपत्ति खरीदने में किया। सीबीआई ने कहा कि क्रेस्ट मामले में कुल धोखाधड़ी 75.4 करोड़ रुपए की है।

बिहार के भागलपुर में दो जगह तटबंध टूटे, कोसी के बढ़ते जलस्तर से बढ़ी चिंता

विश्व केसरी■

पटना। बिहार के भागलपुर जिले में बाढ़ की स्थिति लगातार चिंताजनक होती जा रही है। कोसी नदी के तेज दबाव और भारी बारिश के बीच दो अलग-अलग जगहों पर तटबंध टूट गई है।

नौगछिया के रंगरा चौक ब्लॉक के बनिया गांव में पुरानी रेलवे लाइन के तटबंध का करीब 15 मीटर हिस्सा कोसी के बाढ़ के पानी के दबाव में ढह गया। टूटे हुए हिस्से से पानी तेजी से आसपास के इलाकों की ओर बह रहा है, जिससे साधोपुर, मसुदनपुर, बैसी, भवानीपुर और बनिया के लोगों में डर बढ़ गया है। स्थानीय प्रशासन और लोग स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं, क्योंकि बाढ़ का पानी आसपास के इलाकों पर दबाव डाल रहा है। दूसरी घटना नौगछिया के गोपालपुर में हुई, जहां ब्रह्मोत्तर तटबंध में लगभग 10 मीटर का कटाव हुआ है। अधिकारियों के मुताबिक, गुरुवार देर रात आंधी और बारिश के बाद यह हिस्सा टूट गया।

प्रशासन और स्थानीय लोगों ने मिलकर स्थिति को काबू में करने और आगे नुकसान रोकने के लिए काम तेज कर दिया है। इस तटबंध को लेकर चिंता पहले से ही थी, क्योंकि चार दिन पहले यहां रिसाव देखा गया था। 10 मीटर हिस्से के ढहने के बाद अब डर है कि बड़ा कटाव होने पर गोपालपुर की बड़ी आबादी प्रभावित हो सकती है।

लगातार बाढ़ के कारण बड़ी संख्या में परिवारों को अपना घर छोड़कर राहत शिविरों में जाना पड़ा है।

कुछ आरोपियों को क्यों बचाया जा रहा है, एसएनडीपी मामले में हाईकोर्ट ने केरल सरकार को लगाई फटकार

विश्व केसरी■

कोच्चि। केरल हाईकोर्ट ने शुक्रवार को एसएनडीपी माइक्रोफाइनेंस धोखाधड़ी मामले में मुकदमा चलाने की मंजूरी देने में हुई देरी को लेकर राज्य सरकार को कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने सवाल किया कि क्या बार-बार हो रही ये चूक जानबूझकर की जा रही हैं और इनका मकसद मुकदमा चलाने में देरी करना है।

पिछड़ा वर्ग विकास विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव के व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में पेश होने और यह कहने के बाद कि उन्हें मामले की फाइलें केवल गुरुवार को मिली थीं, जस्टिस ए. बदरुद्दीन ने गहरी नाराजगी जताई।

कोर्ट ने पिछले महीने ही निर्देश दिया था कि मुकदमा चलाने की मंजूरी के सवाल पर विचार किया जाए, हालांकि विजिलेंस के विशेष लोक अभियोजक ने बताया कि बातचीत में कमी (कम्युनिकेशन गैप) के कारण फाइलें अतिरिक्त मुख्य सचिव के सामने केवल गुरुवार देर शाम ही रखी जा सकीं। कोर्ट को बताया गया कि फाइलें अब संबंधित अधिकारी को भेज दी गई हैं और एक हफ्ते के भीतर कार्रवाई की जाएगी। जस्टिस बदरुद्दीन ने स्पष्ट किया कि सरकार अब देरी के कारण के तौर पर फाइलें न मिलने का हवाला दोबारा नहीं दे सकती। उन्होंने निर्देश दिया कि 18 सितंबर को मामले की सुनवाई से पहले इस पर कोई फैसला लिया जाए।

पुलिस ने तेलंगाना विधानसभा का घेराव करने की बीआरएस छात्र विंग की कोशिश नाकाम की

विश्व केसरी■

हैदराबाद। हैदराबाद पुलिस ने शुक्रवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के छात्र विंग की विधानसभा का घेराव करने की कोशिश को नाकाम कर दिया। वे फीस रिइम्बर्समेंट फंड जारी करने और पॉलिटेक्निक कॉलेजों को 'यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी' में मिलाने वाले सरकारी आदेश को रद्द करने की मांग कर रहे थे।

बीआरएसवी के कार्यकर्ताओं और छात्रों ने बीआरएसवी के राज्य अध्यक्ष गेल्लू श्रीनिवास यादव की अगुवाई में एलबी स्टेडियम से विधानसभा तक मार्च करने की कोशिश की। वे मांग कर रहे थे कि सरकार फीस रिइंबर्समेंट (फीस वापसी) का बकाया जारी करे और सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेजों को स्किल्स यूनिवर्सिटी में मिलाने वाले सरकारी आदेश 97 को रद्द करे।

हाथों में प्लेकार्ड और बैनर लिए प्रदर्शनकारी अपनी मांगों के समर्थन में नारे लगा रहे थे। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोका, जिन्होंने विधानसभा भवन की ओर आगे बढ़कर निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने की कोशिश की। इसके बाद प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हुई।

पुलिसकर्मियों ने गेल्लू श्रीनिवास यादव समेत प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया और उन्हें उठाकर पुलिस की गाड़ियों में बैठाया, जिसके बाद उन्हें अलग-अलग पुलिस स्टेशनों में ले जाया गया।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट की ला रेजिडेंशिया सोसाइटी में उल्लुओं का आतंक, 5-6 लोगों पर कर चुके हमला

विश्व केसरी■

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की ला रेजिडेंशिया सोसाइटी में इन दिनों उल्लुओं के एक जोड़े ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। सोसाइटी में रहने वाले लोगों का आरोप है कि उल्लुओं का यह जोड़ा लगातार लोगों पर हमला कर रहा है। अब तक करीब पांच से छह सोसाइटी निवासी इनके हमले का शिकार हो चुके हैं। अचानक ऊपर से झपट्टा मारने के कारण लोग दहशत में हैं और रात के समय अकेले आने-जाने से बच रहे हैं।

मामले की शिकायत वन विभाग के अधिकारियों से की गई है। रेजिडेंट्स ने जिला वन अधिकारी (डीएफओ) से भी मामले में हस्तक्षेप कर उल्लुओं को सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू कराने की गुहार लगाई है। निवासियों के मुताबिक, सोसाइटी परिसर में पिछले कुछ समय से उल्लुओं का एक जोड़ा लगातार दिखाई दे रहा है। दोनों उल्लू अक्सर सोसाइटी की सड़कों, पेड़ों और स्ट्रीट लाइट के आसपास बैठे नजर आते हैं। रात के समय जब लोग पैदल गुजरते हैं तो इनमें से एक या दोनों अचानक उनकी ओर झपट्टा मार देते हैं।

हमले में कुछ लोगों को सिर और शरीर पर खरोंच आने की शिकायत है। घटना के बाद सोसाइटी के लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। निवासियों ने बताया कि उल्लुओं के हमले का कोई निश्चित समय नहीं है। कई बार लोग सामान्य रूप से सड़क या परिसर के खुले हिस्से से गुजर रहे होते हैं, तभी ऊपर से उल्लू तेजी से नीचे आता है और व्यक्ति को निशाना बनाने की कोशिश करता है। लगातार हो रही घटनाओं के कारण खासतौर पर बच्चों, बुजुर्गों और देर रात ड्यूटी से लौटने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

सोसाइटी के लोगों ने बताया कि उल्लुओं का यह जोड़ा कई स्थानों पर लगातार नजर आ रहा है। तस्वीरों में भी दोनों उल्लू सोसाइटी की स्ट्रीट लाइट के आसपास बैठे दिखाई दे रहे हैं। निवासियों का कहना है कि उन्हें पक्षियों को नुकसान पहुंचाने या मारने की कोई इच्छा नहीं है, बल्कि वन विभाग से इन्हें सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू कर प्राकृतिक वातावरण में छोड़ने की मांग की गई है।

रेजिडेंट्स ने वन विभाग से जल्द टीम भेजकर स्थिति का जायजा लेने और उल्लुओं को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो किसी व्यक्ति, विशेषकर बच्चे या बुजुर्ग को गंभीर चोट लग सकती है।

ममता बनर्जी की श्रीरामपुर मीटिंग से जुड़ा मामला, हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने सिंगल बेंच को केस भेजा वापस

विश्व केसरी■

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के श्रीरामपुर में तृणमूल कांग्रेस की प्रस्तावित जनसभा को लेकर अनिश्चितता शुक्रवार को भी बनी रही। इस सभा में पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मुख्य वक्ता थीं। कलकत्ता हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने मामले को जल्द फैसले के लिए जस्टिस सौगत भट्टाचार्य की सिंगल-जज बेंच के पास वापस भेज दिया।

यह मीटिंग पहले शुक्रवार के लिए तय की गई थी। गुरुवार को जस्टिस भट्टाचार्य की बेंच ने कार्यक्रम के लिए सशर्त मंजूरी तो दी थी, लेकिन मीटिंग के बाद रैली करने की इजाजत देने से इनकार कर दिया था।

हालांकि, राज्य सरकार के चीफ जस्टिस रवींद्र विट्ठलराव घुगे और जस्टिस तापब्रत चक्रवर्ती वाली डिवीजन बेंच के पास जाने और सिंगल-जज बेंच के आदेश के एक खास हिस्से पर स्पष्टीकरण मांगने के बाद, यह कार्यक्रम योजना के अनुसार आगे नहीं बढ़ सका।

राज्य सरकार ने तर्क दिया कि मामले में पुलिस प्रशासन की भूमिका बहुत कम थी क्योंकि तृणमूल कांग्रेस द्वारा कार्यक्रम के लिए चुने गए मैदान के मालिक ने इसे राजनीतिक कार्यक्रम के लिए इस्तेमाल करने पर आपत्ति जताई थी। सरकार ने यह भी कहा कि निजी संपत्ति का इस्तेमाल आम तौर पर धार्मिक कार्यक्रमों के लिए किया जाता है, इसलिए प्रशासन मालिक की आपत्तियों को नजरअंदाज नहीं कर सकता।

शुक्रवार को मामले की सुनवाई के बाद, डिवीजन बेंच ने केस को वापस सिंगल-जज बेंच के पास भेज दिया और जल्द से जल्द मामले का निपटारा करने का निर्देश दिया। बेंच ने कहा कि राजनीतिक सभा के लिए जगह के इस्तेमाल पर जमीन मालिक की आपत्तियां सुनने के बाद ही अंतिम फैसला लिया जाना चाहिए।

डिवीजन बेंच ने जस्टिस भट्टाचार्य से अनुरोध किया कि वे 18 सितंबर को समीक्षा याचिका पर सुनवाई करें और 25 सितंबर तक आदेश जारी करें।

विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की करारी हार के बाद से ममता बनर्जी ने अपनी राजनीतिक गतिविधियां मुख्य रूप से कोलकाता तक ही सीमित रखी हैं। श्रीरामपुर कार्यक्रम के चुनाव के बाद राज्य की राजधानी से बाहर किसी जिले में उनका पहला बड़ा राजनीतिक कार्यक्रम होने की उम्मीद थी।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
- : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर : : -
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं /....35331.... / न. पा. नि. / जोन क्रं 2/2026 रायपुर, दिनांक 11-09-2026

इश्तिहार
नामंतरण प्र.क्र. 35331
वार्ड का नाम - 28 - शहीद हेमूकालाणी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 28 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR235D00364 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती SURENDRA SINGH BENIPAL पिता / पति श्री / श्रीमती LT. KARAMJEET SINGH BENIPAL के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्रीमती रीता साहू पिता / पति श्री श्रीमती श्री दीनदयाल साहू ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
- : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर : : -
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं /....35332.... / न. पा. नि. / जोन क्रं 2/2026 रायपुर, दिनांक 11-09-2026

इश्तिहार
नामंतरण प्र.क्र. 35332
वार्ड का नाम - 28 - शहीद हेमूकालाणी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 28 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR235C00285 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती RAM PARKASH AGARWAL पिता / पति श्री श्रीमती BABULALAGRAWAL के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती श्री निशांत कुमार श्रीवास्तव पिता / पति श्री/श्रीमती स्व. श्री निर्भय कुमार श्रीवास्तव ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार । पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

60 किलोमीटर लंबी उमरिया से चन्द्रखुरी सड़क जर्जर, आम लोग हलाकान-परेशान

विश्व केसरी■

दाढ़ी (अनिल त्रिपाठी)। बेमेतरा जिले के नवागढ़ विधानसभा क्षेत्र में उमरिया से दाढ़ी, छिरहा, नवागढ़, मारो होते हुए चंदखुरी तक जाने वाली करीब 60 किमी लंबी सड़क इन दिनों बदहाली का शिकार है। करीब 10 साल पहले एडीबी (एशियन डेवलपमेंट बैंक) के माध्यम से इस सड़क का निर्माण कराया गया था। निर्माण के बाद से अब तक सड़क की स्थिति लगातार खराब होती गई, लेकिन नियमित मरम्मत की दिशा में ठोस पहल नहीं हो सकी। बारिश के दिनों में सड़क के गड्ढों में पानी भर जाने से राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

10 साल में एक बार भी नहीं हुई सड़क की मरम्मत

ग्रामीणों के मुताबिक उमरिया से चंदखुरी तक का यह मार्ग नवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। करीब 60 किमी लंबा यह मार्ग दर्जनों गांवों को आपस में जोड़ता है। सड़क बनने के बाद लोगों को बेहतर आवागमन की उम्मीद थी, लेकिन करीब एक दशक बीतने के बाद भी सड़क की हालत सुधारने के लिए अपेक्षित काम नहीं हुआ। कई हिस्सों में डामर उखड़ चुका है और जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं।

बारिश शुरू होने के बाद इन गड्ढों की समस्या और बढ़ गई है। गड्ढों में पानी भरने से उनकी गहराई का अंदाजा वाहन चालकों को नहीं लग पाता। दोपहिया वाहन चालक सबसे अधिक परेशान हैं। रात के समय स्थिति और खतरनाक हो जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की खराब स्थिति के कारण आए दिन दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

बारिश में गड्ढे बन रहे परेशानी का कारण

ग्रामीणों ने बताया कि मार्ग पर सालभर यात्री वाहनों की आवाजाही रहती है। नवागढ़, दाढ़ी, मारो और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए यह प्रमुख संपर्क मार्गों में से एक है। स्कूल-कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों, कर्मचारियों, किसानों और व्यापारियों को भी इसी सड़क से होकर आवागमन करना पड़ता है।

बारिश के दौरान सड़क पर पानी निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण कई जगह पानी जमा हो जाता है। लगातार वाहनों की आवाजाही और पानी के कारण सड़क की ऊपरी परत तेजी से खराब हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते मरम्मत नहीं कराई गई तो आने वाले दिनों में सड़क की स्थिति और खराब हो सकती है।

समूचा नवागढ़ विधानसभा इसी मार्ग से जुड़ा

इस सड़क की सबसे बड़ी खासियत यह है कि नवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के बड़े हिस्से के गांव इस मार्ग के आसपास बसे हुए हैं। उमरिया से शुरू होकर दाढ़ी, छिरहा, नवागढ़ और मारो होते हुए चंदखुरी तक पहुंचने वाला मार्ग ग्रामीण क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी प्रदान करता है।

ग्रामीणों का कहना है कि विधानसभा क्षेत्र के इतने बड़े हिस्से को जोड़ने वाले मार्ग की हालत लंबे समय से खराब होने के बावजूद जिम्मेदार विभाग द्वारा स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा है। सड़क निर्माण के समय जिस स्तर की सुविधा की उम्मीद लोगों ने की थी, वह अब दिखाई नहीं दे रही है।

यात्री वाहनों का लगातार दबाव

मार्ग पर 12 महीने यात्री वाहनों का आवागमन रहता है। बसों के अलावा छोटे यात्री वाहन, मालवाहक वाहन, कृषि कार्य से जुड़े वाहन और दोपहिया वाहन बड़ी संख्या में चलते हैं। सड़क की चौड़ाई और वर्तमान स्थिति को देखते हुए वाहनों की बढ़ती संख्या भी समस्या को गंभीर बना रही है।

ग्रामीणों के मुताबिक कई जगह सड़क इतनी खराब हो चुकी है कि वाहन चालकों को गड्ढों से बचने के लिए सड़क के दूसरे हिस्से में जाना पड़ता है। इससे सामने से आने वाले वाहनों से टकराने का खतरा बना रहता है।

टू-लेन सड़क बनाने की मांग

ग्रामीण रमेश गुप्ता, संतोष सोनी, उत्तम गुप्ता, गुने राम चतुर्वेदी, अरविंद सिंह ठाकुर, सरपंच राजा राम चंद्राकार और मोहित साहू सहित अन्य ग्रामीणों ने सड़क की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि अब केवल गड्ढों की मरम्मत से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। भविष्य की जरूरतों को देखते हुए उमरिया-दाढ़ी-छिरहा-नवागढ़-मारो-चंदखुरी मार्ग को टू-लेन सड़क के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। ग्रामीणों का कहना है कि करीब 60 किमी लंबे इस मार्ग पर यातायात लगातार बढ़ रहा है। नवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के गांवों के विकास, कृषि उपज के परिवहन और यात्री आवागमन के लिए बेहतर सड़क बेहद जरूरी है। ऐसे में सड़क को टू-लेन करने की योजना बनाकर चरणबद्ध तरीके से काम शुरू किया जाना चाहिए।

रायपुर में पकड़ा गया 650 किलो एनालॉग पनीर

विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। रायपुर में 650 किलो एनालॉग पनीर पकड़े जाने के बाद एक बार फिर सवाल खाने की थाली तक पहुंच गया है। बीरगांव में प्लाईवुड फैक्ट्री की आड़ में तैयार किया जा रहा पनीर ओडिशा भेजा जा रहा था। फूड एंड सेफ्टी विभाग ने मुखबिर की सूचना पर जोरा मॉल के पास पिकअप वाहन को रोककर यह खेप जब्त की। पनीर का सैंपल जांच के लिए लैब भेजा गया है और रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई होगी। खास बात यह है कि छत्तीसगढ़ में अमानकीकृत डेयरी एनालॉग यानी एनालॉग पनीर के निर्माण, भंडारण, परिवहन, वितरण और बिक्री पर 31 जुलाई 2026 से प्रतिबंध है।

यह मामला इसलिए भी अहम है क्योंकि राजधानी में पिछले एक महीने में नकली या अमानक पनीर को लेकर खाद्य विभाग पांच कार्रवाई कर चुका है। इनमें तीन मामलों की रिपोर्ट आ चुकी है। दो मामलों में पनीर अमानक मिला, जबकि एक मामले में वह मानक के अनुरूप पाया गया। दो अन्य मामलों की रिपोर्ट अभी बाकी है।

बीरगांव से ओडिशा जा रही थी 650 किलो की खेप

मंगलवार शाम करीब 7 बजे बीरगांव के ओमिया मार्केट स्थित पंछी डोर्स एंड प्लाईवुड फैक्ट्री से 650 किलो पनीर पिकअप में भरकर ओडिशा भेजा जा रहा था। विभाग के मुताबिक इसी फैक्ट्री के भीतर अंशु बंसल द्वारा सांवरिया सेठ मिल्क एंड प्रोडक्ट के नाम से पनीर तैयार किया जा रहा था। फैक्ट्री से वाहन निकलने के बाद मुखबिर ने खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अधिकारियों को सूचना दी। टीम ने जोरा मॉल के पास पिकअप को रोक लिया। जांच में पनीर की पूरी खेप मिली। ड्राइवर से दस्तावेज मांगे गए, लेकिन दस्तावेज उपलब्ध नहीं थे। फिलहाल जब्त पनीर की लैब रिपोर्ट का इंतजार है। विभाग फैक्ट्री में पनीर तैयार करने की प्रक्रिया और इससे जुड़े लोगों की भी जानकारी जुटा रहा है।

एनालॉग पनीर आखिर होता क्या है?

यहां एक बात समझना जरूरी है। एनालॉग पनीर सामान्य दूध से बनने वाला पनीर नहीं होता। FSSAI के मुताबिक डेयरी एनालॉग ऐसा उत्पाद है जिसमें दूध से प्राप्त किसी एक या अधिक प्रमुख घटक की जगह गैर-दुग्ध सामग्री इस्तेमाल की जाती है और तैयार उत्पाद देखने, खाने या इस्तेमाल में दूध उत्पाद जैसा लग सकता है। FSSAI के नियमों में असली पनीर की परिभाषा दूध या दूध से जुड़े घटकों से बने उत्पाद के रूप में दी गई है। एनालॉग उत्पादों में इस्तेमाल होने वाली सामग्री उत्पाद के अनुसार अलग हो सकती है। इनमें वनस्पति तेल या फैट, स्टार्च और दूसरे गैर-दुग्ध घटक इस्तेमाल किए जा सकते हैं। इसलिए केवल देखकर यह पता लगाना मुश्किल हो सकता है कि सामने रखा पनीर दूध से बना है या किसी दूसरे आधार से तैयार किया गया है।

इसे खाने से क्या नुकसान हो सकता है?

एनालॉग पनीर को सीधे जहर या हर व्यक्ति के लिए तत्काल नुकसानदेह बताना सही नहीं होगा। असली चिंता यह है कि इसका पोषण और फैट प्रोफाइल दूध से बने पनीर से अलग हो सकता है। अगर किसी उत्पाद में दूध के प्रोटीन और दूसरे पोषक घटकों की जगह गैर-दुग्ध सामग्री इस्तेमाल की गई है, तो वह सामान्य पनीर जैसा पोषण नहीं देगा।

छग में तेज गति से हो रहा अन्त्योदय पर काम : प्रवक्ता डॉ. किरण बघेल

विश्व केसरी■

सक्ती/रायपुर (ईश्वर लोधी)। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता डॉ. किरण बघेल ने सक्ती जिले के ग्राम जेठा में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीण विकास, आवास, महिला सशक्तीकरण और आजीविका से जुड़ी दी गई विकासपरक सौगातों के लिए केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि-किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री द्वय विजय शर्मा व अरुण साव सहित केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मूल मंत्र 'सबका साथ, सबका विकास' को धरातल पर उतारते हुए छत्तीसगढ़ की 'डबल इंजन' सरकार जन-कल्याण के नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। शुक्रवार को सक्ती में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत नवनिर्मित 2 लाख आवासों में हितग्राहियों का ससम्मान गृह प्रवेश कराया जाना राज्य के गरीब, वंचित और ग्रामीण परिवारों के जीवन में एक नए युग की शुरुआत है। हर गरीब के सिर पर अपनी पक्की छत का सपना साकार कर भाजपा सरकार ने सिद्ध कर दिया है कि उसकी प्राथमिकता सदैव अन्तिम पंक्ति के व्यक्ति का उत्थान रही है। बघेल ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान 122 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले 39 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया है। यह अभूतपूर्व सौगात सक्ती क्षेत्र सहित पूरे प्रदेश में ग्रामीण अधोसंरचना को मजबूती देगी और सामाजिक व आर्थिक गतिविधियों को नई गति प्रदान करेगी।

छात्रों को राहत, कॉलेजों में प्रवेश की तारीख बढ़ी

विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ के शैक्षणिक संस्थानों में सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए राहत की खबर है। उच्च शिक्षा विभाग ने प्रवेश की अंतिम तारीख एक बार फिर बढ़ा दी है।

अब जिन कॉलेजों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में सीटें खाली हैं, वहां विद्यार्थियों को 19 सितंबर 2026 तक प्रवेश दिया जा सकेगा। इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग ने 11 सितंबर को आदेश जारी किया है। उच्च शिक्षा विभाग ने यह फैसला छात्रहित को ध्यान में रखते हुए लिया है। विभाग के अनुसार प्रदेश के शैक्षणिक संस्थानों में कुछ सीटें अभी भी रिक्त हैं। ऐसे में विद्यार्थियों को प्रवेश का एक और अवसर देने के लिए तारीख बढ़ाई गई है। नए आदेश के मुताबिक, रिक्त सीटों की स्थिति में 19 सितंबर तक प्रवेश प्रक्रिया पूरी की जा सकेगी। इससे उन विद्यार्थियों को फायदा मिलेगा, जो किसी कारण से निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रवेश नहीं ले सके थे।

सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश की समय सीमा इससे पहले भी बढ़ाई जा चुकी है। उच्च शिक्षा विभाग ने 14 अगस्त को जारी आदेश के माध्यम से प्रवेश की तारीख 31 अगस्त 2026 तक बढ़ाई थी। अब विभाग ने एक बार फिर प्रवेश की अवधि बढ़ाने का निर्णय लिया है। इस बार नई अंतिम तारीख 19 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है। हालांकि, यह विस्तार मुख्य रूप से उन संस्थानों में लागू होगा, जहां सीटें रिक्त हैं।

उच्च शिक्षा संचालनालय को भेजा गया आदेश

उच्च शिक्षा विभाग ने यह आदेश उच्च शिक्षा संचालनालय के आयुक्त को भेजा है। आदेश में सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश तिथि बढ़ाने की जानकारी दी गई है। संबंधित शैक्षणिक संस्थानों में इसी के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

26वी राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का समापन

विश्व केसरी■

कसडोल (प्रवीण ढोमने)। 26वी राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का समापन समारोह उत्साह और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

समापन समारोह में भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं भाटापारा के पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा,अनुसूचित जाति छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक बिलाईगढ़ सनम जांगड़े जिला पंचायत उपाध्यक्ष पवन साहू, शिक्षा विभाग विधायक प्रतिनिधि विजय साहू सहित जनप्रतिनिधि, खेल अधिकारी, प्रशिक्षक एवं बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित रहे। समारोह में अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। खेलों के माध्यम से अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का विकास होता है। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने विभिन्न खेल स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन किया। समापन अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं।

पोरा तिहार पर बाजार हुआ गुलजार

विश्व केसरी■

नगरी (राजशेखर नायर)। पशुधन को समर्पित एक प्रमुख पारंपरिक कृषि आधारी पर्व पोला या पोरा तिहार पर बच्चों के लिए मिट्टी की नांदिया बैल और बरतनों के बाजार में चहल पहल रही. ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि कामकाज बंद रहा।

धूमधाम से मनाया गया पारंपरिक 'पोला तिहार'

विश्व केसरी■

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। छत्तीसगढ़ी संस्कृति की खुशबू से सराबोर पारंपरिक पर्व 'पोला तिहार' इस शुक्रवार को नगर व आसपास के गांवों में बेहद उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया।यह त्योहार केवल एक उत्सव भर नहीं है, बल्कि यह माटी के प्रति प्रेम, किसानों के सच्चे साथी बैलों के प्रति कृतज्ञता और हमारी समृद्ध लोक संस्कृति का एक जीवंत दस्तावेज है।

घर-घर गूंजी नन्हीं किलकारियां और सजी मिट्टी की बैलगाड़ियां

पोला पर्व के दिन सुबह से ही घरों में एक अलग ही रौनक देखने को मिलती है। नन्हे-मुन्नों के हाथों में मिट्टी के सुंदर खिलौने और नन्हीं बैलगाड़ियां थमा दी जाती हैं।बच्चों ने सुबह-सुबह माटी से बने बैलों और पारंपरिक खिलौनों की पूरे विधि-विधान से पूजा की।पूजा के बाद बच्चों का उत्साह देखने लायक होता है, जब वे अपने इन खिलौनों के साथ गलियों में खेलते हुए नजर आते हैं।बालिकाओं ने भी मिट्टी के पारंपरिक खिलौनों के साथ खेलकर इस पर्व की खुशियों को दोगुना कर दिया।

रसोई से महकते ठेठरी-खुरमी और पारंपरिक पकवान

छत्तीसगढ़ी संस्कृति और खान-पान का जिक्र हो और मुंह में पानी न आए, ऐसा कैसे हो सकता है! पोला के इस खास मौके पर हर घर की रसोई में पारंपरिक पकवानों की महक चारों तरफ बिखर रही थी। विशेष तौर पर ठेठरी, खुरमी, और गुझिया जैसे लजीज पकवान तैयार किए गए।

बाढ़ में जर्जर हुआ राजिम का बजरंग अखाड़ा युवाओं ने विधायक से लगाई मदद की गुहार

विश्व केसरी■

राजिम (शेखर मिश्रा)। नगर के युवाओं को बेहतर स्वास्थ्य और शारीरिक प्रशिक्षण का मंच देने वाले राजिम के एकमात्र सार्वजनिक बजरंग अखाड़ा जिम की बदहाल स्थिति को सुधारने की पहल शुरू हो गई है। बाढ़ से जर्जर हो चुके जिम के जीर्णोद्धार और नई कसरत सामग्री उपलब्ध कराने की मांग को लेकर बजरंग अखाड़ा राजिम फिटनेस क्लब एवं नगर के युवाओं ने राजिम विधायक रोहित साहू से मुलाकात की।

युवाओं ने विधायक निवास पहुंचकर जिम के लिए 10 लाख रुपये की जिम सामग्री उपलब्ध कराने का आवेदन सौंपा। युवाओं ने बताया कि पिछले वर्षों में दो बार बाढ़ का पानी जिम परिसर में भर गया था। लंबे समय तक पानी में डूबे रहने के कारण जिम में मौजूद अधिकांश पुरानी कसरत मशीनें और लोहे के उपकरण जर्जर हो गए हैं। उपकरणों में भारी जंग लगने के कारण वे अब उपयोग के लायक नहीं रह गए हैं। इसका सीधा असर युवाओं के नियमित व्यायाम, फिटनेस और शारीरिक प्रशिक्षण पर पड़ रहा है।

युवाओं की मांग को बताया जायज

इस दौरान विधायक रोहित साहू ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे स्वयं एक स्पोर्ट्स पर्सन रहे हैं। उन्होंने जूडो सहित अन्य खेलों में प्रशिक्षण लेने के साथ खिलाड़ी और ट्रेनर के रूप में भी कार्य किया है।

गरबा डांस फ्लोर या पर्यटन का स्थल नहीं जाएं मुस्लिम : सलीम राज

विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। नवरात्रि के दौरान गर आयोजनों में मुस्लिमों की एंट्री को लेकर चल रही चर्चा के बीच छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज का बयान सामने आया है। उन्होंने मुस्लिम समाज से गरबा आयोजनों में नहीं जाने की अपील की है। सलीम राज ने कहा कि नवरात्रि आस्था का पर्व है और गरबा डांस फ्लोर या पर्यटन का स्थल नहीं है।

देश में जहां एक ओर गरबा के आयोजनों में समरसता की बात चल रही है, वहीं दूसरी ओर छत्तीसगढ़ में वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ सलीम राज दलील दे रहे हैं कि गरबा स्थलों में मुस्लिमों के जाने से सामाजिक समरसता बिगड़ती है। उनके मुताबिक जो मुस्लिम युवा गरबा डांस में भाग लेने जाते हैं, उनका भाव कुछ गलत रहता है, इसके चलते सौहार्द्र खराब होता है।

विश्व हिन्दू परिषद की दलील का समर्थन

डॉ सलीम राज ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद की ओर से मुस्लिमों की एंट्री को लेकर जो बात कही गई है, उसका वह स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई मुस्लिम व्यक्ति ऐसे आयोजन में जाता है तो उसे वहां की धार्मिक आस्था और परंपराओं का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो मुस्लिम गरबा के आयोजनों में जाता है, उसकी देवी मां में आस्था होनी चाहिए, वह टीका लगाकर जाये और गंगा जल ग्रहण करे और फिर डांस करे। ऐसा अगर विश्व हिन्दू परिषद के लोग कह रहे हैं तो इसमें गलत क्या है।

जिहाद के आरोपों को मिलता है बढ़ावा

डॉ सलीम राज ने मुस्लिम समाज से अपील की कि ऐसे आयोजनों में जाने से बचें, क्योंकि इससे सामाजिक समरसता प्रभावित हो सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह के मामलों से विवाद और जिहाद जैसे आरोपों को बढ़ावा मिलता है।

'मुस्लिमों में मूर्ति पूजा हराम है'

डॉ सलीम राज ने कहा कि मुस्लिमों में मूर्ति पूजा को हराम कहा जाता है। ऐसे में अगर किसी मुस्लिम की मूर्ति पूजा में आस्था है, तो वह गरबा स्थल पर जाये। देवी मां की पूजा करे और आयोजन में हिस्सा ले। नवरात्रि आस्था का पर्व है और गरबा डांस फ्लोर या पर्यटन का स्थल नहीं बल्कि आस्था का केंद्र होता है। आस्था है तो मुस्लिम युवा वहां जाये। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य दूसरा रहता है और इससे समरसता बिगड़ती है।

'गंगा-जमुनी तहजीब' का अभाव : पूर्व अध्यक्ष सलाम रिजवी

छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष सलाम रिजवी ने डॉ सलीम राज के बयान के मद्देनजर कहा कि भारत में आज के दौर में 'गंगा-जमुनी तहजीब' का अभाव नजर आता है, इसलिए बेहतर है कि मुस्लिम समाज के लोग नवरात्रि और गरबा जैसे आयोजनों में जाने से बचें। वे फिलहाल अपने धर्म और त्यौहार अदि के आयोजनों के बारे में सोचें। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में पूर्व की तरह भाईचारे का दौर अगर आया तब फिर समाज के लोग दूसरे कौम के लोगों से कांधे से कांधा मिलाकर चलने की सोचें। सलाम रिजवी ने अफसोस जताते हुए कहा कि वर्तमान में माहौल काफी खराब हो चला है और चंद लोग भारत में सभी धर्मों की एकता और सामाजिक समरसता को बिगाड़ने में लगे हुए हैं, इसलिए वर्तमान का दौर शांति से जीवन व्यतीत करने का है।

दोनों की दलील अलग-अलग

बहरहाल गरबा जैसे आयोजनों में मुस्लिम समाज के लोगों को न जाने की सलाह वक्फ बोर्ड के वर्तमान और पूर्व अध्यक्ष दोनों दे रहे है, मगर दोनों की दलील अलग-अलग है। एक का कहना है कि मुस्लिमों के ऐसे आयोजनों में जाने से सामाजिक समरसता बिगड़ती है वहीं दूसरे का मानना है कि वर्तमान में सामाजिक समरसता का ही अभाव होता है।

ग्राम बेतर में 24 घंटे सीताराम संकीर्तन का आयोजन

विश्व केसरी■

दाढ़ी (अनिल त्रिपाठी)। ग्राम बेतर में धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण के बीच 24 घंटे की सार्वजनिक रामधुनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान लगातार सीताराम संकीर्तन से पूरा ग्रामीण अंचल गूंजता रहा। रामधुनी में शामिल होने के लिए आसपास के गांवों से दर्जनों संकीर्तन टोलियां पहुंच रही हैं। गांव में सुबह से लेकर देर रात तक श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी हुई है। ग्रामीण परिवार सहित रामधुनी में शामिल होकर भगवान श्रीराम का स्मरण और संकीर्तन कर रहे हैं।

ग्राम बेतर में आयोजित इस 24 घंटे के सीताराम संकीर्तन को लेकर ग्रामीणों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। आयोजन स्थल पर ग्रामीणों द्वारा धार्मिक अनुष्ठान के साथ रामधुनी का शुभारंभ किया गया। इसके बाद अलग-अलग संकीर्तन मंडलियों ने बारी-बारी से सीताराम नाम का जाप और भजन प्रस्तुत किए। ढोलक, मंजीरा, झांझ सहित पारंपरिक वाद्ययंत्रों की धुन पर श्रद्धालु संकीर्तन में शामिल होते रहे। राम नाम के जयघोष से आयोजन स्थल का वातावरण भक्तिमय बना रहा।

दर्जनों टोलियां पहुंच रहीं, रातभर चलता रहा संकीर्तन

रामधुनी में शामिल होने आसपास के गांवों की संकीर्तन मंडलियां भी पहुंच रही हैं। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में होने वाले ऐसे धार्मिक आयोजनों में आसपास के गांवों के लोगों की भी सहभागिता रहती है। इसी परंपरा के तहत बेतर में आयोजित 24 घंटे की रामधुनी में विभिन्न गांवों से मंडलियां पहुंचकर अपनी प्रस्तुति दे रही हैं।

संपादकीय

जननी जन्मभूमि एवं स्त्रियों का सम्मान उन्नत राष्ट्र की विशिष्ट पहचान

संजीव ठाकुर

जननी जन्मभूमि एवं स्त्रियों का सम्मान उन्नत राष्ट्र की विशिष्ट पहचान। जन्मभूमि और स्त्रियों की प्रतिष्ठा भारत में सर्वोपरि। भारतीय ऋषियों ने अथर्व वेद में माताओं को 'माता भूमिह पुत्र अहं पृथ्व्या' अर्थात भूमि मेरी माता है और हम इस धरा के पुत्र हैं, कहकर प्रतिष्ठित किया है,तभी से विश्व में नारी महिमा का उद्घोष हो गया था। महान शासक नेपोलियन बोनापार्ट ने नारी की महत्ता को बताते हुए कहा था कि 'मुझे एक योग्य माता दे दो, मैं तुम्हें एक योग्य राष्ट्र दूंगा'। मानव कल्याण की भावना, कर्तव्य, सृजनशीलता और ममता को सर्वोपरि मानते हुए महिलाओं ने इस जगत में मां के रूप में अपनी सर्वोपरि भूमिका को निभाते हुए राष्ट्र निर्माण और विकास में अपने विशेष दायित्वों का निर्वहन किया है। किसी भी राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं का महत्व इसलिए भी सर्वोपरि है कि महिलाएं बच्चों को जन्म देकर उनका पालन पोषण करते हुए उनमें संस्कार एवं सद्गुणों का उच्चतम विकास करती हैं,और राष्ट्र के प्रति उनकी जिम्मेदारी को सुनिश्चित करती है। जिससे राष्ट्र निर्माण और विकास निर्बाध गति से होता रहे। वीर भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, विवेकानंद जैसी विभूतियों का देश हित में अवतार माँ के लालन-पालन की ही देन है। जीजाबाई,जयंताबाई, पन्ना धाय जैसी अनेक माताओं को त्याग समर्पण और त्याग को भी इतिहास के पन्नों में स्वर्णिम अक्षरों से अंकित किया गया है। माताएं ही हैं जो बहुआयामी व्यक्तित्व का निर्माण और विकास करती है। मूलत: माताएं, स्त्रियां की राष्ट्र निर्माण की सशक्त सूत्रधार होती है। राष्ट्र निर्माण के संदर्भ में नारी विधाता की सर्वोत्तम और उत्कृष्ट कृति है। जो जीवन की बगिया को महकाती है और न केवल व्यक्तिगत बल्कि राष्ट्र निर्माण एवं विकास में अपनी महती भूमिका निभाती है। नारी के लिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि उनमें विविधता में एकता होती है। महिलाओं के बाह्य रूप और सौंदर्य तथा पहनावे में विस्तृत विविधता तो होती ही है, लेकिन उनके मानस में एक आकार और केंद्रीय शक्ति ईश्वर की तरह एक ही होती है। नारी का स्वरूप न केवल बाहर अपितु अंतर्मन के ममत्व भाव का वृहद स्वरूप का भी रहस्योद्घाटन करती हैं, नारी प्रकृति एवं ईश्वरिय जगत का अद्भुत पवित्र साध्य है, जिसे अनुभव करने के लिए पवित्र साधन एवं दृष्टि का होना आवश्यक है, नारी का स्वरूप विराट होता है जिसके समक्ष स्वयं विधाता भी नतमस्तक हो जाते हैं, नारी अमृत वरदान होने के साथ-साथ दिव्य औषधि भी है। समाज के सांस्कृतिक धार्मिक भौगोलिक ऐतिहासिक और साहित्यिक जगत में नारी यानी स्त्री का दिव्य स्वरूप प्रस्फुटित हुआ है और जिसके फलस्वरूप राष्ट्र ने नई नई ऊंचाइयों को भी शिरोधार्य किया है। सभ्यता, संस्कृति ,संस्कार और परंपराएं महिलाओं के कारण ही एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में हस्तांतरित होती हैं ।अत: महिलाओं की सामाजिक, शैक्षिक, धार्मिक कार्य शक्ति ही परिवार तथा समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाते हैं। नारियों के संदर्भ में यह भी कहा गया है कि सशक्त महिला सशक्त समाज की आधारशिला होती है। माताएं शिशु की प्रथम शिक्षिका होती है। माता के बाद बहन,पत्नी का अवतार राष्ट्र निर्माण और विकास के साथ-साथ पथ प्रदर्शक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, पत्नी चाहे तो पति को गुणवान और सद्गुणी बना सकती है। इतिहास गवाह है कि जब भी कभी देश में संकट आया है तो पत्नियों ने अपने पतियों के माथे पर तिलक लगाकर जोश, जुनून और विश्वास के साथ रणभूमि भेजा है और विजयश्री प्राप्त की है। तुलसीदास जी के जीवन में आध्यात्मिक चेतना प्रदान करने के लिए उनकी पत्नी रत्नावली का ही हाथ था ।विद्योत्मा ने कालिदास को संस्कृत का प्रकांड महाकवि बनाया था, इसके अतिरिक्त यह कहना भी गलत नहीं होगा कि पति को भ्रष्टाचार, बेईमानी, लूट,गबन आदि जो कि राष्ट्र को खोखला बनाते हैं जैसी बुराइयों से पत्नी ही दूर रख सकती है और उन्हें इन विसंगतियों से अपनी सलाह के अनुसार बचाती है। सही मायनों में महिलाएं ही संस्कृति, संस्कार और परंपराओं की संरक्षिका होती है। वे पीढ़ी दर पीढ़ी इसका संचालन आरक्षण करती आ रही है। पूरे विश्व में भारत को विश्व गुरु का दर्जा दिलाने में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण एवं महती रही है। स्वतंत्रता के आंदोलन की चर्चा ना करना इस आलेख को पूर्ण बनाता है, अत: स्वाधीनता के आंदोलन में महिलाओं ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर भारत के नवनिर्माण में अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया है, कैप्टन लक्ष्मी सहगल, अरूणा आसफ अली, मैडम भीकाजी कामा,सरोजिनी नायडू, एनी बेसेंट, दुर्गा भाभी और न जाने कितनी महिलाओं ने राष्ट्र निर्माण और विकास में अपना अमूल्य योगदान दिया है। राजनीति के क्षेत्र में महिलाओं का योगदान भी अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है, विजयलक्ष्मी पंडित विश्व की प्रथम महिला जो संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष बनी, सरोजनी नायडू, सुचेता कृपलानी, इंदिरा गांधी जैसे महिलाओं ने राजनीतिक प्रतिभा का प्रयोग राष्ट्र निर्माण और विकास में किया है जो अपने समय के महत्वपूर्ण सशक्त हस्ताक्षर थी। वर्तमान में भी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, ममता बनर्जी, मायावती, स्मृति ईरानी, सोनिया गांधी,प्रियंका गांधी, हरसिमरन, कौर वसुंधरा राजे सिंधिया, प्रतिभा पाटिल, मृदुला सिन्हा आदि ने राजनीति मैं अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर अपने कार्यों से महिलाओं का सम्मान बढ़ाया एवं देश की अर्थव्यवस्था सुधारने में अपना योगदान दिया है। यह कहने में कतई गुरेज नहीं है कि महिलाएं राजनीति, सामाजिक, आर्थिक, प्रशासनिक, चिकित्सकीय, और विज्ञान में देश के हित के लिए अग्रणी रही हैं। सशक्त राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं की सशक्त भूमिका को नमन करते हुए कृतज्ञ राष्ट्र उन्हें साधुवाद प्रदान कर उनकी इस भूमिका को प्रणाम करता है।

रूस-भारत संबंध नई ऊंचाइयों पर

प्रोफ़ेसर (डॉ.) डी. के. पांडेय

यह एक साल से भी कम समय में पुतिन का दूसरा दौरा होगा- पिछला दौरा दिसंबर 2025 में 23वें भारत-रूस वार्षिक समिट के लिए हुआ था। भारत 'अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय' (आईसीसी) का सदस्य नहीं है; इसलिए गिरफ्तारी वारंट का मुद्दा, जैसा कि 2023 में दक्षिण अफ्रीका में हुआ था, यहाँ लागू नहीं होता।

ब्रिक्स 2026 समिट पूर्व रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत आगामी दौरे से काफी उम्मीदें हैं, और इस पर तेज़ी से काम चल रहा है। भारत अपनी 2026 की अध्यक्षता के तहत 18वें ब्रिक्स समिट की मेज़बानी कर रहा है। यह समिट 12-13 सितंबर, 2026 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में होना तय है। राष्ट्रपति पुतिन के मुख्य समिट से एक दिन पहले, 11 सितंबर को नई दिल्ली पहुँचने की उम्मीद है। उनके दौरे में हैदराबाद हाउस में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक खास द्विपक्षीय बैठक होगी, जिसमें कई रणनीतिक और आर्थिक मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

यह एक साल से भी कम समय में पुतिन का दूसरा दौरा होगा- पिछला दौरा दिसंबर 2025 में 23वें भारत-रूस वार्षिक समिट के लिए हुआ था। भारत 'अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय' (आईसीसी) का सदस्य नहीं है; इसलिए गिरफ्तारी वारंट का मुद्दा, जैसा कि 2023 में दक्षिण अफ्रीका में हुआ था, यहाँ लागू नहीं होता।

रक्षा और परमाणु ऊर्जा: क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने पुष्टि की: 'भारत को एडवांस्ड सू-57 फाइटर जेट्स की बिक्री एजेंडा में सबसे ऊपर होगी '। पेस्कोव ने मंगलवार को नई दिल्ली में ब्रिक्स नेताओं के समिट से पहले भारतीय पत्रकारों के साथ एक वर्चुअल बातचीत में यह बात कही। अमका में देरी के बाद भारतीय वायु सेना दो स्क्वाड्रन पर विचार कर रहा है। चर्चा में भारत को 5वीं पीढ़ी के सू-57 फाइटर एयरक्राफ्ट के अलावा एस-500 सिस्टम की संभावित बिक्री भी शामिल होने की उम्मीद है। इसके अलावा, रूस नए परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने पर भारत के साथ बातचीत का इंतज़ार कर रहा है।

इसे भी पढ़ें: हालिया टकराव के बाद ड्रुह्ड्रुठ और खाड़ी देशों का ब्रिक्ष्ट्रुस्ट में होगा आमना-सामना, अब मोदी की कूटनीति देखेगी दुनिया

व्यापार और वित्तीय सहयोग: दोनों देशों के पश्चिमी प्रतिबंधों के असर को कम करने के लिए राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने पर ज़ोर देने की उम्मीद है। रूसी अधिकारियों ने बताया है कि ब्रिक्स देशों के साथ उनके 90 प्रतिशत तक लेन-देन अब राष्ट्रीय मुद्राओं में किए जाते हैं, जो वित्तीय मज़बूती की दिशा में एक कदम है। द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य .100 बिलियन है। रेयर अर्थ (दुर्लभ खनिजों) की खोज में सहयोग भी एजेंडा में शामिल है। भारत को सेमीकंडक्टर के लिए इनकी ज़रूरत है। रूस के पास दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा भंडार है, जबकि भारत के पास वैश्विक भंडार का लगभग सात प्रतिशत हिस्सा है। रूस रेयर अर्थ खनिजों की खोज में भारत की मदद कर सकता है।

टेक्नोलॉजी और मैन्युफैक्चरिंग: पेमेंट की दिक्कतों के कारण भारत-रूस व्यापार 65 बिलियन पर अटका हुआ है, क्योंकि रूस को डॉलर इम्पोर्ट करने की इजाज़त नहीं है। रूस और ब्रिक्स के बीच अब लगभग 90% लेन-देन नेशनल करेंसी में हो रहा है, और रुपये के सरप्लस (अतिरिक्त) का मुद्दा धीरे-धीरे सुलझाया जा रहा है। रुपये का वह ढेर - रूस के पास भारतीय बैंकों में लगभग 8 बिलियन अतिरिक्त रुपये पड़े हैं जिनका वह इस्तेमाल नहीं कर सकता - मुख्य मुद्दों में से एक होगा। समिट से पहले, भारतीय इंडस्ट्रियल एजेंसियां मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में गहरे संबंधों के लिए माहौल तैयार कर रही हैं। समिट के दौरान, भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग, क्वांटम टेक्नोलॉजी और सेमीकंडक्टर रिसर्च में सरकार और रिसर्च के स्तर पर करीबी सहयोग को बढ़ावा देने की उम्मीद कर रहा है।

भू-राजनीतिक नज़रिए से, यह दौरा भारत की रणनीतिक स्वायत्तता के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। नई दिल्ली रूस पर अपनी पारंपरिक रक्षा और ऊर्जा निर्भरता को संतुलित करते हुए अमेरिका के साथ सहयोग को गहरा कर रही है और व्यापक क्षेत्रीय स्थितियों को भी संभाल रही है। इसके अलावा, राष्ट्रपति पुतिन मोदी को यूक्रेन युद्ध की मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी देंगे - भारत को फिर से एक संभावित मध्यस्थ के रूप में देखा जा रहा है। मॉस्को ने यूक्रेन संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान खोजने के प्रयासों में योगदान देने की भारत की इच्छा का सार्वजनिक रूप से स्वागत किया है, जिससे राजनयिक बातचीत में एक सकारात्मक माहौल बना है।

ट्रंप प्रशासन ने भारत को रूसी तेल खरीदने (50% टैरिफ की धमकी) के बारे में चेतावनी दी है, लेकिन भारत की ऊर्जा ज़रूरतें ज़्यादा अहम हैं। अमेरिका इस समिट पर बारीकी से नज़र रखेगा क्योंकि इसमें डी-डॉलराइज़ेशन पर चर्चा हो सकती है - पेस्कोव पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं: 'रूस डी-डॉलराइज़ेशन नहीं चाहता; अमेरिका ने खुद डॉलर को हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया है ।

भारत की 2026 ब्रिक्स अध्यक्षता की थीम, 'मज़बूती, इनोवेशन, सहयोग और सस्टेनेबिलिटी के लिए निर्माण' के तहत, समिट 11-सदस्यीय समूह में व्यावहारिक सहयोग को बढ़ाने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। इसमें डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को आगे बढ़ाना, क्लाइमेट एक्शन और प्रस्तावित ग्लोबल रिसर्च एडवांस्ड इंफ्रास्ट्रक्चर नेटवर्क जैसी मल्टीलेटरल पहल शामिल हैं, जो सदस्य देशों के बीच हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग संसाधनों को साझा करेंगी।

राष्ट्रपति पुतिन का आगामी दौरा रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, जिसका उद्देश्य रक्षा, ऊर्जा और उभरती टेक्नोलॉजी के क्षेत्रों में भारत-रूस साझेदारी को मज़बूत करना है, और यह सब मज़बूत और विस्तारित होते ब्रिक्स गठबंधन के व्यापक ढांचे के भीतर हो रहा है। यह सिर्फ ब्रिक्स का एक औपचारिक दौरा नहीं है; यह ब्रिक्स के भीतर एक छोटा भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन है। 11 तारीख को ही बड़ी घोषणाओं की उम्मीद की जा सकती है।

BRICS यानी ईंट... लेकिन ये कैसी ईंट है?

राकेश अचल

ब्रिक्स का अंग्रेजी उच्चारण भले ही ब्रिक्स हो, जिसका अर्थ ईंट भी होता है, लेकिन भारत में इन दिनों जिस ब्रिक्स की चर्चा है, वह दुनिया की बड़ी और उभरती अर्थव्यवस्थाओं का ऐसा मंच है, जो किसी देश की आर्थिक ईंटों को मजबूत भी कर सकता है और कमजोर भी।

और इस बार सवाल सिर्फ ब्रिक्स का नहीं है।सवाल यह भी है कि ब्रिक्स के नाम पर दिल्ली को कितने दिनों तक पंगु बनाकर रखा जाएगा और बदले में भारत के हाथ क्या आएगा?

18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली के भारत मंडपम में हो रहा है। भारत इस समय ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है। इस विस्तारित समूह में अब ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के अलावा मिस्र, इथियोपिया, ईरान, इंडोनेशिया, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात भी शामिल हैं। यानी मंच छोटा नहीं है।लेकिन बड़ा सवाल है—भारत को इससे मिलेगा क्या?

पूर्व वित्त मंत्री और कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने सम्मेलन से ठीक पहले यही सवाल उठा दिया है। उनका कहना है कि पिछले दो-तीन ब्रिक्स सम्मेलनों से उन्हें भारत के लिए कोई खास ठोस या प्रत्यक्ष फायदा दिखाई नहीं दिया। उन्होंने ब्रिक्स के साथ-साथ एससीओ, जी-20 और क्वाड को लेकर भी पूछा कि आखिर इन मंचों से भारत को क्या ठोस लाभ मिल रहा है। भाजपा ने जवाब दिया है कि कूटनीति को केवल तत्काल हिसाब-किताब से नहीं देखा जा सकता और ब्रिक्स जैसे मंचों पर भारत की मौजूदगी अपने आप में महत्वपूर्ण है।तो फिर असली परीक्षा किसकी है?भारत की विदेश नीति की... या ब्रिक्स की?

भारत इस सम्मेलन में डिजिटल भुगतान और केंद्रीय बैंकों की डिजिटल मुद्राओं यानी(CBDC) को आपस में जोड़ने की दिशा में पहल आगे बढ़ाना चाहता है। मकसद ब्रिक्स देशों के बीच सीमा-पार भुगतान को आसान और तेज करना है। लेकिन इसमें तकनीकी और राजनीतिक अड़चनें भी कम नहीं हैं। यानी इस बार केवल फोटो खिंचवाने और नेताओं के हाथ मिलाने से बात नहीं बनेगी।भारत को देखना होगा कि क्या ब्रिक्स से व्यापार बढ़ता है?क्या भारतीय कंपनियों को नए बाजार मिलते हैं?क्या भुगतान व्यवस्था आसान होती है?

क्या डॉलर पर निर्भरता कम करने की दिशा में कोई व्यावहारिक कदम निकलता है?और क्या ग्लोबल साउथ की आवाज को सचमुच ज्यादा ताकत मिलती है?

क्योंकि सम्मेलन खत्म होने के बाद सबसे बड़ा सवाल यही होगा

दिल्ली में दुनिया जुटी थी... लेकिन भारत के खाते में क्या जमा हुआ?अब दूसरी चिंता दिल्ली की है। ब्रिक्स के कारण राजधानी में 11 से 13 सितंबर तक सुरक्षा और यातायात व्यवस्था में बड़े बदलाव किए गए हैं। 35 से ज्यादा सड़कों पर असर पड़ने और 22 डायवर्जन प्वाइंट बनाए जाने की जानकारी सामने आई है। विदेशी प्रतिनिधिमंडलों की आवाजाही के कारण एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन जाने वालों को भी अतिरिक्त समय रखने की सलाह दी गई है।

मैं मानता हूँ कि सुरक्षा जरूरी है।विदेशी राष्ट्राध्यक्षों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं हो सकता।लेकिन सवाल यह है कि व्यवस्था ऐसी क्यों न हो कि मेहमान भी सुरक्षित रहें और दिल्लीवाले भी परेशान न हों?क्योंकि अभी कुछ महीने पहले ही दिल्ली में हुए ए आई इंपेक्ट समिट की यादें बहुत पुरानी नहीं हुई हैं। आपको याद होगा कि उद्घाटन के पहले दिन करीब 80 हजार लोग पहुंच गए थे. लंबी कतारें लगीं, प्रवेश को लेकर भ्रम रहा, कुछ लोगों ने पानी और भोजन तक नहीं मिलने की शिकायत की।और फिर आया चोरी का मामला।

एक स्टार्टअप के एआई उपकरण प्रदर्शनी स्थल से गायब हो गए। पुलिस ने एफ आई आर दर्ज की और बाद में दो संविदाकर्मियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने कथित तौर पर उन उपकरणों को पेन ड्राइव समझ लिया था।एक यूनिवर्सिटी ने तो चीनी रोबोट को ही अपना बता कर प्रदर्शित कर दिया था.

बोध कथा

बोध कथा : ईमानदारी का फल

एक गांव में रामू नाम का एक गरीब किसान रहता था। वह बहुत मेहनती और ईमानदार था। एक दिन खेत से घर लौटते समय उसे रास्ते में एक थैला मिला। थैले में बहुत सारे रुपये और कुछ जरूरी कागज थे। रामू चाहता तो उन पैसों से अपनी गरीबी दूर कर सकता था, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया।

वह थैला लेकर गांव के मुखिया के पास गया। मुखिया ने कागजों की मदद से थैले के मालिक को खोज निकाला। मालिक एक व्यापारी था। अपना थैला वापस पाकर वह बहुत खुश हुआ और उसने रामू को इनाम देना चाहा।

रामू ने कहा, 'मैंने वही किया जो हर ईमानदार व्यक्ति को करना चाहिए।' व्यापारी उसकी ईमानदारी से बहुत प्रभावित हुआ और उसने रामू को अपने काम में अच्छी नौकरी दे दी।

रामू की मेहनत और ईमानदारी से उसका जीवन बदल गया।

बोध: ईमानदारी और अच्छे कर्म का फल हमेशा अच्छा होता है।

कविता

जन्मभूमि और स्त्रियों की प्रतिष्ठा भारत में सर्वोपरि

संजीव ठाकुर

स्त्रियों के सम्मान से सम्मानित राष्ट्र।
जिस घर में स्त्री की हँसी सुरक्षित,
वहीं आँगन में उजली सुबह
स्त्री केवल रिश्तों का नाम नहीं,
वे जीवन को थामे एक कोमल शक्ति
।
जिस राष्ट्र में बेटियाँ निर्भय ,
उस राष्ट्र की राहें स्वयं उजली होती
।
माँ की आँखों में जहां सम्मान का
उजाला हो,
वहाँ हर बच्चे के सपनों में आसमान
निराला हो।
स्त्री को कमजोर समझना, स्वयं को
कमजोर करना ,
उनके अधिकारों को बचाना, भविष्य
को सँवारना ।
उसकी चुप्पी को सहमति मत
समझो,
उसके आँसुओं को कभी
कमजोरी मत समझो।
सम्मान उसके वस्त्रों से नहीं,
उसके अस्तित्व से हो,
न्याय उसके शब्दों से नहीं,
उसके अधिकारों से हो।
जिस देश में नारी सुरक्षित,
सम्मानित और स्वतंत्र होगी,
वही धरती सच में सभ्य और
समृद्ध होगी।
आओ, हर बेटी के सपनों को
पंख दें,
स्त्री के सम्मान से अपने राष्ट्र
को सम्मान दें।

व्यंग्य केसरी

व्यंग्यकार के आँसू

साकार श्रीवास्तव 'फलक'

हमारे पड़ोसी अनोखेलाल जी पहुँचे हुए कवि हैं और व्यंग्यकार भी। पहुँचे हुए इसलिए कि उनकी पहुँच प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं के संपादकों से लेकर उन नवोदित ई-पत्रिकाओं तक है, जहाँ रचना के स्तर से अधिक सामग्री की उपलब्धता महत्वपूर्ण होती है। लेखक को छपास-सुख मिल जाता है और पत्रिका को सामग्री; दोनों पक्ष संतुष्ट रहते हैं।अनोखेलाल जी जिससे भी मिलते, उसके कुछ कहने से पहले ही कह उठते— 'अरे, मुझे कौन नहीं जानता!'कवि हैं, इसलिए भावुकमना भी हैं। भावुकता कवि का स्थायी भाव होती है। कवि का भावुकमना होना तो लाज़मी है और सीने में दर्द अरे, वो डॉक्टर वाला दर्द नहीं, कवियों वाला दर्द भी रखते है। बक़ौल शायर 'सारे जहां का दर्द हमारे जिगर में है' स्टाइल में। कभी-कभी अपनी धुन में गुनगुनाने लगते— 'जब दर्द नहीं था सीने में, तब ख़ाक मज़ा था जीने में।' तब पड़ोसियों को भी लगने लगता कि दर्द का सार्वजनिक वितरण शुरू हो गया है।व्यंग्यकार के रूप में भी उनकी अच्छी पहचान है। उनके व्यंग्य कभी मीठी छुरी की तरह चलते हैं, कभी पाठक को मुस्कराते हुए बेचैन कर देते हैं।

परसों दिल्ली में एक पीजी भवन ढहने की खबर आई। उसमें रहने वाले कई विद्यार्थियों की मृत्यु हो गई। समाचार सुनते ही अनोखेलाल जी का चेहरा उतर गया। आजकल छोटे-बड़े शहरों में पीजी ऐसे उग आए हैं जैसे बरसात में खरपतवार या कुकुरमुत्ते । विद्यार्थी मोटा किराया देते हैं, पर सुविधाएँ ऐसी मिलती हैं कि जेल प्रशासन भी शर्मिंदा हो जाए। जिन्हें बेहतर व्यवस्था की माँग करने पर कभी कोई कोकरोच, कभी गटर का कीड़ा तो कभी कोई अर्बन नक्सल कह देता है। शहर का प्रशासन मकान मालिकों से हफ़्ता वसूली के बाद आँखें मूँद लेता है।

इस दर्दनाक घटना ने अनोखेलाल जी के संवेदनशील मन को झकझोर दिया। उनके मोटे चश्मे के भीतर से झाँकती आँखों में नमी उतर आई। थोड़ी ही देर में दो बूँदें पलकों की चौखट लाँघकर बाहर आ गईं। अब चूँकि ये आँसू किसी साधारण व्यक्ति के नहीं, एक स्थापित व्यंग्यकार के थे, इसलिए इनका महत्व स्वत: बढ़ गया।कुछ साहित्यिक समीक्षकों ने तत्काल आँसुओं के नमूने सुरक्षित करवाए। उन्हें परीक्षण हेतु 'समीक्षीय प्रयोगशाला' भेजा गया। वहाँ विशेषज्ञों ने सूक्ष्म परीक्षण किया कि आँसुओं में संवेदना कितनी है, व्यंग्य का खारापन कितना है, व्यवस्था पर चोट करने वाली मिर्च का तीखापन कितना है और साहित्यिक प्रतिष्ठा का घनत्व कितना है।

प्रारंभिक रिपोर्ट में बताया गया कि आँसुओं में पर्याप्त मात्रा में मानवीय पीड़ा पाई गई है, किंतु कुछ समीक्षकों ने इस निष्कर्ष पर आपत्ति दर्ज कर दी। उनका कहना था कि परीक्षण पुन: होना चाहिए, क्योंकि प्रथम दृष्ट्या आँसुओं में वैचारिक झुकाव के अंश भी दिखाई दे रहे हैं। मामला यहीं नहीं रुका। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों ने आशंका व्यक्त की कि कहीं ये घड़ियाली आँसू तो नहीं। दूसरी ओर साहित्यिक खेमों ने अपने-अपने चश्मों से आँसुओं का परीक्षण शुरू कर दिया। किसी को उनमें प्रतिबद्धता दिखाई दी, किसी को अवसरवाद; किसी को करुणा दिखी तो किसी को अगली रचना का कच्चा माल। बहुत विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया कि आँसुओं की अंतिम रिपोर्ट पाठकों के विवेक पर छोड़ दी जाए। फिलहाल आँसुओं को सुरक्षित रख लिया गया है। देश में जब भी किसी नई बहस, नई विचारधारा या नए विवाद की आवश्यकता पड़ेगी, उनका पुन: परीक्षण कराया जाएगा.

इतिहास

1683: वियना की लड़ाई में पोलिश राजा जॉन तृतीय सोबिएस्की के नेतृत्व में यूरोपीय सेनाओं ने ओटोमन सेना को पराजित किया।

1940: फ्रांस में लास्को गुफाओं की खोज चार किशोरों ने की। यहां प्रागैतिहासिक काल के प्रसिद्ध शैलचित्र मिले।

1948: भारत में हैदराबाद पुलिस कार्रवाई के दौरान भारतीय सेना ने हैदराबाद रियासत के खिलाफ अभियान शुरू किया।

1959: सोवियत संघ ने लूना-2 अंतरिक्ष यान प्रक्षेपित किया, जो चंद्रमा की सतह तक पहुंचने वाला पहला मानव निर्मित यान बना।

2005: हांगकांग में डिज़नीलैंड आधिकारिक रूप से खोला गया।

12 सितंबर को जन्मे प्रसिद्ध व्यक्ति:

1875: जर्मन दार्शनिक और समाजशास्त्री अर्न्स्ट ब्लॉख का जन्म।

अब बनेगा आवारा पशुओं और कुत्तों का डिजिटल रिकॉर्ड

विश्व केसरी■

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। नगर सहित प्रदेश के सभी शहरी इलाकों में घूम रहे आवारा पशुओं और कुत्तों की बढ़ती समस्या पर लगाम कसने के लिए प्रशासन ने अब पूरी तरह डिजिटल और सख्त कदम उठाने का फैसला किया है। इस नई व्यवस्था के तहत अब हर गली-मोहल्ले के आवारा मवेशियों और श्वान (कुत्तों) का पूरा ब्योरा ऑनलाइन दर्ज होगा। भारत पशुधन पोर्टल पर होगा पंजीकरण: प्रदेश के सभी नगरीय निकायों (नगर निगम, नगर पालिका परिषद और नगर पंचायत) को अपने क्षेत्र के आवारा पशुओं का रजिस्ट्रेशन 'भारत पशुधन पोर्टल' पर अनिवार्य रूप से करना होगा।

नसबंदी और टीकाकरण का लेखा-जोखा

इस पोर्टल पर केवल पशुओं की गिनती ही नहीं होगी, बल्कि 1 अप्रैल से उनके द्वारा की गई नसबंदी और एंटी-रेबीज टीकाकरण की हर गतिविधि का ऑनलाइन रिकॉर्ड भी रखा जाएगा। एबीसी (एनिमल बर्थ कंट्रोल) सेंटरों की मैपिंग: पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम के तहत संचालित एबीसी सेंटरों की जानकारी और वहां होने वाली गतिविधियों को भी पोर्टल पर लाइव अपडेट किया जाएगा।

क्यों पड़ी इस डिजिटल व्यवस्था की जरूरत?

बढ़ते आंकड़े और खतरे : स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि केवल सिम्स अस्पताल में पिछले एक सप्ताह के भीतर कुत्ते के काटने के बाद एंटी-रेबीज वैक्सीन लगवाने के लिए 459 लोग पहुंचे। इसके अलावा जिला अस्पताल में भी रोजाना 10 से 15 नए मरीज पहुंच रहे हैं।

प्रशासनिक सख्ती

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के संचालक नीलेश क्षीरसागर ने निर्देश दिए हैं कि विभाग को 1 अप्रैल से सितंबर तक की गई नसबंदी और टीकाकरण का पूरा डेटा पोर्टल पर देना होगा, जिससे पिछले 6 महीनों का सटीक डिजिटल रिकॉर्ड तैयार हो सके।

इन इशारा पशुओं की नसबंदी के बावजूद चुनौती

नगर निगम का दावा है कि पिछले 10 वर्षों में 22 हजार से अधिक आवारा कुत्तों की नसबंदी की जा चुकी है, लेकिन बारिश के मौसम में ब्रीडिंग सीजन होने के कारण कुत्तों का आक्रामक व्यवहार और झुंड में घूमना आम हो गया है।

इन इलाकों में मिल रही हैं सबसे ज्यादा शिकायतें

शहर के पुराना बस स्टैंड, इमलीधारा, पुलिस लाइन रोड, हेमू नगर, शनिचरी बाजार, सरकंडा, कुदुदंड और तालापारा जैसे क्षेत्रों से आवारा कुत्तों के झुंड और राहगीरों तथा दोपहिया वाहन चालकों के पीछे दौड़ने की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। शिकायत मिलने पर निगम की टीम गोकुलधाम पशु चिकित्सालय ले जाकर नियमों के तहत विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में नसबंदी करवाती है और फिर उन्हें वापस उसी क्षेत्र में छोड़ देती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सलाह

कुत्ते के काटने या खरोंच मारने पर लापरवाही बिल्कुल न बरतें। घाव को तुरंत साबुन और साफ पानी से अच्छी तरह धोएं और बिना देर किए नजदीकी अस्पताल पहुंचकर चिकित्सक की सलाह लें व समय पर एंटी-रेबीज वैक्सीन लगवाएं, ताकि संक्रमण के गंभीर खतरे से बचा जा सके।

अंतर्राज्यीय म्यूल अकाउंट गिरोह का भांडाफोड़ : 6 गिरफ्तार

विश्व केसरी■

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। रेंज साइबर थाने ने कमीशन के लालच में आम नागरिकों के बैंक खातों का दुरुपयोग कर बड़े पैमाने पर साइबर ठगी को अंजाम देने वाले एक संगठित म्यूल अकाउंट गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 6 शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। देश के अलग-अलग राज्यों में इस गिरोह द्वारा की गई करीब 4 करोड़ रुपये की वित्तीय धोखाधड़ी के तार जुड़े हुए हैं, जिसकी पुष्टि देश भर से आई साइबर अपराध की 50 से अधिक शिकायतों से होती है। इस पूरे खेल का खुलासा तब हुआ जब छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक की मंगला शाखा में संचालित 'अजय फार्म हाउस' के नाम के एक संदिग्ध खाते से भारी-भरकम लेनदेन की जानकारी सामने आई। जांच में पता चला कि इस खाते में महज 25 दिनों (18 मई से 12 जून 2026 के बीच) के भीतर 2 करोड़ 20 लाख 68 हजार 443 रुपये का संदिग्ध लेनदेन किया गया था। बैंक रिकॉर्ड, केवाईसी दस्तावेजों, मोबाइल नंबरों और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की गहन जांच के बाद पुलिस ने इस नेटवर्क से जुड़े लोगों की पहचान कर कार्रवाई शुरू की। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए छह आरोपियों में अजय कुमार सोनी (निवासी तखतपुर), अभिलाष कुमार डैनियल उर्फ चिंटू (निवासी जर्वेगाँव), भास्कर कश्यप (निवासी मंगला, बिलासपुर), नरेंद्र कुर्रे (निवासी बाराद्वार, जिला सक्ती), आशीष तिवारी (निवासी कोरबा) और देवेश कुमार दास उर्फ रॉबिन (निवासी रायपुर) शामिल हैं। पूछताछ और तकनीकी विश्लेषण में इस बात का खुलासा हुआ है कि ये आरोपी सीधे तौर पर अपने खातों में ठगी की रकम लेने के बजाय, कमीशन का लालच देकर अन्य भोले-भाले लोगों के बैंक खाते हासिल करते थे। इसके बाद ठगी की रकम को तुरंत अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर उसकी वास्तविक कड़ी को छिपाने का प्रयास किया जाता था। बैंक खातों के अलावा मोबाइल नंबर, एटीएम और अन्य बैंकिंग साधनों का उपयोग कर खातों में एप्लीकेशन सक्रिय करने तक इस नेटवर्क में अलग-अलग लोगों की भूमिका तय थी। गिरोह के प्रत्येक सदस्य की कार्यप्रणाली और भूमिका इस प्रकार थी: अजय कुमार सोनी अपने नाम से बैंक खाता खुलवाकर नेट बैंकिंग के लिए मोबाइल नंबर लिंक करवाता था और खाते से संबंधित जानकारी व बैंकिंग साधन दूसरों को उपलब्ध कराता था, जिसके बदले उसे कमीशन मिलता था। उसके कब्जे से मोबाइल फोन, सिम कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और विभिन्न बैंकों के एटीएम कार्ड जब्त किए गए हैं।

पिकनिक मनाने पहुंचे 3 युवकों की हसदेव नदी में डूबने से मौत

विश्व केसरी■

जांजगीर-चांपा। पिकनिक मनाने देवरी पहुंचे तीन युवकों की हसदेव नदी में डूबने से मौत हो गई। देवरी के कोटवार ने पंतोरा पुलिस को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद नगर सेना की बचाव टीम को रवाना किया गया है। घटना पंतोरा चौकी क्षेत्र स्थित गांव देवरी चिचोली की है। जानकारी के अनुसार, बिलासपुर के सरकंडा क्षेत्र से युवक पिकनिक मनाने के लिए पहुंचे थे। हसदेव नदी में तैरते समय बीच में बने भंवर फंसकर युवकों की डूबने से मौत हो गई।

पोषण माह 2026: छत्तीसगढ़ में पोषण जागरूकता अभियान को मिल रही गति

विश्व केसरी■

अंबिकापुर (आभाषराज गुप्ता)। छत्तीसगढ़ में पोषण माह 2026 के तहत बच्चों, गर्भवती एवं शिशुवती माताओं तथा किशोरी बालिकाओं के पोषण एवं स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए व्यापक स्तर पर जनजागरूकता एवं जनभागीदारी आधारित गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों को पोषण, स्वास्थ्य एवं बाल विकास से जुड़ी गतिविधियों के सक्रिय केंद्र के रूप में विकसित करते हुए संतुलित आहार, एनीमिया से बचाव, स्वच्छता, वृद्धि निगरानी एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति समुदाय को जागरूक किया जा रहा है।

इसी क्रम में बलरामपुर जिले के आकांक्षी विकासखंड शंकरगढ़ में पोषण माह के अंतर्गत विशेष गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

इनका उद्देश्य पोषण एवं स्वास्थ्य से संबंधित प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों में सुधार लाते हुए निर्धारित लक्ष्यों की संतृप्ति सुनिश्चित करना है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं विभागीय अमले द्वारा समुदाय की सक्रिय सहभागिता के साथ पोषण संबंधी जानकारी घर-घर और समुदाय तक पहुंचाई जा रही है।

इसी कड़ी में परियोजना शंकरगढ़ के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र बचवार में पोषण एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों, गर्भवती एवं शिशुवती माताओं तथा समुदाय के सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। इस दौरान संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व, एनीमिया से बचाव, स्वच्छता, बच्चों की नियमित वृद्धि निगरानी और स्वस्थ जीवनशैली के संबंध में जानकारी दी गई। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध खाद्य सामग्री से पौष्टिक व्यंजन तैयार करने तथा उन्हें दैनिक आहार में शामिल करने के लिए भी प्रेरित किया गया।

कुपोषण की पहचान और उपचार पर विशेष जोर

पोषण माह के दौरान कुपोषण की रोकथाम और बच्चों के पोषण स्तर में सुधार के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। बचवार आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों की स्वास्थ्य एवं पोषण स्थिति का आकलन करते हुए गंभीर तीव्र कुपोषित (एसएएम) एवं मध्यम तीव्र कुपोषित (एमएएम) बच्चों का चिन्हांकन किया गया। अभिभावकों को कुपोषित बच्चों के समुचित पोषण एवं देखभाल के उपायों की जानकारी दी गई।

शासकीय कन्या पूर्व माध्यमिक शाला हसौद में लगा विधिक जागरूकता शिविर

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। हसौद प्रधान जिला न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जांजगीर-चांपा के निर्देशानुसार एवं माननीय अध्यक्ष, तालुका विधिक सेवा समिति जैजैपुर के मार्गदर्शन में शासकीय कन्या पूर्व माध्यमिक शाला हसौद में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके कानूनी अधिकारों एवं विभिन्न कानूनों के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम के दौरान पैरालीगल वालेंटियर भगवती भारद्वाज ने छात्र-छात्राओं को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) के गठन एवं उद्देश्यों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने साइबर अपराध एवं साइबर सेल, अपहरण, बाल विवाह, बाल श्रम, बाल अपराध तथा मोटर व्हीकल एक्ट सहित बच्चों से संबंधित विभिन्न कानूनी प्रावधानों की जानकारी प्रदान की। शिविर में विद्यार्थियों को बच्चों के मौलिक अधिकार, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 तथा बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के संबंध में भी जागरूक किया गया। साथ ही बच्चों की सहायता के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 तथा महिला हेल्पलाइन नंबर 1091 की जानकारी देते हुए आवश्यकता पड़ने पर इनका उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर नालसा की बच्चों को विधिक सेवाएं एवं बच्चों के संरक्षण के लिए विधिक सेवाएं योजना, 2015 तथा नालसा तस्करी और वाणिज्यिक यौन शोषण पीड़ितों को विधिक सेवाएं योजना, 2015 के संबंध में भी जानकारी दी गई। इसके अलावा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा के लिए 'अभिव्यक्ति' महिला सुरक्षा ऐप के बारे में बताया गया तथा विद्यार्थियों को इसे डाउनलोड करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। शिविर के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने तथा किसी भी प्रकार की कानूनी समस्या या अपराध की स्थिति में उचित माध्यम से सहायता प्राप्त करने के लिए जागरूक किया गया।

गणेश उत्सव आयोजनों को लेकर पुलिस ने दिए सुरक्षा के निर्देश

विश्व केसरी■

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। आगामी गणेश उत्सव के दौरान मूर्ति आगमन और विसर्जन को लेकर पुलिस ने गुरुवार को पुलिस लाइन स्थित चेतना भवन में गणेश उत्सव समितियों के पदाधिकारियों की बैठक ली। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर पंकज कुमार पटेल की मौजूदगी में आयोजित बैठक में करीब 27 गणेश उत्सव समितियों के अध्यक्ष एवं आयोजक शामिल हुए।

इस दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने, यातायात सुचारू रखने और आपसी भाईचारा व सौहार्द के साथ उत्सव मनाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में आयोजकों को गणेश उत्सव के लिए अनुविभागीय दंडाधिकारी राजस्व से अनुमति लेने के निर्देश दिए गए। गणेश प्रतिमा स्थल पर पंडाल सड़क पर नहीं लगाने तथा इस बात का ध्यान रखने कहा गया कि यातायात बाधित न हो। पंडाल में विद्युत व्यवस्था सुरक्षित तरीके से करने और पर्याप्त संख्या में स्वयंसेवक तैनात करने के निर्देश भी दिए गए।पुलिस ने धार्मिक गीत और भजन ही बजाने तथा फूहड़ गाने नहीं बजाने की हिदायत दी। साथ ही उच्चतम न्यायालय के दिशा-निर्देशों का पालन करने कहा गया। पंडाल ऐसे स्थान पर बनाने के निर्देश दिए गए, जहां आवश्यकता पड़ने पर अग्निशमन वाहन और एंबुलेंस आसानी से पहुंच सकें। हथियार लेकर आने वाले तथा नशे की हालत में रहने वाले लोगों को पंडाल में प्रवेश नहीं देने के लिए भी आयोजकों को निर्देशित किया गया। पुलिस ने सभी समितियों को 24 सितंबर 2026 तक गणेश प्रतिमा का विसर्जन करने तथा विसर्जन के दौरान एक-दूसरे से समन्वय बनाकर निर्धारित स्थान पर ही प्रतिमा विसर्जित करने कहा।

सुरक्षा की दृष्टि से सभी गणेश पंडालों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश भी दिए गए।बैठक में नगर पुलिस अधीक्षक सिविल लाइन परमेश्वर तिलकवार, प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक आकाश चौधरी सहित सिरगिट्टी थाना प्रभारी, सिविल लाइन थाना प्रभारी किशोर केंवट, तारबाहर थाना प्रभारी रविशंकर तिवारी, तोरवा थाना प्रभारी रजनीश सिंह और सिटी कोतवाली थाना प्रभारी देवेश राठौर उपस्थित रहे।

पक्के घर की चाबी मिलते ही खिल उठे हितग्राहियों के चेहरे

आकांक्षी विकासखंड लखनपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना का भव्य गृह प्रवेश कार्यक्रम, मंत्री राजेश अग्रवाल ने सौंपी 'खुशियों की चाबी'

विश्व केसरी■

लखनपुर (रिक्की)। आकांक्षी विकासखंड के ग्राम पंचायत गोरता में 11 सितंबर दिन शुक्रवार को प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत नवनिर्मित आवासों का भव्य गृह प्रवेश कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम मे कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कैबिनेट मंत्री ने नवनिर्मित पक्के मकानों में हितग्राहियों का विधिवत गृह प्रवेश कराया और आवास की चाबी' सौंपकर शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर अजीत वसंत एवं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी रोमा श्रीवास्तव के मार्गदर्शन तथा जनपद पंचायत लखनपुर की मुख्य कार्यपालन अधिकारी खुशबू शास्त्री के नेतृत्व में किया गया। वर्ष 2025-26 में स्वीकृत एवं पूर्ण हो चुके प्रधानमंत्री आवासों में गृह प्रवेश के दौरान मंत्री राजेश अग्रवाल ने फीता काटकर हितग्राहियों को उनके नए घर में प्रवेश कराया। और हितग्राही जोगेंद्र राजवाड़े, छीहारो और संतोष सहित अन्य आवास हितग्राहियों को मंत्री द्वारा 'खुशियों की चाबी' भेंट कर गृह प्रवेश की शुभकामनाएं दी गईं। पक्का मकान मिलने पर किस ग्रहों ने शासन प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

आकांक्षी विकासखंड में 978 हितग्राहियों को सोपा गया आवास का चाबी - वर्ष 25 26 में ग्राम गौरता में 126 हितग्राहियों का प्रधानमंत्री आवास हेतु राशि स्वीकृति किया गया था। इससे पूर्व उक्त गांव में 335 आवास हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास का लाभ मिल चुका है । इसके अलावा आवास हेतु 435 हितग्राहियों का सर्वे किया गया है लखनपुर विकासखंड में कुल 978 आवास हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास का चाबी सोपा गया है।

अधूरे आवास जल्द पूरा करने पर जोर - कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्माणाधीन एवं शेष आवासों की प्रगति की जानकारी ली। हितग्राहियों से चर्चा कर उन्हें आवास निर्माण का कार्य शीघ्र पूरा करने के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने अपूर्ण आवासों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने पर विशेष जोर दिया।कार्यक्रम में जनपद पंचायत लखनपुर की अध्यक्ष शशिकला सिंह, उपाध्यक्ष कामेश्वर राजवाड़े, मंत्री प्रतिनिधि राकेश अग्रवाल, लुण्ड्रा विधायक प्रतिनिधि राकेश साहू, स्थानीय जनप्रतिनिधि, महामंत्री विक्रम सिंह पंच-सरपंच, सचिव, जिला एवं विकासखंड स्तर के अधिकारी-कर्मचारी, प्रधानमंत्री आवास योजना के जिला एवं ब्लॉक समन्वयक, एबीपी फेलो, मनरेगा पीओ, एसडीओ सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

छग सर्व शिक्षक फेडरेशन ने किया नए जिला ट्रेजरी अधिकारी का स्वागत

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। छग सर्व शिक्षक फेडरेशन के पदाधिकारियों ने सक्ती जिले में नव पदस्थ जिला कोषालय अधिकारी गिरजा शंकर साहू जी को बुके भेंट कर स्वागत किया। प्रतिनिधि मंडल में संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष परस राम निषाद, प्रदेश सचिव डॉ चंद्र प्रकाश तिवारी, प्रदेश संयुक्त सचिव चंद्रभान कश्यप, जिला अध्यक्ष डॉ रविंद्र नाथ मिश्रा, ज़िला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ सरिता मनहर, रमेश कंवर, सुरेश पटेल आदि शामिल थे। जिला कोषालय अधिकारी साहू ने सभी कर्मचारियों के वेतन बिल और अन्य जो भी बिल आएंगे उन्हें समय पर पूर्ण करने का आश्वासन दिया।

सेंसेक्स 121 अंक लुढ़का, निफ्टी 0.34 प्रतिशत गिरा

विश्व केसरी

मुंबई। पश्चिम एशिया में जारी तनावों के चलते वैश्विक शेयर बाजारों में गिरावट के बीच हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार दिन के निचले स्तर से उबरकर लाल निशान में बंद हुआ। इस बीच आईटी, एफएमसीजी और बैंक शेयरों के समर्थन से प्रमुख बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी में 0.34 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 120.83 अंक यानी 0.16 प्रतिशत गिरकर 74,781.76 पर पहुंच गया, तो वहीं निफ्टी 50 79.70 अंक यानी 0.34 प्रतिशत गिरकर 23,398.10 पर आ गया।

दिन के शुरुआत में सेंसेक्स अपने पिछले बंद 74,902.59 से 593.42 अंकों यानी 0.79 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74,309.16 पर खुला और दिन के कारोबार में एक समय इसने 14.55 अंक चढ़कर 74,17.15 का उच्चतम स्तर छुआ, जबकि एक समय यह 742.42 अंक यानी करीब 1 प्रतिशत फिसलकर 74,160.16 के दिन के निम्नतम स्तर पर पहुंच गया। यानी सेंसेक्स दिन के निम्नतम स्तर से 621.59 अंक उबरकर बंद हुआ। वहीं निफ्टी की बात करें तो यह अपने पिछले बंद 23,477.80 से 207 अंक यानी 0.88 प्रतिशत फिसलकर 23,270.30 पर खुला। हालांकि दिन के कारोबार में एक समय यह 23,448.10 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जबकि एक समय 246.4 अंक यानी 1 प्रतिशत फिसलकर यह 23,231.40 के इंट्रा-डे लो पर पहुंच गया था। व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप में क्रमश: 0.26 प्रतिशत और 0.58 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

सेक्टरवार देखें तो निफ्टी रियल्टी और निफ्टी मेटल में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई, जिनमें क्रमश: 2.7 प्रतिशत और 2.3 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। इसके अलावा, निफ्टी ऑटो, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी एफएमसीजी में भी गिरावट दर्ज की गई। इनके विपरीत, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी मीडिया और निफ्टी आईटी में बढ़ोतरी दर्ज की गई।

निफ्टी50 इंडेक्स में एचडीएफसी बैंक, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, टेक महिंद्रा, एचडीएफसी लाइफ और विप्रो के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त देखने को मिली, जबकि हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, जेएसडब्ल्यू स्टील, आयशर मोटर्स, टाटा स्टील और ओएनजीसी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई।

एक मार्केट एक्सपर्ट ने कहा कि भारतीय इक्विटी पर दबाव बने रहने की संभावना है। ब्रेंट क्रूड की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर 110 डॉलर प्रति बैरल की ओर बढ़ गई है, क्योंकि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव से सप्लाई में रुकावट की चिंता बढ़ गई है।

क्रूड की बढ़ती कीमतों ने ग्लोबल बॉन्ड यील्ड को ऊपर धकेल दिया है; अमेरिकी 10-वर्षीय ट्रेजरी यील्ड 5 प्रतिशत के करीब पहुंच गई है, जिससे इक्विटी वैल्यूएशन पर दबाव बढ़ रहा है और फेड के सख्त रुख की उम्मीदें भी बढ़ रही हैं। इस बीच रुपया गिरकर 95.6 प्रति डॉलर पर आ गया, जबकि एफआईआई की लगातार बिकवाली ने दबाव और बढ़ा दिया।

सोने और चांदी धड़ाम, महंगाई के डेटा को लेकर निवेशक सतर्क

विश्व केसरी

मुंबई। सोने और चांदी की शुरुआत शुक्रवार को गिरावट के साथ हुई। इस दौरान दोनों कीमती धातुओं में करीब 1.10 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अक्टूबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,52,341 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 1,571 रुपए या 1.03 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,50,770 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

हालांकि, शुरुआती कारोबार में इसमें तेजी देखी गई और सुबह 9:48 पर यह 867 रुपए या 0.57 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,51,474 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

अब तक के कारोबार में सोना ने 1,50,695 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,51,483 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ। सोने के साथ चांदी की कीमतों में भी गिरावट देखी जा रही है। चांदी का 4 दिसंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,34,099 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 2,530 रुपए या 1.08 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,31,569 रुपए प्रति किलो पर खुला। अब तक के कारोबार में सोने ने 2,30,270 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,32,096 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सोने और चांदी में गिरावट देखी जा रही है। कॉमेक्स पर सोना 1.29 प्रतिशत की कमजोरी 4,350 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.99 प्रतिशत की गिरावट के साथ 63.63 डॉलर प्रति औंस पर था।

जानकारों के मुताबिक, सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट की वजह मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने से डॉलर का मजबूत होना है। दुनिया की कई अहम मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती दर्शाने वाला डॉलर इंडेक्स एक सप्ताह के उच्चतम स्तर 99.12 पर पहुंच गया है। इसके अलावा, देर शाम अमेरिका में महंगाई के आंकड़े आएंगे, इससे आने वाले समय में सोने की दिशा तय होगी। इसे लेकर निवेशक सतर्क बने हुए हैं।

ब्रिक्स देशों के साथ भारत का व्यापार 5 साल में दोगुना होकर 417 अरब डॉलर पहुंचा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। ब्रिक्स देशों के साथ भारत का व्यापार पिछले 5 वर्षों में उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है। एसोचैम ग्लोबल रिसर्च एंड स्ट्रेटेजी सेंटर की रिपोर्ट 'द राइज ऑफ ब्रिक्स नेशंस: एन अपॉर्च्युनिटी टू स्केल इंडियन एक्सपोर्ट्स टू 200 बिलियन डॉलर टू ब्रिक्स बाय 2030' के अनुसार, भारत का ब्रिक्स देशों के साथ कुल व्यापार 2020-21 के 203 अरब डॉलर से बढ़कर 2025-26 में 417 अरब डॉलर पर पहुंच गया है, जो यह दर्शाती है कि ब्रिक्स समूह भारत के लिए एक महत्वपूर्ण आर्थिक और व्यापारिक साझेदार के रूप में उभर रहा है।

एसोचैम की रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025-26 में ब्रिक्स सदस्य देशों को भारत का निर्यात 96 अरब डॉलर रहा। एसोचैम का अनुमान है कि अगर भारत दक्षिण-दक्षिण सहयोग को और मजबूत करता है तथा पारंपरिक निर्यात बाजारों से आगे बढ़कर नए अवसरों का लाभ उठाता है, तो वर्ष 2030 तक ब्रिक्स देशों को उसका निर्यात 200 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि विस्तार कर रहे ब्रिक्स प्लस आर्थिक परिदृश्य से भारतीय उद्योगों को व्यापक अवसर मिल सकते हैं, जिनमें इंजीनियरिंग उत्पाद, दवा उद्योग, रसायन, वस्त्र एवं परिधान, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, खनिज एवं धातु उत्पाद, रत्न एवं आभूषण, कृषि एवं समुद्री उत्पाद, नवीकरणीय ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवाएं और डिजिटल सेवाएं जैसे क्षेत्र प्रमुख हैं। एसोचैम का कहना है कि ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार की दिशा सदस्य देशों की आर्थिक वृद्धि, व्यापार नीतियों और वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों से प्रभावित होती रहेगी। भारत के लिए अवसर केवल माल निर्यात बढ़ाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उत्पादन नेटवर्क, सोर्सिंग श्रृंखलाओं, मूल्य संवर्धन तंत्र, प्रौद्योगिकी सहयोग और वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों को मजबूत करने तक भी फैले हुए हैं। इसके साथ ही भारत अन्य सदस्य देशों द्वारा विकसित सफल आर्थिक मॉडलों और सर्वोत्तम प्रक्रियाओं से भी सीख सकता है।

रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि भारत ने वित्त वर्ष 2021-22 से 2025-26 के दौरान लगातार 7 प्रतिशत से अधिक की औसत आर्थिक वृद्धि दर बनाए रखी है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में देश की अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जिससे भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में अपनी स्थिति बनाए हुए है।

एक दशक में दोगुनी हुई भारत की बिजली मांग, स्थापित क्षमता बढ़कर 552 गीगावाट पहुंची: सरकार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत का बिजली क्षेत्र पिछले एक दशक में अभूतपूर्व विस्तार का साक्षी बना है। तेजी से बढ़ती आर्थिक गतिविधियों, उद्योगों के विस्तार और घरों में बिजली की बढ़ती खपत के चलते देश की बिजली मांग में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई है। सरकार ने शुक्रवार को कहा कि इस बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए उत्पादन क्षमता, ट्रांसमिशन नेटवर्क और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश किया गया है।

केंद्र सरकार ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में देश की अधिकतम बिजली मांग (पीक पावर डिमांड) लगभग दोगुनी हो गई है। वर्ष 2013-14 में जहां यह 135.9 गीगावाट थी, वहीं 21 मई 2026 को यह बढ़कर रिकॉर्ड 270.8 गीगावाट के स्तर पर पहुंच गई। सरकार का कहना है कि यह वृद्धि देश में बढ़ती आर्थिक गतिविधियों, शहरीकरण, औद्योगिक विस्तार और घरेलू बिजली खपत में लगातार बढ़ोतरी का परिणाम है।

बिजली की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत ने अपनी कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता में भी बड़ा विस्तार किया है। मार्च 2014 में देश की कुल स्थापित क्षमता 249 गीगावाट थी, जो जुलाई 2026 तक बढ़कर 552 गीगावाट हो गई। इस अवधि में जुड़ी नई क्षमता ने न केवल मौजूदा मांग को पूरा करने में मदद की है, बल्कि भविष्य की आवश्यकताओं के लिए भी बिजली व्यवस्था को अधिक सक्षम बनाया है। उत्पादन क्षमता के साथ-साथ देश के बिजली पारेषण (ट्रांसमिशन) नेटवर्क में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अप्रैल 2014 में जहां ट्रांसमिशन नेटवर्क की लंबाई 2,91,336 सर्किट किलोमीटर (सीकेएम) थी, वहीं जुलाई 2026 तक यह बढ़कर 5,10,594 सर्किट किलोमीटर हो गई। विस्तारित नेटवर्क ने राष्ट्रीय ग्रिड को अधिक एकीकृत बनाने, विभिन्न क्षेत्रों के बीच बिजली प्रवाह को सुगम करने और आपूर्ति की विश्वसनीयता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

परंपरागत ऊर्जा ढांचे के विस्तार के साथ-साथ भारत ने स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में भी तेज प्रगति की है। अंतरराष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी (आईरेना) की रिन्यूएबल एनर्जी स्टैटिस्टिक्स 2026 रिपोर्ट के अनुसार, स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के मामले में भारत अब चीन और अमेरिका के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश बन चुका है।

दूसरी छमाही में कमाई बढ़ने से भारतीय कंपनियों की री-रेटिंग होने का अनुमान : रिपोर्ट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दूसरी छमाही में कंपनियों की कमाई में तेजी आने और घरेलू संस्थागत पूंजी की वापसी से भारतीय कंपनियों की री-रेटिंग हो सकती है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में शुक्रवार को दी गई।

ओमनीसाइंस कैपिटल की रिपोर्ट के अनुसार, बाजार के मौजूदा कंसोलिडेशन चरण को हाल के प्रदर्शन के पीछे भागने के बजाय शेयरों में धीरे-धीरे निवेश बढ़ाने के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। फर्म ने कहा कि संरचनात्मक पूंजीगत व्यय, ऊर्जा बदलाव और बुनियादी ढांचे के विकास से लाभ उठाने वाले कारोबारों में अवसर मौजूद हैं।

रिपोर्ट ने आगाह किया कि मिडकैप और स्मॉलकैप सेगमेंट के कुछ हिस्सों में वैल्यूएशन अभी भी काफी महंगे हैं। ऐसे में निवेशकों को अच्छी गुणवत्ता वाले ग्रोथ कारोबारों में चुनिंदा निवेश करना चाहिए, खासकर जहां वैल्यूएशन अपेक्षाकृत कम हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, ऐसे कारोबारों में अवसर केंद्रित हैं, जिन्हें लगातार विकास और ऑपरेटिंग लीवरेज का लाभ मिल सकता है और जो अनुकूल वैल्यूएशन पर उपलब्ध हैं।

प्रमुख क्षेत्रों में बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं, इंफ्रास्ट्रक्चर और पावर एवं बिजनेस सर्विसेज शामिल हैं। इन क्षेत्रों को मजबूत क्रेडिट ग्रोथ, बिजली की बढ़ती मांग और कॉरपोरेट कैपेक्स में सुधार से समर्थन मिल रहा है।

भारतीय शेयरों के वैल्यूएशन में नरमी आने से संस्थागत निवेशकों की दिलचस्पी फिर बढ़ी है। दो साल तक वैल्यूएशन में नरमी के बाद विदेशी निवेशक कई मौकों पर शुद्ध खरीदार बने हैं।

घरेलू आर्थिक बुनियाद अब भी मजबूत बनी हुई है। वित्त वर्ष 2026-27 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि करीब 7 प्रतिशत रहने का अनुमान है, हालांकि कच्चे तेल की कीमतों को लेकर सावधानी बरतने की जरूरत है। रिपोर्ट में कहा गया कि अमेरिका और ईरान के बीच सीधे और जवाबी सैन्य हमलों के चलते लंबे समय के शांति समझौते के जरिए कूटनीतिक समाधान की उम्मीद को बड़ा झटका लगा है।

ओमनीसाइंस कैपिटल के प्रेसिडेंट और चीफ पोर्टफोलियो मैनेजर अश्विन के. शमी ने कहा, 'कई वर्षों की संभावित आय वृद्धि पहले ही शेयरों की कीमतों में पूरी तरह शामिल हो चुकी है। इससे संभावित रिटर्न डिस्काउंट रेट के आसपास ही रह गया है और निवेशकों को वैल्यूएशन में तेज गिरावट का गंभीर जोखिम है।'

फर्म ने विभिन्न मार्केट कैप वाली कंपनियों के वैल्यूएशन में बड़ा अंतर देखा है। निफ्टी स्मॉलकैप 250 और निफ्टी मिडकैप 150 क्रमश: करीब 34 गुना और 30 गुना ट्रेलिंग पी/ई पर कारोबार कर रहे हैं, जबकि निफ्टी 100 का ट्रेलिंग पी/ई करीब 20 गुना है। वैश्विक शेयर बाजारों में जोखिम-मुक्त ब्याज दरें अभी भी ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं। अमेरिका में 10-वर्षीय ट्रेजरी यील्ड करीब एक साल के उच्च स्तर 4.6-4.7 प्रतिशत पर है। वहीं, भू-राजनीतिक तनाव ने कच्चे तेल और अन्य कमोडिटीज में उतार-चढ़ाव बढ़ा दिया है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व का 16 सितंबर को होने वाला नीतिगत फैसला निकट अवधि में ट्रेजरी यील्ड और वैश्विक जोखिम लेने की क्षमता को प्रभावित करने वाला प्रमुख कारक बना हुआ है।

युवा भारतीय नकारात्मक सोच से आगे बढ़कर खड़े कर रहे कल के उद्यम : वित्त मंत्री सीतारमण

विश्व केसरी

मुंबई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश को लेकर जताई जा रही आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा कि देश के युवाओं ने नकारात्मक सोच को पीछे छोड़ दिया है और आगे बढ़कर भविष्य के उद्यम खड़े कर रहे हैं।

देश की आर्थिक राजधानी में ग्लोबल फिनटेक फेस्टिवल 2026 को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि भारत की युवा पीढ़ी पहले से ही कल की तकनीक और नए विचारों की नींव रख रही है, टिकाऊ उद्यम खड़े कर रही है और यह साबित कर रही है कि भारत का सबसे बड़ा जनसांख्यिकीय लाभ एक सक्रिय और अजेय वास्तविकता है।

उन्होंने कहा कि देश की युवा आबादी पहले से ही नवाचार, उद्यमिता और आर्थिक विकास को गति दे रही है और इसके लिए उत्पादकता के पारंपरिक पैमानों से किसी प्रमाण की आवश्यकता नहीं है। वित्त मंत्री ने कहा कि कार्यक्रम में हजारों प्रतिभागियों द्वारा दिखाई गई ऊर्जा और महत्वाकांक्षा भारत के जनसांख्यिकीय लाभ की ताकत को दर्शाती है। उन्होंने कहा, 'हम देख रहे हैं कि यह ऊर्जा किस तरह दुनिया के सबसे शक्तिशाली डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के निर्माण से लेकर अरबों लेनदेन को संसाधित करने वाले यूपीआई तक, सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में मजबूती से खड़े होने और अंतरिक्ष अन्वेषण की नई सीमाएं तोड़ने तक, ऐतिहासिक प्रगति में बदल रही है।' उन्होंने ग्लोबल फिनटेक फेस्टिवल में भागीदारी के व्यापक स्तर और विविधता का जिक्र करते हुए कहा कि इसमें करीब 8,000 संगठनों का प्रतिनिधित्व था। उनके अनुसार, प्रतिभागियों में फिनटेक कंपनियों की हिस्सेदारी 20 प्रतिशत, वित्तीय संस्थानों की 25 प्रतिशत, प्रौद्योगिकी से जुड़ी संस्थाओं की 43 प्रतिशत और सहायता सेवाओं की 12 प्रतिशत थी।

देश में फरवरी से राजमार्गों पर शुरू हो जाएंगे बैरियर-फ्री टोल : नितिन गडकरी

विश्व केसरी

मुंबई। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि भारत में फरवरी से राष्ट्रीय राजमार्गों पर बैरियर-फ्री टोल शुरू हो जाएंगे। इससे वाहन चालकों को टोल प्लाजा पर टोल देने के लिए रुकना नहीं पड़ेगा।

'ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2026' में अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार अब फास्टैग को गाड़ी की नंबर-प्लेट पहचानने वाली तकनीक के साथ जोड़ने पर विचार कर रही है। वे टोल वसूलने के ऐसे सिस्टम की ओर बढ़ रहे हैं जो ज्यादा टेक्नोलॉजी पर आधारित होगा और जिससे टोल कलेक्शन में भी काफी बढ़ोतरी होगी। गडकरी ने कहा, 'हम ऐसा टोल सिस्टम लागू करेंगे, जिनमें नंबर प्लेट और फास्टैग दोनों का इस्तेमाल होगा, उससे टोल आय में सालाना 10,000 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी होगी।' उन्होंने कहा कि फास्टैग लागू होने के बाद टोल प्लाजा पर इंतजार का समय, जो कभी 12 मिनट और कुछ मामलों में 30 मिनट तक होता था, अब 80-90 प्रतिशत तक कम हो गया है। सरकार अब बाकी बची देरी को खत्म करने के लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित सिस्टम से फास्टैग डेटा और गाड़ियों की नंबर प्लेट, दोनों का इस्तेमाल करके टोल कलेक्शन को मजबूत करने की उम्मीद है, जिससे टोल वाले रास्तों पर गाड़ियों की पहचान और ट्रैकिंग बेहतर होगी।

गडकरी ने कहा कि फास्टैग ने इंतजार का समय काफी कम करके और टोल प्लाजा पर कैश और छुट्टे पैसे की जरूरत को खत्म करके टोल कलेक्शन के तरीके को पहले ही बदल दिया है। अगला कदम यह पक्का करना है कि गाड़ियों को फीस देने के लिए टोल प्लाजा पर न रुकना पड़े।

ब्रिक्स से पहले मोदी-पुतिन की अहम मुलाकात, बदलती दुनिया में भारत-रूस रिश्तों की नई दिशा

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से ठीक पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात ने भारत-रूस संबंधों को एक बार फिर वैश्विक कूटनीति के केंद्र में ला दिया है। दोनों नेताओं की बैठक ऐसे समय हुई है, जब दुनिया पश्चिम एशिया और यूक्रेन समेत कई गंभीर भू-राजनीतिक चुनौतियों से गुजर रही है। ऐसे में मोदी और पुतिन की बातचीत केवल द्विपक्षीय रिश्तों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका असर वैश्विक मंचों पर भी दिखाई दे सकता है।

बैठक में दोनों देशों के बीच रक्षा, ऊर्जा, व्यापार और रणनीतिक सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। भारत और रूस लंबे समय से रक्षा क्षेत्र में साझेदार रहे हैं। बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद दोनों देशों ने अपने पारंपरिक रिश्तों को बनाए रखा है। ऊर्जा के क्षेत्र में भी रूस भारत के महत्वपूर्ण साझेदारों में शामिल है। भारत के लिए किफायती और भरोसेमंद ऊर्जा आपूर्ति आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बनी हुई है।

इस मुलाकात का एक महत्वपूर्ण पहलू वैश्विक संघर्षों पर दोनों नेताओं की बातचीत भी रही। पश्चिम एशिया और काला सागर क्षेत्र में जारी संघर्षों का असर समुद्री व्यापार और भारतीय नाविकों की सुरक्षा पर भी पड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार फिर भारत की उस नीति को सामने रखा, जिसमें संघर्षों का समाधान संवाद और कूटनीति के जरिए निकालने पर जोर दिया जाता है। भारत ने शांति प्रयासों में सहयोग की अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई।

ब्रिक्स सम्मेलन से पहले हुई यह बैठक इसलिए भी अहम है क्योंकि भारत इस समय एक साथ कई प्रमुख शक्तियों के साथ अपने संबंधों को संतुलित कर रहा है। रूस के साथ पारंपरिक रणनीतिक संबंधों के अलावा भारत अमेरिका, यूरोपीय देशों, पश्चिम एशिया और अन्य साझेदारों के साथ भी अपने संबंधों को आगे बढ़ा रहा है। ऐसे माहौल में भारत की विदेश नीति का प्रमुख लक्ष्य अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए सभी महत्वपूर्ण देशों के साथ संवाद बनाए रखना है।

व्यापार भी भारत-रूस रिश्तों का एक महत्वपूर्ण आधार बनता जा रहा है। दोनों देशों ने वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को करीब 100 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए ऊर्जा के साथ-साथ तकनीक, उद्योग, अंतरिक्ष, परमाणु क्षेत्र, भारी इंजीनियरिंग और अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने भारत-रूस औद्योगिक प्रदर्शनी का भी दौरा किया, जहां विभिन्न क्षेत्रों की तकनीकों और औद्योगिक क्षमताओं को प्रदर्शित किया गया।

मोदी और पुतिन की यह मुलाकात ब्रिक्स के लिए भी महत्वपूर्ण संदेश देती है। भारत चाहता है कि ब्रिक्स केवल राजनीतिक चर्चा का मंच न रहे, बल्कि व्यापार, विकास, तकनीक, ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूत करने में प्रभावी भूमिका निभाए।

इस पूरी तस्वीर में भारत-रूस संबंधों की खासियत यही है कि वैश्विक परिस्थितियां बदलने के बावजूद दोनों देशों के बीच संवाद की निरंतरता बनी हुई है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के पहले मोदी-पुतिन की बैठक ने यह संकेत दिया है कि आने वाले समय में दोनों देश अपने पुराने भरोसे को नई आर्थिक और रणनीतिक प्राथमिकताओं के साथ आगे बढ़ाने की कोशिश करेंगे।

गर्भावस्था में एनीमिया हो तो शिशु के मस्तिष्क का आकार हो सकता है छोटा : स्टडी

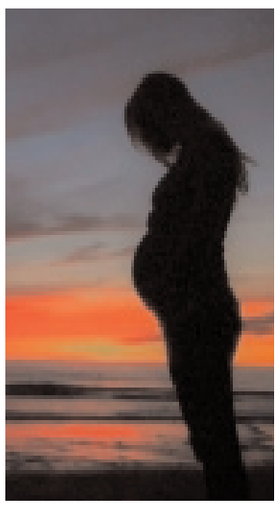

लंदन। गर्भावस्था के दौरान मां में एनीमिया यानी खून की कमी से जूझ रही है तो इसका असर शिशु के मस्तिष्क विकास पर पड़ सकता है। एक नए अध्ययन में पाया गया है कि एनीमिया पीड़ित माताओं से जन्मे बच्चों का कुल मस्तिष्क आयतन अन्य बच्चों की तुलना में औसतन करीब चार प्रतिशत कम होता है। यह अध्ययन ब्रिटेन के 'किंग्स कॉलेज लंदन और दक्षिण अफ्रीका के यूनिवर्सिटी ऑफ केप टाउन' के शोधकर्ताओं ने किया। शोधकर्ताओं ने केप टाउन में 300 से अधिक माताओं और उनके बच्चों का अध्ययन किया तथा बच्चों के मस्तिष्क की कई बार स्कैनिंग की। यह निगरानी बच्चों के करीब तीन महीने की उम्र से लेकर दो साल तक की गई। खास बात यह है कि अध्ययन में शामिल एनीमिया से पीड़ित माताओं में बीमारी का स्तर हल्का था। इसके बावजूद उनके बच्चों के मस्तिष्क के कुल वॉल्यूम (आयतन) में अंतर देखा गया। इससे यह संकेत मिलता है कि गर्भावस्था के दौरान मां के शरीर में आयरन और हीमोग्लोबिन का पर्याप्त स्तर भ्रूण के मस्तिष्क के विकास के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है।

द गार्डियन में छपी रिपोर्ट के अनुसार, शोधकर्ताओं का ध्यान केवल पूरे मस्तिष्क के आकार पर ही नहीं है। इससे पहले इसी शोध समूह के काम में गर्भावस्था के दौरान मातृ एनीमिया और बच्चों के मस्तिष्क के कुछ महत्वपूर्ण हिस्सों, विशेष रूप से 'कॉर्पस कॉलोसम और कॉडेट न्यूक्लियस', के अपेक्षाकृत छोटे आयतन के बीच संबंध सामने आया था। बाद के अध्ययन में भी ये प्रभाव बच्चों के 6-7 वर्ष की उम्र तक बने रहने के संकेत मिले।

कॉर्पस कॉलोसम मस्तिष्क के दोनों हिस्सों के बीच कम्युनिकेट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जबकि कॉडेट न्यूक्लियस कई तरह की संज्ञानात्मक और मोटर प्रक्रियाओं से जुड़ा होता है। हालांकि, इन निष्कर्षों का यह अर्थ नहीं है कि एनीमिया से पीड़ित मां का बच्चा निश्चित रूप से न्यूरोलॉजिकल या बौद्धिक समस्या से जूझेगा।

शोध में मुख्य रूप से संबंध देखा गया है। इससे सीधे तौर पर यह साबित नहीं होता कि मां का एनीमिया ही मस्तिष्क के छोटे आयतन का एकमात्र कारण है। बच्चे के विकास पर गर्भावस्था के दौरान पोषण, संक्रमण, सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों और अन्य स्वास्थ्य संबंधी कारकों का भी प्रभाव हो सकता है।

फिर भी विशेषज्ञों के लिए यह अध्ययन महत्वपूर्ण है, क्योंकि गर्भावस्था के दौरान एनीमिया दुनिया के कई हिस्सों में एक बड़ी स्वास्थ्य चुनौती है। खासकर निम्न और मध्यम आय वाले देशों में गर्भवती महिलाओं में आयरन की कमी आम समस्या है।

शोध इस बात की ओर भी ध्यान दिलाता है कि गर्भावस्था के दौरान मां के स्वास्थ्य को केवल प्रसव तक सीमित मुद्दे के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। मां के शरीर में पोषक तत्वों की उपलब्धता का असर बच्चे के शुरुआती मस्तिष्क विकास पर भी पड़ सकता है।

पहले के शोधों में भी गर्भावस्था के दौरान मातृ एनीमिया और बच्चों के मस्तिष्क के कुछ हिस्सों के छोटे आयतन के बीच संबंध पाया गया है। एक अध्ययन में 2-3 वर्ष की उम्र के बच्चों में कॉडेट, पुटामेन और कॉर्पस कॉलोसम के छोटे आयतन की रिपोर्ट की गई थी।

जॉर्डन के अल-अज़्रक एयरबेस को क्यों निशाना बना रहा ईरान?

तेहरान। हाल के कुछ दिनों में ईरान ने अमेरिका के हमलों का जवाब जॉर्डन को निशाने पर ले दिया है। ईरान ने जॉर्डन के मुवाफ्फक सलती एयरबेस पर कार्रवाई तेज कर दी है। इसकी मुख्य वजह यह है कि तेहरान इस अड्डे को जॉर्डन की सामान्य सैन्य संपत्ति के बजाय अमेरिकी सैन्य अभियानों के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में देखता है।

अल-अज़्रक एयरबेस जॉर्डन की राजधानी अम्मान से करीब 100 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित है। बेस का नियंत्रण रॉयल जॉर्डेनियन एयर फोर्स के हाथ में है। यहां अमेरिकी सैनिकों और लड़ाकू विमानों की मौजूदगी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जॉर्डन में करीब 4,000 अमेरिकी सैनिक तैनात हैं और अल-अज़्रक उन ठिकानों में शामिल है, जहां अमेरिकी वायुसेना अपने अभियान संचालित करती है। मार्च से तेहरान कई बार जॉर्डन पर बमबारी करता रहा है। ईरान का तर्क है कि चूंकि इस बेस का इस्तेमाल अमेरिकी सैन्य अभियानों और सुरक्षित ठिकानों के लिए हो रहा है, इसलिए यह उसके लिए एक वैध सैन्य लक्ष्य है। हालिया हमले अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष में जवाबी कार्रवाई के तौर पर सामने आए हैं। खास तौर पर अमेरिका द्वारा ईरानी तेल टैंकरों पर किए गए हमलों के बाद ईरान ने जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया। फरवरी में ईरान पर इजरायल-अमेरिका की संयुक्त कार्रवाई से पहले अमेरिकी बेड़े के कई विमान यहां पहुंचे थे। वहीं, जीसीसी गुट में शामिल अन्य देशों के बेस से इतर ये ईरान से ज्यादा दूरी पर है। अल जजीरा के अनुसार यूएस कांग्रेस की एक रिपोर्ट ये भी दावा करती है कि इस बेस से सिरिया और इराक के खिलाफ भी मुहिम अमेरिका चलाता रहा है। 9 सितंबर के हमले में जॉर्डन की सेना ने कहा कि ईरान की ओर से दागी गई 20 बैलिस्टिक मिसाइलों में से 18 को रोक लिया गया, जबकि दो खुले इलाकों में गिरीं। हालांकि, ताजा अमेरिकी रिपोर्ट्स के अनुसार हमले में कुछ अमेरिकी सैन्य विमानों को नुकसान पहुंचा है। वहीं, जुलाई में उसके मिसाइल हमलों में तीन अमेरिकी सैन्य कर्मियों की मौत हो गई थी। अल-अज़्रक की अहमियत केवल अमेरिकी सैनिकों की मौजूदगी तक सीमित नहीं है। इसका भौगोलिक स्थान अमेरिका को ईरान और क्षेत्र के अन्य युद्धक्षेत्रों से अपेक्षाकृत सुरक्षित दूरी प्रदान करता है। एयरबेस पर एफ-35, एफ-16 और एफ-15 जैसे लड़ाकू विमानों के संचालन और रखरखाव की क्षमता भी इसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बनाती है।

यही वजह है कि ईरान के लिए अल-अज़्रक पर हमला अमेरिकी सैन्य क्षमता को सीधे चुनौती देने का एक तरीका है, जबकि जॉर्डन के लिए यह बेहद संवेदनशील स्थिति है।

डिजिटल भारतः बदल रही है आम जिंदगी की तस्वीर

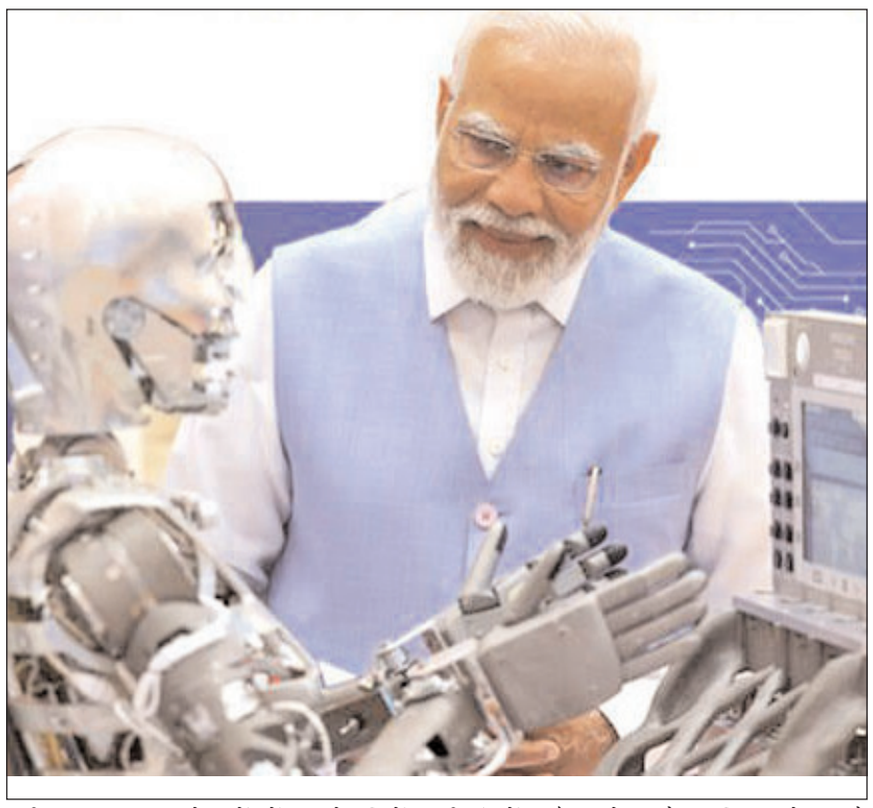

नई दिल्ली। भारत में डिजिटल तकनीक का विस्तार पिछले कुछ वर्षों में आम जीवन का अहम हिस्सा बन गया है। मोबाइल फोन और इंटरनेट की पहुंच बढ़ने के साथ ही शहरों के अलावा गांवों और छोटे कस्बों में भी लोगों के काम करने, पढ़ने, खरीदारी करने और सरकारी सेवाओं का लाभ लेने के तरीके बदल रहे हैं। डिजिटल बदलाव ने न केवल सुविधाओं को बढ़ाया है, बल्कि रोजगार और कारोबार के नए रास्ते भी खोले हैं।

आज छोटी दुकानों से लेकर बड़े कारोबारी प्रतिष्ठानों तक डिजिटल भुगतान का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। ग्राहक कुछ ही सेकंड में भुगतान कर सकते हैं। इससे नकदी पर निर्भरता कम हुई है और छोटे व्यापारियों के लिए भी लेन-देन आसान हुआ है। कई ग्रामीण इलाकों में लोग मोबाइल के माध्यम से बैंकिंग और अन्य वित्तीय सेवाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में भी डिजिटल माध्यम ने नई संभावनाएं पैदा की हैं। विद्यार्थी ऑनलाइन कक्षाओं, वीडियो लेक्चर और डिजिटल अध्ययन सामग्री के जरिए घर बैठे पढ़ाई कर सकते हैं। दूरदराज के इलाकों में रहने वाले विद्यार्थियों के लिए यह सुविधा विशेष रूप से उपयोगी साबित हो रही है। इसी तरह स्वास्थ्य सेवाओं में ऑनलाइन परामर्श की सुविधा ने विशेषज्ञ डॉक्टरों तक पहुंच को आसान बनाया है। सरकारी सेवाओं के डिजिटल होने से भी लोगों को काफी सुविधा मिली है। प्रमाणपत्र, आवेदन, बिल भुगतान और कई अन्य सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध होने से समय और यात्रा दोनों की बचत होती है। डिजिटल प्लेटफॉर्म ने छोटे कारोबारियों, फ्रीलांसरों और युवाओं को घर से काम करने तथा नए बाजारों तक पहुंचने का अवसर भी दिया है।

हालांकि डिजिटल विकास के साथ कुछ चुनौतियां भी सामने आई हैं। साइबर धोखाधड़ी, ऑनलाइन ठगी, डेटा की सुरक्षा और डिजिटल साक्षरता की कमी गंभीर मुद्दे हैं। ऐसे में तकनीक के साथ लोगों को उसके सुरक्षित इस्तेमाल के प्रति जागरूक करना भी जरूरी है। डिजिटल भारत की यह यात्रा अभी जारी है। आने वाले वर्षों में तकनीक और अधिक लोगों की जिंदगी का हिस्सा बनेगी। जरूरत इस बात की है कि डिजिटल विकास का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचे और तकनीक सुविधा के साथ सुरक्षा का भरोसा भी दे।

सारा खलीफा से माता हारी तकः मौत की सजा पाने वाली वो महिलाएं जिनकी कहानी आज भी चर्चा में

नई दिल्ली। कैमरे के सामने अपराध और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर सवाल उठाने वाली मिस्र की टीवी प्रस्तोता सारा खलीफा खुद एक ऐसे मामले के केंद्र में हैं, जिसने दुनिया का ध्यान खींचा है। काहिरा की एक अदालत ने उन्हें ड्रग्स मैनुफैक्चरिंग और तस्करी से जुड़े मामले में 11 अन्य लोगों के साथ मौत की सजा सुनाई है। अदालत के मुताबिक मामला संगठित आपराधिक गिरोह और नशीले पदार्थों के निर्माण से जुड़ा था। फैसले के खिलाफ अपील का रास्ता अभी खुला है।

39 वर्षीय सारा खलीफा 'मिशन इंपॉसिबल' नाम के कार्यक्रम से चर्चित हुई थीं, जिसमें अपराध और सुरक्षा से जुड़े विषय उठाए जाते थे। जांच एजेंसियों के मुताबिक मामले में 750 किलोग्राम से ज्यादा नशीले पदार्थ और उन्हें बनाने की सामग्री बरामद की गई। हालांकि खलीफा ने आरोपों से इनकार किया है। सारा के मामले ने दुनिया की ऐसी महिलाओं की याद दिला दी है, जिनकी जिंदगी अचानक अदालत, अपराध और मौत की सजा के इर्द-गिर्द सिमट गई। इनमें कुछ को फांसी दे दी गई, जबकि कुछ की सजा आखिरी वक्त में पलट गई। पहला नाम है माता हारी का। 20वीं सदी की शुरुआत में यूरोप की सबसे चर्चित डांसर्स में शुमार माता हारी का असली नाम मार्गरिथा जेला था। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान उन पर जर्मनी के लिए जासूसी करने का आरोप लगा। 1917 में फ्रांस की सैन्य अदालत ने उन्हें दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई। 15 अक्टूबर 1917 को महज 41 वर्ष की उम्र में उन्हें फायरिंग स्क्वाड के सामने खड़ा कर दिया गया। उनकी मौत ने उन्हें अपराधी से ज्यादा एक रहस्यमयी ऐतिहासिक किरदार बना दिया। अब भी बात मौत की सजा के औचित्य को लेकर उठती रहती है। पाकिस्तान की आसिया बीबी का मामला बिल्कुल अलग था। ईसाई महिला पर ईशनिंदा का आरोप लगा और 2010 में उन्हें सजा-ए-मौत सुनाई। लंबा अरसा जेल में गुजारा और मौत की सजा का सामना करती रहीं। यह मामला इतना संवेदनशील था कि उनके समर्थन में आवाज उठाने वाले पाकिस्तान के दो प्रमुख नेताओं सलमान तासीर और शाहबाज भट्टी की भी हत्या कर दी गई। फिर 31 अक्टूबर 2018 को पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने उनकी सजा पलट दी। अदालत ने उन्हें बरी करने का आदेश दिया और करीब नौ साल बाद उनके लिए मौत का खतरा टल गया। ईरान की कुर्द मानवीय कार्यकर्ता पख्शान अजीजी भी इस फेहरिस्त का बड़ा नाम है। उनका मामला आधुनिक दौर में सबसे ज्यादा चर्चित मामलों में शामिल है।

दुनिया में बदलता पर्यटनः ऐतिहासिक शहरों से प्रकृति की ओर बढ़ा लोगों का रुझान

पर्यटक अब पहाड़, जंगल, झील और समुद्र तट जैसे प्राकृतिक स्थलों को अधिक पसंद कर रहे

नई दिल्ली। दुनिया में पर्यटन का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। पहले जहां विदेशी यात्राओं का मतलब प्रसिद्ध ऐतिहासिक इमारतों, बड़े शहरों और लोकप्रिय पर्यटन स्थलों की यात्रा माना जाता था, वहीं अब लोगों की पसंद में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। पर्यटक अब भीड़भाड़ वाले शहरों के बजाय शांत वातावरण, प्राकृतिक सुंदरता, स्थानीय संस्कृति और ग्रामीण जीवन को करीब से अनुभव करने वाले स्थानों को प्राथमिकता देने लगे हैं। पहाड़, जंगल, समुद्र तट, झीलें और छोटे गांव अब यात्रियों के लिए आकर्षण का नया केंद्र बन रहे हैं।

पर्यटन विशेषज्ञों के अनुसार, इस बदलाव के पीछे कई कारण हैं। आधुनिक जीवन की भागदौड़, लगातार बढ़ता काम का दबाव और डिजिटल दुनिया में अधिक समय बिताने के कारण लोग मानसिक सुकून की तलाश में प्रकृति के करीब जाना चाहते हैं। छुट्टियों के दौरान अब लोग केवल तस्वीरें खींचने और प्रसिद्ध स्थान देखने तक सीमित नहीं रहना चाहते, बल्कि स्थानीय जीवनशैली को समझना और वहां के अनुभवों को महसूस करना चाहते हैं।

इसी वजह से इको-टूरिज्म और सस्टेनेबल टूरिज्म की अवधारणा को भी दुनिया के कई हिस्सों में बढ़ावा मिल रहा है। पर्यटक ऐसे स्थानों का चुनाव कर रहे हैं जहां प्राकृतिक संसाधनों को नुकसान कम पहुंचे और स्थानीय समुदायों को पर्यटन से आर्थिक लाभ मिले। छोटे होमस्टे, स्थानीय गाइड, गांवों में ठहरने की सुविधा और स्थानीय भोजन इस नए पर्यटन अनुभव का हिस्सा बन रहे हैं।

ग्रामीण पर्यटन ने भी इस बदलाव को नई दिशा दी है। कई देशों में पर्यटकों को खेतों में काम करने, स्थानीय व्यंजन बनाने, पारंपरिक कला सीखने और स्थानीय त्योहारों में शामिल होने जैसे अनुभव दिए जा रहे हैं। इससे यात्रियों को किसी स्थान को केवल पर्यटक की नजर से देखने के बजाय वहां के लोगों और संस्कृति को समझने का अवसर मिलता है। साथ ही स्थानीय युवाओं और छोटे कारोबारियों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। सोशल मीडिया ने भी पर्यटन की पसंद बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इंस्टाग्राम, यूट्यूब और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्राकृतिक और कम प्रसिद्ध स्थानों की तस्वीरें तथा वीडियो तेजी से वायरल होते हैं। इससे ऐसे पर्यटन स्थलों को भी पहचान मिल रही है, जो पहले अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के नक्शे पर नहीं थे। हालांकि सोशल मीडिया की लोकप्रियता के कारण कुछ प्राकृतिक स्थलों पर पर्यटकों की संख्या अचानक बढ़ने से पर्यावरण पर दबाव भी पड़ रहा है। इस चुनौती ने पर्यटन उद्योग के सामने एक महत्वपूर्ण सवाल खड़ा किया है कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। कई जगहों पर पर्यटकों की संख्या नियंत्रित करने, प्लास्टिक के इस्तेमाल को कम करने और स्थानीय संसाधनों के संरक्षण जैसे कदम उठाए जा रहे हैं। बदलता पर्यटन केवल यात्रा की पसंद में बदलाव नहीं है, बल्कि लोगों की जीवनशैली और सोच में आए परिवर्तन का भी संकेत है। आज का यात्री केवल किसी जगह को देखना नहीं चाहता, वह उसे महसूस करना चाहता है। आने वाले समय में ऐसे पर्यटन स्थलों की मांग और बढ़ सकती है, जहां प्रकृति, संस्कृति और स्थानीय समुदाय—तीनों का संतुलित अनुभव एक साथ मिल सके।

पर्यटन बढ़ने से स्थानीय गाइड, होमस्टे, हस्तशिल्प और छोटे कारोबारियों को फायदा मिल रहा है।

रश्मिका मंदाना ने हाइब इंडिया से मिलाया हाथ

बोलीं- 'हर लड़की को अपने सपने को एक मौका देना चाहिए'

मुंबई। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना आज जिस मुकाम पर हैं, वहां तक पहुंचने का सफ़र उनके लिए आसान नहीं रहा। करियर की शुरूआत से लेकर लगातार बड़े प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनने तक रश्मिका ने कई ऐसे पल देखे हैं, जहां खुद पर भरोसा रखना बेहद जरूरी था। अब उन्हें भारत के नए टैलेंट को तलाशने वाली एक बड़ी पहल से जुड़ने का मौका मिला है। इस पर रश्मिका ने कहा कि वह इसे सिर्फ एक काम नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों से जुड़ने का जरिया मानती हैं।

> "हर सफर किसी मौके से शुरू होता है और उस मौके को स्वीकार करने के लिए हिम्मत चाहिए होती है।
> — रश्मिका मंदाना

हाइब इंडिया से जुड़कर हुई एक्साइटेड

"मुझे लगता है कि हाइब इंडिया के साथ यह साझेदारी भारत में अपनी तरह का एक अलग मौका है। हाइब पूरी दुनिया में बड़े कलाकारों और ग्लोबल आवाजों को तैयार करने के लिए जाना जाता है, और अब भारत में आकर यहां के युवा टैलेंट को तलाशना वाकई खास बात है।'
— रश्मिका मंदाना

हाइब इंडिया का टैलेंट हंट अब बड़े स्तर पर

रश्मिका मंदाना अब हाइब इंडिया के ऑडिशन से जुड़ गई हैं। इस पहल का मकसद भारत के अलग-अलग हिस्सों से टैलेंट को तलाशना, उसे निखारना और आगे बढ़ने का मौका देना है। हाइब बही कंपनी है, जो साउथ कोरिया के कई बड़े के-पॉप कलाकारों और ग्रुप्स के साथ काम करने के लिए दुनियाभर में जानी जाती है। अब भारत में इस ऑडिशन को लेक्र काफी उत्सुकता है। हाइब इंडिया ने अपने टैलेंट हंट का दायरा भी बढ़ाया है और इस बार देश के कई नए शहरों में ऑडिशन आयोजित किए जा रहे हैं।

युवाओं के लिए खास मौका

इस पहल से जुड़कर रश्मिका काफी एक्साईटेड हैं। उन्होंने कहा, "यह भारत के युवाओं के लिए ऐसा मौका है, जो उन्हें उस मुकाम तक पहुंचा सकता है जिसकी उन्होंने शायद कभी कल्पना भी न की हो। हर सफर किसी मौके से शुरू होता है और उस मौके को स्वीकार करने के लिए हिम्मत चाहिए होती है।"

> **हर लड़की को अपने सपने को एक मौका देना चाहिए"**

रश्मिका ने देश की उन लड़कियों से इस मौके का फायदा उठाने की अपील की है जो कलाकार, परफॉर्मर या रोल मॉडल बनने का सपना देखती हैं। उन्होंने कहा, "देशभर में ऐसी बहुत सी लड़कियां हैं जिनके अंदर हुनर है और वह कुछ बड़ा करना चाहती हैं। कोई भी लड़की सिर्फ डर या आत्मविश्वास की कमी की वजह से अपने सपने को पीछे न छोड़े। हर लड़की अपने सपने को कम से कम एक मौका जरूर दे।"

क्या है हाइब इंडिया टैलेंट हंट?

कौन-कौन सा हुनर?
सिंगिंग, डांस, रैप और अन्य परफॉर्मेंस से जुड़े हुनर

कहां-कहां ऑडिशन?
देश के कई नए शहरों में (बड़े शहरों के बाहर भी)

आवेदन की अंतिम तिथि
31 अक्टूबर 2026

मकसद
भारत के टैलेंट को तलाशना, निखारना और आगे बढ़ने का मौका देना

'हैवान' फिल्म देखकर निराश हुए दर्शक, बोले-प्रियदर्शन से ऐसी उम्मीद नहीं थी

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेता अक्षय कुमार और सैफ अली खान स्टारर क्राइम थ्रिलर फिल्म 'हैवान' शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म को लेकर पहले से काफी क्रेज देखने को मिल रहा था, लेकिन सिनेमाघरों से लौटे दर्शकों की प्रतिक्रिया कुछ और ही देखने को मिली। फिल्म देखकर लौटे ज्यादातर दर्शक काफी निराश नजर आए। उनका कहना है कि रिलीज से पहले जिस तरह से इसको लेकर क्रेज दिखाया गया था। फिल्म इससे बिल्कुल अलग है।

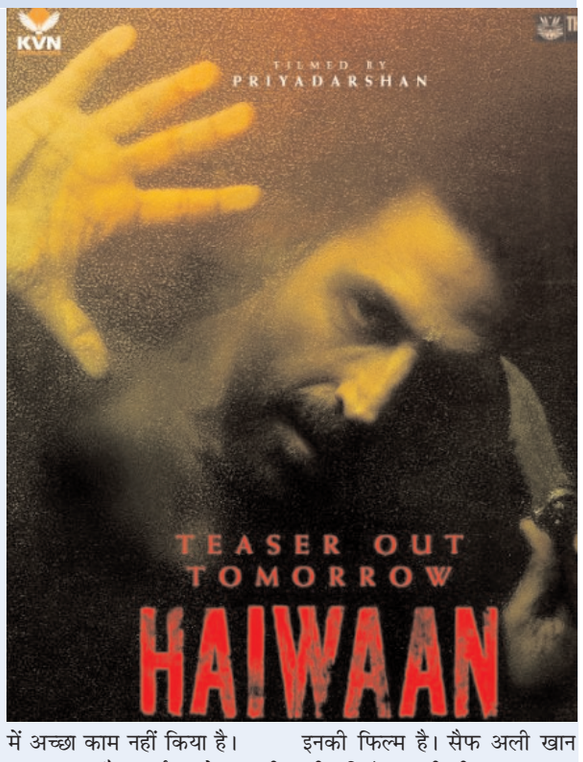

फिल्म देखकर लौटे दर्शक ने निराशा जाहिर करते हुए कहा, 'फिल्म देखकर मैं अभी बहुत दुखी हूं, क्योंकि इसको लेकर जो शोर मचा था, वैसी बिल्कुल भी नहीं है। इसमें ज्यादा कुछ देखने के लिए नहीं है, बल्कि यह एक नॉर्मल कहानी है। थिएटर में मौजूद दर्शकों को देखकर पता चला कि वे कितने बोर हुए हैं और वो आधे घंटे में ही पता चल जाती है। मूवी देखकर लगता है कि शायद सेकंड हाफ में अच्छी होगी, फिर जब वो देखते हैं, तो लगता है कि पहला पार्ट ही ठीक था। उन्होंने सैफ अली खान के अभिनय की प्रशंसा की, तो अक्षय कुमार को कॉमेडी करने की नसीहत दी। उनका कहना है कि फिल्म देखकर नहीं लग रहा था कि ये कोई क्राइम थ्रिलर फिल्म थी। साथ ही, अक्षय कुमार ने भी विलेन के रोल में अच्छा काम नहीं किया है।

एक और दर्शक ने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, 'सुबह-सुबह फिल्म देखकर मूड खराब हो गया है। 'मैं अनाड़ी, तू खिलाड़ी की याद' की यादें ताजा करके फिल्म देखने आए थे, सोचा था कि कुछ नया देखने को मिलेगा। उन्हें कुछ तो हैवानियत दिखानी चाहिए थी। प्रियदर्शन सर की मूवी है, वे इतनी कॉमेडी फिल्म सारी फिल्म दे चुके हैं। उनसे ये उम्मीद नहीं थी। लगी ही नहीं रही थी इनकी फिल्म है। सैफ अली खान की एक्टिंग अच्छी थी। लग रहा था कि उन्होंने कुछ डाला है लेकिन अक्षय कुमार को देखकर लग रहा था कि ये ऐसे ही काम कर रहे हैं। ऐसा लग रहा था कि दूसरी फिल्मों की शूटिंग के बीच में उन्होंने इस फिल्म में काम किया है। अक्षय कुमार कॉमेडी ही करें, उनसे विलेन का रोल नहीं होगा।

एक अन्य दर्शक ने कहा, 'मैंने सोचा था कि सैफ अली खान और अक्षय कुमार हैं।

84 साल की उम्र में अमिताभ बच्चन ने जताया अफसोस बोले- संगीत नहीं सीख पाया, इसका बहुत दुख है

विश्व केसरी

मुंबई। मेगास्टार अमिताभ बच्चन अपनी अदायगी और दमदार आवाज से मनोरंजन जगत में खास पहचान रखते हैं। अभिनेता ने हाल ही में संगीत सीखने और वाद्य यंत्र बजाने की अपनी एक अधूरी इच्छा के बारे में बताया।

क्विज रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति-18' के आगामी एपिसोड में अभिनेता ने बताया कि संगीत में गहरी रुचि होने के बावजूद वे इस कला को नहीं सीख पाए, जिसका उन्हें आज भी दुख है। दरअसल, शो के दौरान अभिनेता ने कंटेस्टेंट कृतज्ञा नैयर के साथ हुई बातचीत में इस बात का खुलासा किया था। कृतज्ञा ने बच्चन साहब से शो पर पॉपुलर गेम 'दिस और दैट' खेलने की रिक्वेस्ट की थी। कृतज्ञा नैयर ने मेगास्टार से कहा, 'सर, मेरी आपसे एक रिक्वेस्ट है। मैंने आपको बताया था कि मैं कंटेंट बनाता हूं। सर, आपसे बड़े कंटेंट क्रिएटर इस देश में कोई नहीं है।'

कृतज्ञा नैयर ने मेगास्टार को बताया कि वह यह गेम खेलना ही इसलिए चाहते हैं ताकि वह भी एक रील बना सकें और कुछ फॉलोअर्स बढ़ा सकें। शो के दौरान कृतज्ञा नैयर ने बच्चन साहब से पूछा कि क्या वह अपने अतीत के किसी एक दिन को फिर से जीना पसंद करेंगे या ऐसा कोई दिन जीना चाहेंगे जो उन्होंने कभी जिया ही नहीं, लेकिन हमेशा से जीने की इच्छा रही हो।

इस पर अमिताभ बच्चन ने कहा, 'सर, सच कहें तो हमारे जीवन में इतनी घटनाएं हुई हैं कि पता नहीं कौन सा दिन दोबारा जीना चाहेंगे और दूसरा हिस्सा है कि ऐसा कोई दिन जीना जो अब तक नहीं जिया। आगे अभिनेता ने बताया कि उनको संगीत सीखने की काफी इच्छा थी, जो कि अधूरी रह गई।

'महिलाएं स्वभाव से ही मल्टीटास्कर होती हैं', प्रीति जिंटा ने खोला पेशेवर और पर्सनल लाइफ के बीच बैलेंस का राज

विश्व केसरी

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने एक्टिंग के साथ-साथ अपनी जिंदगी के अलग-अलग किरदारों को भी बखूबी निभाया है। उन्होंने शादी और मां बनने के बाद फिल्मों से दूरी बनाई, लेकिन इस दौरान उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ के साथ-साथ बिजनेस पर भी ध्यान दिया।

अब लंबे समय बाद फिल्मों में वापसी कर चुकीं प्रीति ने अपनी जिंदगी के इस सफर और मां होने के साथ प्रोफेशनल जिम्मेदारियां निभाने को लेकर आईएएनएस से बात की। उन्होंने कहा कि करियर और परिवार को एक साथ संभालना आसान नहीं है, लेकिन सही सपोर्ट सिस्टम और सुविधाएं हों तो यह काम काफी हद तक आसान हो जाता है।

मीडिया से बातचीत में 'सोल्जर' एक्ट्रेस ने कहा कि महिलाएं स्वभाव से ही मल्टीटास्कर होती हैं। उनके मुताबिक, महिलाओं के लिए घर, परिवार और बच्चों की जिम्मेदारियां संभालना कोई नई बात नहीं है। प्रीति ने अपनी मां का उदाहरण देते हुए कहा कि भले ही उनकी मां नौकरी नहीं करती थीं, लेकिन घर और परिवार की देखभाल करना अपने आप में किसी फुल टाइम जॉब से कम नहीं था।

मीडिया से बात करते हुए प्रीति ने कहा, ''महिलाएं स्वभाव से ही मल्टीटास्कर होती हैं। भले ही मेरी मां नौकरी नहीं करती थीं, लेकिन उनका काम मेरे पिता, तीन बच्चों, घर और न जाने कितनी चीजों की देखभाल करना था। अब महिलाएं सुपर वुमन बन गई हैं, क्योंकि बहुत सी महिलाएं काम करती हैं और घर आने के बाद भी बच्चों की देखभाल करती हैं।''

एक्ट्रेस ने कहा, ''काम और मदरहुड को एक साथ संभालना चुनौती भरा जरूर है। मैं खुद को बहुत लकी मानती हूं, क्योंकि मेरे साथ ऐसे लोगों का सपोर्ट है, जिनकी मदद से मैं अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल जिम्मेदारियों को मैनेज कर पाती हूं। अगर मुझे मदद नहीं मिलती, तो मेरे लिए अपने काम के लिए बाहर आना भी मुश्किल होता।''

उन्होंने आगे कहा, ''अगर आप जिंदगी में अलग-अलग चीजें चाहते हैं, तो आपको अलग-अलग समय पर चीजों को प्राथमिकता देनी पड़ती है। जाहिर तौर पर यह आसान नहीं है, लेकिन अगर आपके पास साधन हैं तो यह इतना मुश्किल भी नहीं है।''

प्रीति ने कहा, ''जो महिलाएं बिना किसी मदद के नौकरी के साथ घर और बच्चों की जिम्मेदारी संभालती हैं, उनके लिए मेरे दिल से बेहद सम्मान है। हर महिला की परिस्थितियां अलग होती हैं और जिन महिलाओं के पास मदद के ज्यादा साधन नहीं है।

'काम मिलना सिर्फ शुरुआत है, टिके रहने की कोई गारंटी नहीं', कुशाल आहूजा ने बताई इंडस्ट्री की सच्चाई

विश्व केसरी

मुंबई। टीवी एक्टर कुशाल आहूजा ने 'झनक' शो से घर-घर में अपनी अलग पहचान बनाई। आईएएनएस के साथ खास बातचीत में उन्होंने इंडस्ट्री में बने रहने की चुनौती पर बात की। उन्होंने बताया कि किसी कलाकार के लिए पहला मौका मिलना जितना जरूरी है, उससे कहीं ज्यादा मुश्किल लंबे समय तक इस इंडस्ट्री में बने रहना है। यहां किसी भी कलाकार के भविष्य को लेकर कोई पक्की गारंटी नहीं होती।

कुशाल ने आईएएनएस के साथ खास बातचीत में कहा कि ''इस इंडस्ट्री में आपको काम मिल सकता है और आप अपना सफर शुरू कर सकते हैं, लेकिन इस बात की कोई गारंटी नहीं होती कि आप हमेशा इसी इंडस्ट्री का हिस्सा बने रहेंगे। किसी प्रोजेक्ट में कास्ट होना सिर्फ शुरुआत है, असली चुनौती खुद को लगातार काम के लायक बनाए रखना और बदलते वक्त के साथ आगे बढ़ना है।''

अपने सफर और सफलता की परिभाषा के बारे में बात करते हुए कुशाल ने कहा, ''मेरे लिए इंडस्ट्री में लगातार बने रहना ही सफलता का एक हिस्सा है। लेकिन सिर्फ काम करते रहना काफी नहीं है। एक कलाकार के लिए यह भी जरूरी है कि वह अपनी भावनाओं को इस तरह पर्दे पर उतारे कि दर्शक भी वही महसूस कर सकें, जो कलाकार अपने किरदार के जरिए महसूस कर रहा है।''

कुशाल ने कहा, ''जब एक कलाकार अपनी फीलिंग्स को दर्शकों तक सही तरीके से पहुंचा पाता है और सामने बैठा दर्शक भी उसी इमोशन से जुड़ जाता है, तो यह उसके लिए सफलता का एक बड़ा हिस्सा है। एक्टिंग की असली खूबसूरती भी यहीं है कि कलाकार की भावनाएं सीधे दर्शकों तक पहुंचें।''

खुद को बेहतर बनाने के तरीके से जुड़े सवाल पर कुशाल ने कहा, ''खुद के काम को लेकर डाउट होना खराब नहीं होता। अगर कोई व्यक्ति अपने काम पर सवाल करता है, अपनी गलतियों को देखता है और यह सोचता है कि वह कहां बेहतर कर सकता है, तो यही सवाल उसे आगे बढ़ने में मदद करते हैं।

जब चीजें प्लान के मुताबिक नहीं हुई, तब भी गणपति बप्पा का आशीर्वाद महसूस हुआ : कुशाग्रे दुआ

विश्व केसरी

मुंबई। 'क्योंकि रिश्तों के भी रूप बदलते हैं' फेम टीवी एक्टर कुशाग्रे दुआ ने गणेश चतुर्थी को लेकर अपने खास जुड़ाव और बप्पा के प्रति अपनी आस्था के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उनकी जिंदगी में कई ऐसे मौके आए, जब चीजें उनकी उम्मीद के मुताबिक नहीं हुईं, लेकिन बाद में उन्हें एहसास हुआ कि शायद उनके लिए उससे भी कुछ बेहतर लिखा था। मुश्किल समय में उन्हें हमेशा गणपति बप्पा का आशीर्वाद और मार्गदर्शन महसूस हुआ है।

बप्पा पर अपने विश्वास के बारे में बात करते हुए कुशाग्रे ने कहा, ''जिंदगी में कई बार ऐसा हुआ जब चीजें मेरे प्लान के मुताबिक नहीं चलीं। उस वक्त मुझे निराशा जरूर हुई, लेकिन पीछे मुड़कर देखने पर समझ आया कि उन हालात के बाद हमेशा कुछ बेहतर मेरा इंतजार कर रहा था। इन मुश्किल पलों में बप्पा के आशीर्वाद ने मुझे सही दिशा दिखाई।''

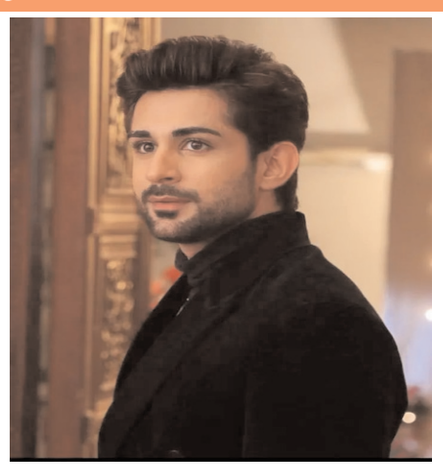

कुशाग्रे के कहा, ''बप्पा की मौजूदगी जिंदगी के सफर पर भरोसा रखने, धैर्य बनाए रखने और मुश्किल वक्त में भी आगे बढ़ते रहने का हौसला देती है। उनके प्रति आस्था मुझे नई ताकत देती है। मेरे लिए गणेश चतुर्थी का त्योहार पॉजिटिविटी और अपनों के साथ मिलकर खुशियां बांटने का मौका है।''

कुशाग्रे ने बताया, मेरा परिवार मुंबई से दूर रहता है। ऐसे में मेरे दोस्त ही मेरे परिवार जैसे हैं। दोस्तों के साथ बप्पा को घर लाना, उनकी सजावट करना और साथ मिलकर त्योहार की खुशियां मनाना मेरे लिए इसे और भी खास बनाता है। इस त्योहार की असली खूबसूरती प्यार और एकता है। बता दें कि कुशाग्रे दुआ 'उड़ारियां', 'ये है चाहतें', 'बहुत प्यार करते हैं', 'गुम है किसी के प्यार में', 'मेहंदी है रचने वाली' और 'उड़ती का नाम राज्जो' जैसे टीवी शोज में भी नजर आ चुके हैं। अपनी एक्टिंग जर्नी से मिली सीख के बारे में बात करते हुए कुशाग्रे ने कहा, ''इस दौरान मुझे सबसे बड़ी सीख धैर्य रखना और जमीन से जुड़े रहने की मिली। एक्टिंग कोई ऐसी मंजिल नहीं है।

ब्राजील के विदेश मंत्री माउरो विएरा और जयशंकर की बैठक, द्विपक्षीय संबंधों और भू-राजनीतिक स्थिति पर हुई चर्चा

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को नई दिल्ली में ब्राजील के विदेश मंत्री माउरो विएरा से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने भारत-ब्राजील संबंधों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र (यूएन), जी20 और अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) जैसे मंचों पर आपसी सहयोग पर चर्चा की।

बैठक के दौरान दोनों मंत्रियों ने मौजूदा वैश्विक राजनीतिक स्थिति और संवाद तथा कूटनीति को आगे बढ़ाने में ब्रिक्स 2026 की भूमिका पर भी विचार-विमर्श किया।

एस जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, 'ब्रिक्स इंडिया 2026 के आज नई दिल्ली में शुरू होने के अवसर पर ब्राजील के विदेश मंत्री माउरो विएरा से मिलकर खुशी हुई। हमने अपने द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की, जिसमें व्यापार और निवेश, रक्षा, ऊर्जा, कृषि तथा अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के विषय शामिल थे।

संयुक्त राष्ट्र, जी20 और आईएमओ सहित विभिन्न बहुपक्षीय मंचों पर हमारे सहयोग पर भी बात हुई। साथ ही मौजूदा वैश्विक हालात और संवाद व कूटनीति को बढ़ावा देने में ब्रिक्स 2026 के महत्व पर विचारों का आदान-प्रदान किया। माउरो विएरा गुरुवार को नई दिल्ली पहुंचे थे। वे 12-13 सितंबर को भारत की अध्यक्षता में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने आए हैं।

उनके स्वागत में विदेश मंत्रालय (एमईए) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, '18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए नई दिल्ली पहुंचे ब्राजील के विदेश मंत्री माउरो विएरा का हार्दिक स्वागत है। भारत और ब्राजील के बीच लंबे समय से मजबूत दोस्ती रही है और ग्लोबल साउथ के देशों के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए दोनों देशों की प्रतिबद्धता भी मजबूत है।'

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में सदस्य देशों, साझेदार देशों और विशेष आमंत्रित देशों के नेता हिस्सा लेंगे। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स सदस्य देशों, सहयोगी देशों और आउटरीच आमंत्रित देशों के नेता एक साथ आएंगे। ब्रिक्स में ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं। ब्रिक्स के सहयोगी देश हैं: बेलारूस, क्यूबा, बोलीविया, कजाकिस्तान, मलेशिया, नाइजीरिया, थाईलैंड, युगांडा, उज्बेकिस्तान और वियतनाम।

दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री और अराघची की फोन वार्ता, होर्मुज स्ट्रेट से जुड़े मुद्दों पर हुई चर्चा

विश्व केसरी■

सोल। दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री चो ह्यून और ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने शुक्रवार को फोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने मध्य पूर्व की मौजूदा स्थिति और होर्मुज स्ट्रेट से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। यह जानकारी दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय ने दी।

यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब दक्षिण कोरिया इस बात पर विचार कर रहा है कि क्या इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग की सुरक्षा के लिए सैन्य संसाधन भेजे जाएं। अमेरिका सोल पर इस दिशा में योगदान देने के लिए दबाव बना रहा है, जबकि ईरान किसी भी विदेशी सैन्य हस्तक्षेप का कड़ा विरोध करता रहा है।

योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय के अनुसार, बातचीत के दौरान चो ह्यून ने मध्य पूर्व की हालिया स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने उम्मीद जताई कि क्षेत्र में जल्द ही स्थायी शांति और स्थिरता बहाल होगी।

होर्मुज स्ट्रेट के मुद्दे पर चो ने कहा कि दक्षिण कोरिया इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग में नौवहन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रयासों में अपनी भागीदारी जारी रखेगा।

उन्होंने दोहराया कि दक्षिण कोरिया हमेशा इस बात का समर्थन करता है कि सभी जहाजों को सुरक्षित और बिना किसी रुकावट के गुजरने का अधिकार मिलना चाहिए। मंत्रालय के अनुसार, चो ने ईरान से आग्रह किया कि वह क्षेत्र में मौजूद दक्षिण कोरियाई नागरिकों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दे।

दक्षिण कोरियाई विदेश मंत्रालय के मुताबिक, अराघची ने मध्य पूर्व के मौजूदा हालात पर ईरान का पक्ष रखा। दोनों विदेश मंत्रियों ने सहमति जताई कि वे क्षेत्रीय घटनाक्रम और द्विपक्षीय मुद्दों पर आपसी संपर्क बनाए रखेंगे। इसके लिए द्विपक्षीय और बहुपक्षीय दोनों माध्यमों का उपयोग किया जाएगा।

संक्षिप्त खबर

यूक्रेन पर रूस के हमले जारी, शॉपिंग मॉल के पास ड्रोन से किया हमला, पांच की मौत

विश्व केसरी■

कीव। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने बताया कि रूस ने पावलोहराद में ड्रोन हमले कर कम से कम पांच लोगों की जान ले ली और 67 लोग घायल हो गए। यूक्रेनी मंत्री ने कहा कि शॉपिंग मॉल के पास दिनदहाड़े नागरिकों को निशाना बनाया गया, जो नागरिकों के खिलाफ जानबूझकर किया गया आतंक है। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक?स' पोस्?ट पर लि?खा, ''रूस ने पावलोहराद में ड्रोन हमले करके पांच लोगों की जान ले ली। हमलों में 67 लोग घायल हुए हैं। दिनदहाड़े ड्रोन हमलों में शॉपिंग मॉल के पास मौजूद आम नागरिकों को निशाना बनाया गया। इसे नागरिकों के खिलाफ जानबूझकर किया गया आतंक फैलाने वाला हमला बताया गया है। सिबिहा ने कहा कि रूस लगातार उन जगहों पर हमले कर रहा है, जहां उसे पता है कि लोग अपनी रोजमर्रा की जिंदगी के कामों में व्यस्त होंगे। इसका मकसद ज्यादा से ज्यादा लोगों को नुकसान पहुंचाना, डर फैलाना और यूक्रेनी समाज पर दबाव बनाना है। उन्होंने बताया कि पूरे यूक्रेन में हवाई हमलों की चेतावनियां लगातार जारी हैं। रूस लगातार बड़ी संख्या में ड्रोन लॉन्च कर रहा है।

पेइचिंग ने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप का लोगो, शुभंकर और थीम स्लोगन जारी किया

विश्व केसरी■

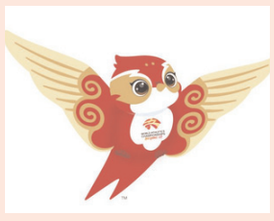

बीजिंग। पेइचिंग 2027 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए एक साल की उल्टी गिनती के कार्यक्रम में, आयोजन के लोगो, शुभंकर और थीम स्लोगन का आधिकारिक तौर पर अनावरण किया गया। लोगो, 'चिंग युए', स्वर्ग मंदिर और चीनी अक्षर चिंग (चिंग, जो राजधानी पेइचिंग का संक्षिप्त रूप है) का मिश्रण है, जो चीनी सुलेख से प्रेरणा लेकर शहर की पहचान को दर्शाता है और एथलेटिक्स की जीवंत ऊर्जा को व्यक्त करता है। शुभंकर, 'चिंग यान', 2015 पेइचिंग विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के शुभंकर 'यान'ए' की डिजाइन प्रेरणा को आगे बढ़ाता है, जो पेइचिंग स्विफ्ट पर आधारित है, और '12 वर्षों से लौट रहे अबाबीलों' का प्रतीक है। थीम स्लोगन, 'हर कदम मायने रखता है', उस दृढ़ संकल्प की भावना को दर्शाता है, जहां हर कदम सार्थक और हर प्रयास महत्वपूर्ण है। एक वीडियो संबोधन में, विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन कोए ने कहा कि पेइचिंग, ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन ओलंपिक खेलों की सफलतापूर्वक मेजबानी करने वाला दुनिया का पहला शहर होने के नाते, खेल आयोजनों की मेजबानी के गौरवशाली इतिहास का दावा करता है। 2015 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप ने कई यादगार पल दिए, और विश्व एथलेटिक्स को दृढ़ विश्वास है कि चीन 2027 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी उच्चतम मानकों के साथ कर सकता है, जिससे विश्व भर के दर्शकों के लिए एक यादगार खेल आयोजन प्रस्तुत किया जा सके।

नौसेना प्रमुख कृष्णा स्वामीनाथन को ऑस्ट्रेलिया ने दी स्मोकिंग सेरेमनी और गार्ड ऑफ ऑनर

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन का ऑस्ट्रेलिया की राजधानी कैनबरा में गर्मजोशी और पारंपरिक अंदाज में स्वागत किया गया। ऑस्ट्रेलिया की आदिवासी विरासत को दर्शाने वाली विशेष स्मोकिंग सेरेमनी के साथ उनका स्वागत किया गया। इस सेरेमनी के साथ ही उन्हें औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया।

नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन इन आस्ट्रेलिया की आधिकारिक यात्रा पर हैं। इस यात्रा के दौरान कैनबरा स्थित रसेल ऑफिसेज में उनका स्वागत किया गया। गौरतलब है कि स्मोकिंग सेरेमनी ऑस्ट्रेलिया की स्वदेशी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ा एक महत्वपूर्ण समारोह है। इस पारंपरिक आयोजन के जरिए अतिथि का सम्मान और स्वागत किया जाता है।

एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन 9 सितंबर से ऑस्ट्रेलिया की आधिकारिक यात्रा पर हैं। वह ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में ऑस्ट्रेलियाई फ्लीट कमांडर रियर एडमिरल अनिता विलियम्स से मुलाकात कर चुके हैं। इस दौरान दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच ऑपरेशनल सहयोग पर चर्चा की गई। यहां आपसी तालमेल को मजबूत करने के अवसरों पर भी वार्ता हुई।

एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन सिडनी स्थित आस्ट्रेलियाई नौसैनिक अड्डे एचएमएएस कट्टाबुल पर गए। बैठक के दौरान ऑस्ट्रेलियाई नौसेना की बदलती और विकसित हो रही समुद्री क्षमताओं के साथ-साथ भविष्य में बेड़े में शामिल किए जाने वाले नए प्लेटफॉर्म और प्रणालियों पर विचार-विमर्श किया गया। दोनों पक्षों ने भारतीय नौसेना और ऑस्ट्रेलियाई नौसेना के बीच अंतर-संचालन क्षमता बढ़ाने तथा संयुक्त परिचालन गतिविधियों को और प्रभावी बनाने के तरीकों पर भी चर्चा की।

सिडनी स्थित नौसैनिक अड्डे एचएमएएस कट्टाबुल पहुंचने पर एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन को एचएमएएस कट्टाबुल का परिचयात्मक दौरा कराया गया। इस दौरान उन्हें नौसैनिक अड्डे के बेड़े से जुड़े बुनियादी ढांचे और परिचालन क्षमताओं के बारे में जानकारी दी गई।

शनचन में एपेक सीईओ शिखर सम्मेलन का 17-18 नवंबर को आयोजन

विश्व केसरी■

बीजिंग। चीनी अंतरराष्ट्रीय व्यापार संवर्द्धन कमेटी (सीसीपीआईटी) से मिली जानकारी के अनुसार, 2026 एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) शिखर सम्मेलन 17 से 18 नवंबर तक चीन के शनचन शहर में आयोजित किया जाएगा।

चीन 2026 एपेक की मेजबानी कर रहा है। इसी क्रम में 18 से 19 नवंबर तक शनचन में एपेक की 33वीं नेताओं की अनौपचारिक बैठक आयोजित होगी। 2026 एपेक सीईओ शिखर सम्मेलन इसी बैठक से जुड़ी एक महत्वपूर्ण सहयोगी गतिविधि है।

सीसीपीआईटी के प्रवक्ता ने बताया कि इस सीईओ शिखर सम्मेलन का विषय 'संयुक्त रूप से समृद्धि को बढ़ावा देना, साझा रूप से भविष्य की जीत' है। इसका आयोजन सीसीपीआईटी करेगा। सम्मेलन में एपेक अर्थव्यवस्थाओं के राजनीतिक और व्यावसायिक जगत से करीब 1,000 प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाएगा।

इस दौरान एशिया-प्रशांत मुक्त व्यापार क्षेत्र के निर्माण, अंतर्संबंध, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल अर्थव्यवस्था, क्वांगतोंग-हांगकांग-मकाओ ग्रेटर बे एरिया के निर्माण और सतत विकास जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। प्रतिनिधि एशिया-प्रशांत क्षेत्र के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए सुझाव भी देंगे।

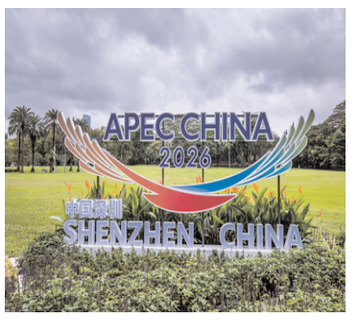

इसके अलावा, इस वर्ष की शुरुआत से एशिया-प्रशांत के कारोबारी जगत ने एपेक व्यापार सलाहकार परिषद (एबीएसी) समेत विभिन्न माध्यमों से एशिया-प्रशांत समुदाय के निर्माण को लेकर आम सहमति को मजबूत किया है। इससे एपेक के 'चीन वर्ष' के लिए व्यावसायिक क्षेत्र से जुड़े कई महत्वपूर्ण परिणाम सामने आए हैं।

9/11 के 25 साल: आतंकवाद के खिलाफ हमेशा खड़ा रहेगा अमेरिका

विश्व केसरी■

प्रथम पेज का शेष

नई दिल्ली। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने 9/11 आतंकी हमलों की 25वीं बरसी पर पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि अमेरिका हमेशा आतंकवाद के खिलाफ खड़ा रहेगा।

9/11 आतंकी हमलों की 25वीं बरसी पर दुनिया भर में पीड़ितों को याद किया जा रहा है। वर्ष 2001 में हुए इन हमलों में न्यूयॉर्क, वर्जीनिया और पेंसिल्वेनिया में कुल 2,977 लोगों की जान गई थी।

सर्जियो गोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, '25 साल बाद भी हम 9/11 में जान गंवाने वाले निर्दोष लोगों को याद करते हैं। हम उनके परिवारों को अपनी प्रार्थनाओं में रखते हैं। हम उन्हें कभी नहीं भूलेंगे। हम हमेशा आतंकवाद के खिलाफ खड़े रहेंगे।

11 सितंबर 2001 को आतंकी संगठन अल-कायदा से जुड़े 19 आतंकवादियों ने चार यात्री विमानों का अपहरण कर लिया था। इनमें से दो विमानों को न्यूयॉर्क स्थित वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के ट्विन टावर्स से टकरा दिया गया था।

तीसरे विमान को वर्जीनिया स्थित अमेरिकी रक्षा मुख्यालय पेंटागन पर हमला करने के लिए इस्तेमाल किया गया, जबकि चौथे विमान के यात्रियों ने आतंकवादियों का बहादुरी से मुकाबला किया। संघर्ष के दौरान विमान पेंसिल्वेनिया के एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हो गया और वह वॉशिंगटन में अपने संभावित लक्ष्य तक नहीं पहुंच सका। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 9/11 हमलों की 25वीं बरसी पर 11 सितंबर को पैट्रियट डे घोषित किया है।

व्हाइट हाउस की ओर से जारी घोषणा में ट्रंप ने कहा, 11 सितंबर 2001 की उस भयावह सुबह को 25 साल बीत चुके हैं और अब अमेरिका की एक पूरी पीढ़ी ऐसी है जिसे उस दिन की कोई प्रत्यक्ष स्मृति नहीं है। उन्होंने कहा कि उस दिन के पीड़ितों और घटनाओं को याद रखने का संकल्प हर अमेरिकी के दिल में दोबारा जीवित किया जाना चाहिए।

ब्रिक्स समिट 2026: दक्षिण अफ्रीका, युगांडा और उरुग्वे से भारत पहुंचे विदेशी मेहमान

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। वर्ष 2026 में भारत की अध्यक्षता में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए शुक्रवार सुबह से ही विदेशी मेहमानों का भारत में आगमन शुरू हो गया है। शुक्रवार सुबह विदेश मंत्रालय ने दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा, उरुग्वे के विदेश मंत्री मारियो लुबेटकिन और युगांडा की उपराष्ट्रपति जेसिका अलुपो का भारत पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर मेहमानों के आगमन की जानकारी साझा की। विदेश मंत्रालय ने पोस्ट में लिखा, ''दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा का 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए नई दिल्ली में हार्दिक स्वागत है। हवाई अड्डे पर उनका स्वागत केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने किया।''

मंत्रालय ने बताया कि भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच लंबे समय से मजबूत और दोस्ताना संबंध रहे हैं, जो हमारी रणनीतिक साझेदारी पर आधारित हैं। ब्रिक्स के साझेदार देशों के रूप में ग्लोबल साउथ के हितों को आगे बढ़ाने और उनके विकास के लिए मिलकर काम करने की हमारी प्रतिबद्धता मजबूत और अटूट है। मंत्रालय ने एक अन्य पोस्ट में लिखा, ''उरुग्वे के विदेश मंत्री मारियो लुबेटकिन का हार्दिक स्वागत है। वे नई दिल्ली में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में 'कम्युनिटी ऑफ लैटिन अमेरिकन एंड कैरिबियन स्टेट्स' (सेलाक) का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। भारत और सेलाक मिलकर व्यापार बढ़ाने, तकनीकी ज्ञान और नवाचार साझा करने तथा ग्लोबल साउथ के देशों के बीच साझेदारी को और मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं।''

पेइचिंग में 16वां एपेक ऊर्जा मंत्री सम्मेलन शुरू

विश्व केसरी■

बीजिंग। 16वें एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) ऊर्जा मंत्री सम्मेलन का उद्घाटन गुरुवार को चीन की राजधानी पेइचिंग में हुआ। सम्मेलन में चीन के उपप्रधानमंत्री तिंग श्वेश्यांग ने भाग लिया और संबोधन दिया।

इस दौरान तिंग श्वेश्यांग ने कहा कि चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की 'चार क्रांतियां, एक सहयोग' ऊर्जा सुरक्षा रणनीति के मार्गदर्शन में चीन की ऊर्जा आपूर्ति क्षमता लगातार बढ़ रही है। साथ ही, हरित और निम्न-कार्बन परिवर्तन को बढ़ावा मिल रहा है और नई ऊर्जा उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है।

उन्होंने कहा कि चीन एपेक के ढांचे के तहत ऊर्जा सहयोग में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है और क्षेत्रीय ऊर्जा विकास तथा वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा में

महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

उन्होंने कहा कि चीन हमेशा विश्व ऊर्जा बाजार का संरक्षक, वैश्विक हरित परिवर्तन में योगदानकर्ता और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा सहयोग का सक्रिय भागीदार बना रहेगा। इस दौरान उन्होंने तीन सुझाव भी दिए। पहला, समावेशी साझाकरण को मजबूत करना। इसके तहत एपेक की ऊर्जा पहुंच पहल को लागू करने, हरित ऊर्जा से जुड़े छोटे लेकिन प्रभावी सहयोग को प्राथमिकता देने तथा वितरित ऊर्जा और चार्जिंग बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

दूसरा, नवाचार सहयोग को मजबूत करना। इसके तहत नई ऊर्जा भंडारण और डिजिटल ग्रिड जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों में संयुक्त अनुसंधान को बढ़ावा देने और परिपक्व प्रौद्योगिकियों के प्रसार पर जोर दिया गया।

तीसरा, समन्वित शासन को मजबूत करना। इसके लिए वास्तविक बहुपक्षवाद को बढ़ावा देने, अधिक सुरक्षित, कुशल और टिकाऊ एपेक ऊर्जा शासन प्रणाली बनाने तथा ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं की स्थिरता सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया।

बता दें कि इस सम्मेलन का विषय 'साझा, नवाचारी और समन्वित एपेक ऊर्जा समुदाय का निर्माण' है।

ईरानी राष्ट्रपति ने भारत के लिए भरी उड़ान

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारत में होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2026 में शामिल होने के लिए ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने शुक्रवार को नई दिल्ली के लिए उड़ान भरी। यात्रा पर रवाना होने से पहले पेजेश्कियन ने कहा कि 'ब्रिक्स' अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में एकतरफा नीतियों का मुकाबला करने का एक महत्वपूर्ण मंच बन चुका है।

भारत स्थित ईरानी दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन की भारत यात्रा की जानकारी साझा की। पोस्ट में लिखा, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के राष्ट्रपति डॉ. पेजेश्कियन 'ब्रिक्स समिट 2026' में शामिल होने के लिए भारत रवाना हुए। ईरान की मेहर समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यात्रा पर रवाना होने से पहले ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा है कि 'ब्रिक्स', जिसमें अब 21 सदस्य शामिल हैं, अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में एकतरफा नीतियों का मुकाबला करने का एक महत्वपूर्ण मंच बन चुका है। राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा कि ब्रिक्स के पास एकतरफावाद का मुकाबला करने और सदस्य देशों के बीच आर्थिक, व्यापारिक, औद्योगिक और वैज्ञानिक सहयोग को बढ़ाने की बड़ी क्षमता है। पेजेश्कियन ने कहा कि ब्रिक्स का मुख्य उद्देश्य एकतरफावाद का मुकाबला करना है। कोशिश यह है कि देश अपनी स्वतंत्रता बनाए रखते हुए आर्थिक और व्यापारिक संबंधों को आगे बढ़ा सकें। उन्होंने बताया कि इस वर्ष के शिखर सम्मेलन का विषय एकजुटता, टिकाऊ विकास, मजबूती और नवाचार पर आधारित है। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश है कि देश डॉलर पर निर्भर हुए बिना आर्थिक और क्षेत्रीय विकास कर सकें तथा एकतरफावाद और बड़ी शक्तियों की अत्यधिक मांगों का सामना कर सकें।

समाचार एजेंसी मेहर के अनुसार, इस दौरे के दौरान पेजेश्कियन ब्रिक्स नेताओं की मुख्य बैठक, ब्रिक्स आर्थिक फोरम और वैश्विक शासन में सभी की भागीदारी तथा बहुपक्षवाद को मजबूत करने पर केंद्रित बैठक में शामिल होंगे और वहां संबोधन भी देंगे।

इसके अलावा, उनकी भारत के प्रधानमंत्री, मलेशिया के प्रधानमंत्री, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति और सम्मेलन में शामिल अन्य नेताओं एवं अधिकारियों के साथ भी मुलाकात होने की संभावना है।

छात्रावासों की बदहाली पर विधायक बघेल सख्त

बस्तर विधायक की छात्रावासों में दबिश

विश्व केसरी■

बकावंड (अर्जुन कुमार झा)। बस्तर विधानसभा क्षेत्र के छात्रावासों एवं आश्रमों में बच्चों को मिल रही मूलभूत सुविधाओं की वास्तविक स्थिति जानने के लिए छत्तीसगढ़ विधानसभा के उपनेता प्रतिपक्ष एवं बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल ने बकावंड विकासखंड के मूली कन्या छात्रावास, पोस्ट मेट्रिक एवं प्री मैट्रिक छात्रावास मूली तथा बालक आश्रम बारदा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों के रहने, भोजन, पेयजल, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, बिस्तर, कंबल-चादर और मच्छरदानी सहित अन्य सुविधाओं की जानकारी ली।

मूली कन्या छात्रावास में विधायक ने रसोई पहुंचकर भोजन की गुणवत्ता एवं मात्रा की जानकारी ली। इसके बाद छात्राओं से सीधे संवाद कर उनकी पढ़ाई और परीक्षा परिणाम के संबंध में जानकारी ली तथा अच्छे प्रदर्शन करने वाले बच्चों का उत्साहवर्धन किया। निरीक्षण में कुछ कमरों की जर्जर स्थिति और वेंटिलेशन की कमी सामने आने पर उन्होंने व्यवस्था में शीघ्र सुधार के

निर्देश दिए। पोस्ट मेट्रिक बालक छात्रावास में पानी एवं स्वच्छता की समस्या को लेकर विधायक ने नाराजगी जताई। बच्चों ने कंबल और मच्छरदानी उपलब्ध नहीं होने तथा कुछ मच्छरदानियों की गुणवत्ता खराब होने की जानकारी दी। विधायक ने स्वयं मच्छरदानी की स्थिति देखी और उसके सही उपयोग एवं रखरखाव की जानकारी बच्चों को दी। पेयजल समस्या के समाधान के लिए उन्होंने पीएचई विभाग के उच्च अधिकारियों से दूरभाष पर चर्चा कर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

अंधेरे में पढ़ते मिले बच्चे

बालक आश्रम बारदा के निरीक्षण के दौरान बच्चे पर्याप्त प्रकाश के अभाव में पढ़ाई करते मिले। इस पर विधायक ने नाराजगी व्यक्त करते हुए तत्काल प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। भोजन व्यवस्था का जायजा लेते हुए उन्होंने भोजन की मात्रा और गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए। 50 सीटर आश्रम में भोजन में आलू की अधिक मात्रा और मसूर दाल की सीमित मात्रा पाए जाने पर उन्होंने निर्धारित मानकों के अनुरूप पौष्टिक एवं संतुलित भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। आश्रम अधीक्षक की अनुपस्थिति पर भी विधायक ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि माता-पिता अपने बच्चों को बेहतर भविष्य की उम्मीद के साथ आश्रम में भेजते हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा, शिक्षा, भोजन, स्वास्थ्य और मूलभूत सुविधाओं की जिम्मेदारी प्रबंधन की है इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

बच्चों की सुरक्षा, सुविधा जरूरी

बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल ने कहा कि बच्चों को केवल शिक्षा देना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें पढ़ाई के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और बेहतर वातावरण भी मिलना चाहिए। छात्रावास एवं आश्रमों में रहने वाले बच्चे हमारे समाज और क्षेत्र का भविष्य हैं शासन द्वारा निर्धारित सुविधाएं उन्हें पूरी तरह और समय पर मिलनी चाहिए। उन्होंने संबंधित विभागों और अधिकारियों को निरीक्षण के दौरान सामने आई समस्याओं का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए और स्पष्ट किया कि बच्चों के भोजन, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सुरक्षा में लापरवाही पाए जाने पर उचित कार्रवाई की जाएगी। बस्तर विधायक ने कहा कि वे विधानसभा क्षेत्र के छात्रावासों एवं आश्रमों का लगातार निरीक्षण करते रहेंगे, ताकि शासन की योजनाओं और सुविधाओं का वास्तविक लाभ बच्चों तक पहुंचे बच्चों का भविष्य सुरक्षित करना केवल शासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। इस दौरान विधायक बघेल के साथ मानसिंह कवासी, लखेश्वर कश्यप, हेमराज बघेल, जितेंद्र तिवारी, राजेश कुमार, गुप्तेश्वर मांझी, कार्यकर्ता व ग्रामवासी मौजूद रहे।

दिल्ली में प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव से मिले बस्तर सांसद महेश कश्यप

संगठन के प्रति उनकी सक्रियता और समर्पण प्रेरणादायी : महेश कश्यप

विश्व केसरी■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। बस्तर लोकसभा सांसद महेश कश्यप ने दिल्ली प्रवास के दौरान भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव से छत्तीसगढ़ भवन में मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य का हाल जाना तथा शीघ्र पूर्ण स्वस्थ होने की कामना की। इससे पूर्व भी बस्तर संभाग के सांसदों ने मेदांता अस्पताल पहुंचकर उनका कुशलक्षेम जाना था।

उल्लेखनीय है कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव हाल जुलाई माह में सड़क हादसे में घायल हुए थे। उनका दिल्ली स्थित मेदांता अस्पताल में उपचार चला,जिसके बाद चिकित्सकीय सलाह पर उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया है। वर्तमान में वे चिकित्सकों की सलाह के अनुसार छत्तीसगढ़ भवन में बेड रेस्ट पर हैं। उनके स्वास्थ्य को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव एवं विजय शर्मा सहित प्रदेश सरकार के मंत्री,सांसद एवं विधायक लगातार उनसे मुलाकात कर स्वास्थ्य की जानकारी ले रहे हैं। सांसद महेश कश्यप ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव स्वास्थ्य लाभ लेते हुए बेड रेस्ट पर हैं,लेकिन संगठन के प्रति उनकी सक्रियता और समर्पण आज भी प्रेरणादायी है। वे स्वास्थ्य लाभ के दौरान भी संगठन की बैठकों,कार्यशालाओं और आगामी गतिविधियों को लेकर फोन कॉल एवं वीडियो कॉल के माध्यम से लगातार कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से संवाद कर रहे हैं तथा आवश्यक मार्गदर्शन दे रहे हैं। उनका यह समर्पण हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत है। हम सभी उनके शीघ्र पूर्ण स्वस्थ होने की कामना करते हैं।

इस दौरान भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रामाश्रय सिंह,बलदेव मंडावी,कामदेव बघेल,वनवासी मौर्य एवं सतीश बाजपेयी उपस्थित रहे।

विधायक पुत्र के कथित व्यवहार से भाजपाइयों में रोष, लगे विरोध के नारे

विश्व केसरी■

चारामा (संदीप मेश्राम)। कांकेर में कुछ दिनों पूर्व भानुप्रतापपुर विधायक सावित्री मंडावी के पुत्र अमन मंडावी द्वारा कथित रूप से नशे की हालत में बस चालक के साथ अभद्र व्यवहार किए जाने के मामले ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। घटना के विरोध में भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा मंडल चारामा के कार्यकर्ताओं ने कोरर चौक में पुतला दहन कर अपना विरोध दर्ज कराया।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि सार्वजनिक स्थान पर नशे की हालत में बस चालक के साथ कथित अभद्र व्यवहार किया जाना अत्यंत आपत्तिजनक है। कार्यकर्ताओं ने मामले की निष्पक्ष जांच एवं उचित

कार्रवाई की मांग करते हुए जमकर नारेबाजी की।

पुतला दहन के दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष ओम प्रकाश साहू, महामंत्री संतोष नहर, युवा मोर्चा अध्यक्ष भोज सोनी, महामंत्री प्रियेश सेन, महामंत्री रूपेश देवांगन, करन निर्मलकर, स्वपन बोस, जिला किसान मोर्चा मंत्री विजेंद्र कुमार सिन्हा, ललित साहू एवं एल्डरमेन परमेश्वर यादव सहित भाजपा एवं युवा मोर्चा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

'कानून और सार्वजनिक मर्यादा से ऊपर कोई नहीं'

भाजपा युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं ने कहा कि सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों के परिजनों से भी जिम्मेदार एवं मर्यादित आचरण की अपेक्षा की जाती है।

आंगनबाड़ी केंद्र भरा बारिश का पानी

विश्व केसरी■

बकावंड (अर्जुन कुमार झा)। विकासखंड बकावंड की ग्राम पंचायत टलनार स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक-4 बुरी तरह लाचार नजर आ रहा है। आंगनबाड़ी भवन की जर्जर स्थिति सामने आई है। भारी बारिश के बाद केंद्र में घुटने तक पानी भर गया। सुविधाओं आई मरम्मत के अभाव में केंद्र तालाब में तब्दील हो गया है।

केंद्र के भीतर इस कदर जल जमाव हो हो गया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को सुपली से कीचड़ युक्त पानी बाहर निकालना पड़ रहा है। केंद्र के अंदर बच्चों के बैठने की जगह, पोषण सामग्री और बर्तन सब पानी में डूबे हुए हैं। जल निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है।स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि हर बरसात में यही हाल होता है। केंद्र के भवन की मरम्मत वर्षों से नहीं हुई है। वैसे तो भवन का बाहरी हिस्सा एकदम चकाचक नजर आ रहा है, मगर अंदर की स्थिति बेहद लाचारगी भरी है।सरकार की आंगनबाड़ी सशक्तिकरण योजना यहां सिर्फ केवल कागजों में नजर आ

रही है, जमीनी हकीकत बदहाल है।छोटे-छोटे बच्चे कीचड़ के बीच बैठने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि आंगनबाड़ी केंद्र 4 की तत्काल मरम्मत, फर्श ऊंचा करने और पानी निकासी की व्यवस्था की जाए, ताकि नौनिहालों का भविष्य सुरक्षित हो सके।

नवनिर्वाचित कलेक्टर कुदन कुमार से मिले एबीवीपी कार्यकर्ता

विश्व केसरी■

कांकेर (सीताराम शर्मा)। जिले के नवनिर्वाचित कलेक्टर कुंदन कुमार जी से एबीवीपी के महाविद्यालयीन कार्यकर्ताओं ने सौजन्य भेंट की। इस दौरान कांकेर भाजपा आईटी सेल के अंकित जैन जी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर से विभिन्न महाविद्यालयीन विषयों पर चर्चा की तथा उन्हें चारामा महाविद्यालय आने का आमंत्रण दिया। भेंट

के दौरान महाविद्यालय में विद्यार्थियों से जुड़ी आवश्यकताओं एवं शैक्षणिक गतिविधियों को लेकर भी चर्चा हुई। कलेक्टर कुंदन कुमार ने विद्यार्थियों से संवाद एवं महाविद्यालय के संबंध में सकारात्मक रुचि दिखाई। इस अवसर पर नगर मंत्री वेदव्यास सिन्हा, सह नगर मंत्री हर्ष सिन्हा, निधि राजपूत सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं एबीवीपी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा अजा मोर्चा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष रावत से मिले सांसद महेश कश्यप, दी बधाई

विश्व केसरी■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उदयपुर सांसद मन्नालाल रावत के दिल्ली स्थित निवास पर पहुंचकर बस्तर सांसद महेश कश्यप ने उनसे भेंट की और उन्हें नवीन दायित्व के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर सांसद महेश कश्यप के साथ बस्तर के कई जनजातीय नेता भी मौजूद थे।

इस दौरान सांसद महेश कश्यप ने मन्ना लाल रावत को शॉल ओढ़ा कर और मां दंतेश्वरी की तस्वीर भेंट कर उनके सफल कार्यकाल की मंगलकामना की। इस अवसर पर सांसद महेश कश्यप ने

कहा कि मन्नालाल रावत को अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का दायित्व मिलना जनजातीय समाज के लिए गौरव का विषय है। उनके दीर्घ अनुभव, संगठनात्मक क्षमता और कुशल नेतृत्व का लाभ पूरे देश के जनजातीय समाज को मिलेगा। विश्वास है कि उनके नेतृत्व में अनुसूचित जनजाति मोर्चा संगठन को नई ऊर्जा और नई दिशा मिलेगी तथा जनजातीय समाज के हितों एवं विकास के लिए प्रभावी ढंग से कार्य होगा।

सांसद श्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने जनजातीय समाज के सम्मान, अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और विकास को प्राथमिकता दी है। ऐसे समय में अनुसूचित जनजाति मोर्चा की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। मन्नालाल रावत के नेतृत्व में संगठन इन प्रयासों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अवसर

17 सितम्बर से शुरू होगा सेवा संकल्प अभियान, भाजपाइयों ने किया मंथन

विश्व केसरी■

चारामा (संदीप मेश्राम)। भारतीय जनता पार्टी की मासिक बैठक शुक्रवार को उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित की गई। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों के साथ आगामी 'सेवा संकल्प अभियान' को लेकर विस्तृत चर्चा एवं कार्ययोजना तैयार की गई। यह अभियान 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक चलाया जाएगा।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राज्य मंत्री शालिनी राजपूत रहीं। वहीं विशिष्ट अतिथि केदार गुप्ता, अध्यक्ष अपेक्स बैंक छत्तीसगढ़ एवं विधानसभा प्रभारी, तथा राजा

देवनानी, जिला उपाध्यक्ष एवं चारामा मंडल प्रभारी उपस्थित रहे।

बैठक में जिला किसान मोर्चा अध्यक्ष बंटी ठाकुर, मंडल अध्यक्ष ओम प्रकाश साहू, महामंत्री संतोष नाहर, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष भोजराज सोनी, महामंत्री रूपेश देवांगन, महामंत्री प्रियेश सेन, आईटी सेल जिला संयोजक अंकित जैन, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष चारामा प्यारेलाल देवांगन, सत्तार पटेल, रुखम सेन एवं पार्षद संदीप मेश्राम, रजनी यादव सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान पर हुई मंडल स्तरीय कार्यशाला

विश्व केसरी■

दुर्गूकोदल। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश एवं जिला नेतृत्व के निर्देशानुसार आत्मनिर्भर भारत, मंडल मासिक बैठक एवं सेवा संकल्प अभियान को लेकर भाजपा मंडल दुर्गूकोदल की मंडल स्तरीय कार्यशाला का आयोजन रेस्ट हाउस दुर्गूकोदल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्यामा प्रसाद मुखर्जी, भारत माता एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के छायाचित्र पर पुष्पांजलि एवं माल्यार्पण कर तथा पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इसके पश्चात संगठनात्मक बैठक एवं कार्यशाला प्रारंभ हुई। कार्यशाला में मुख्य वक्ता छत्र प्रताप दुग्गा जी ने सेवा संकल्प अभियान के संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन देते हुए कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा एवं जनकल्याण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि इन सेवा कार्यों को केवल मंडल स्तर तक सीमित न रखते हुए प्रत्येक शक्ति केंद्र एवं बूथ स्तर तक पहुंचाया जाए।

दंतेवाड़ा में आज पत्रकारिता पर प्रतियोगिता

'नशा मुक्त युवा विकसित भारत-संकल्प अभियान', राष्ट्रीय पोषण माह एवं ठोस उत्पाद प्रबंधन नियम-2026 पर संवाद होगा

विश्व केसरी■

दंतेवाड़ा (अर्जुन कुमार झा)। पत्र सूचना कार्यालय, रायपुर द्वारा 12 सितंबर को जिला पंचायत ऑडिटोरियम, दंतेवाड़ा में जिलों के लिए पत्रकार वार्ता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का समय प्रात: 11:30 बजे निर्धारित है। इस कार्यक्रम में 'नशा मुक्त युवा विकसित भारत-संकल्प अभियान', 'राष्ट्रीय पोषण माह' और 'ठोस उत्पाद प्रबंधन नियम-2026' जैसे महत्वपूर्ण समसामयिक विषयों पर जानकारी एवं संवाद शामिल होंगे।

कार्यक्रम में दांते वेवड़े के नेता चैतराम अटामी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समाज कल्याण विभाग के किशोर कुमार देशमुख द्वारा समाज कल्याण विभाग की विभिन्न जनकल्याण योजनाएं एवं उनके दस्तावेजों से संबंधित जानकारी प्रदान की जाएगी। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम प्रबंधक रविकांत ध्रुव द्वारा राष्ट्रीय पोषण माह के संगठन, पोषण के महत्व और कुपोषण की रोकथाम के

लिए जा रहे हैं आश्रम के संबंध में जानकारी।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 विषय पर मुख्य नगरपालिका अधिकारी अरुण कुमार ध्रुव द्वारा विस्तृत जानकारी दी जाएगी। इस दौरान सॉलिड के साइंटिस्ट एवं इफेक्टिव मैनेजमेंट, आजादी, सॉलिड के डिस्ट्रिब्यूशन एवं टेक्नोलॉजी से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णयों पर चर्चा की जाएगी।

पत्र सूचना कार्यालय के उपनिदेशक रमेश जायभाये ग्रैब को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की पत्रकार कल्याण योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। वे योजना के अंतर्गत पात्र और सहायक उपकरण से संबंधित प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे। योजना के प्रस्ताव समय-समय पर जारी आधिकारिक दिशा-निर्देशों के अनुसार लागू होते हैं और पात्रता से संबंधित बिजली के आधार पर काम किया जाता है। जायभाये सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती अभिलेख एवं डिजिटल मीडिया आचार) नियम, 2021 के संहिता नियम 18 तथा डिजिटल समाचार प्रकाशकों से संबंधित परंपरा की जानकारी भी देंगे। नियम 18 के तहत डिजिटल समाचार मीडिया और सामाजिक विषयों की सामग्री के प्रकाशकों के लिए आचार संहिता, शिकायत शिकायत व्यवस्था और केंद्र सरकार द्वारा समन्वय और पर्यवेक्षण से संबंधित विशेषज्ञों का उल्लेख है। पत्रकार वार्ता का उद्देश्य विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं, सामाजिक मुद्दों, जागरूकता अभियानों और संबंधित मुद्दों पर तथ्यपरक जानकारी उपलब्ध कराना और इन विषयों पर मीडिया की भूमिका और जनजागरूकता के प्रभावशाली माध्यमों पर सार्थक संवाद स्थापित करना है।

शिवसेना ने महंगाई से राहत दिलाने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

विश्व केसरी■

कांकेर (सीताराम शर्मा)। शिवसेना जिला ईकाई कांकेर ने बढ़ती महंगाई के खिलाफ मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। शिवसेना प्रदेश महासचिव चंद्रमौली मिश्रा ने कहां केंद्र और राज्य सरकार के गलत नीतियों के कारण राज्य में बेतहाशा बढ़ती महंगाई और उससे उत्पन्न हुई आमजनता की असहनीय पीड़ा आज प्रदेश के आम नागरिक व मध्यमवर्गीय परिवार झेल रही हैं आज स्थिति यहां हो चुकी है कि महंगाई के कारण आम नागरिक त्राहि त्राहि कर रहा है आज खाद्य पदार्थों, दालों, तेल, बिजली बिल और घरेलू गैस कि आसमान छूती कीमतों ने आम आदमी की थाली का स्वाद और पोषण दोनों छीन लिया है।

शिवसेना प्रदेश सचिव महेश वासुदेव दुबे ने कहां कि पेट्रोल डीजल रसोई गैस और खाद्य पदार्थों की आसमान छूती कीमतों ने आम आदमी का जीना मुहाल कर दिया है गरीब परिवारों के लिए दो वक्त की रोटी का संकट खड़ा हो गया है। प्रदेश व केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी महंगाई को नियंत्रित करने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है। जिसका बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य पर असर हो रहा है दैनिक उपयोग की वस्तुओं के महंगे होने से गरीब और मध्यमवर्ग के परिवारों का बजट पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है। जिससे वह बच्चों की पढ़ाई और इलाज के खर्चे में कटौती करने पर मजबूर हैं जिससे जनता में भारी आक्रोश है।

वित्त मंत्री सीतारमण ने रूसी उप-प्रधानमंत्री मंतुरोव से मुलाकात की, द्विपक्षीय निवेश संधि पर हुई चर्चा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को रूसी उप-प्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय निवेश संधि (बीटीटी) को आगे बढ़ाने को लेकर चर्चा की।

इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच वित्तीय सर्विसेज में साझेदारी को मजबूत करना और आर्थिक साझेदारी को बढ़ाना है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर वित्त मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्ष बीटीटी पर बातचीत को आगे बढ़ाने पर सहमत हुए। इस संधि का मकसद एक ऐसा ढांचा तैयार करना है जिससे दोनों देशों के बीच निवेश का प्रवाह बढ़े और कुल मिलाकर आर्थिक सहयोग मजबूत हो। मंत्रालय ने बताया कि यहां हुई एक बैठक में उन्होंने दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों की समीक्षा की और अलग-अलग सेक्टर में सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।

इसके अलावा, दोनों नेताओं ने फाइनेंशियल सर्विस सेक्टर में सहयोग बढ़ाने के मौकों पर भी बातचीत की। मंत्रालय के अनुसार, इस कदम से भारत और रूस के बीच बढ़ते व्यापार और निवेश को बढ़ावा मिल सकता है।

यह बातचीत ऐसे समय में हो रही है जब दोनों देश अपने आर्थिक संबंधों को बड़े पैमाने पर बढ़ाने की नई कोशिशें कर रहे हैं।

इस हफ्ते की शुरुआत में, केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग के सामान, केमिकल्स, टेक्सटाइल्स और खाद्य उत्पादों को ऐसे अहम सेक्टर के तौर पर जिक्र किया था, जिनसे भारत-रूस व्यापार में बढ़ोतरी हो सकती है।

रूस के उद्योग और व्यापार मंत्री एंटोन अलीखानोव के साथ 'भारत-रूस बिजनेस डायलॉग' को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि दोनों देशों के नेतृत्व ने 2030 तक आपसी व्यापार को 100 अरब डॉलर और दोनों तरफ के निवेश को 50 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।

अभी भारत और रूस के बीच लगभग 60 अरब डॉलर का आपसी व्यापार होता है, जिसका मतलब है कि इस लक्ष्य को पाने के लिए अगले चार वर्षों में 40 अरब डॉलर का अतिरिक्त व्यापार करना होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस लक्ष्य को पाने के लिए लगातार सालाना दोहरे अंकों में विकास और दोनों तरफ की सरकारों और व्यवसायों के समन्वित प्रयासों की जरूरत होगी। उन्होंने कई ऐसे बड़े मौकों का भी जिक्र किया जिनका अभी तक पूरा इस्तेमाल नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि कई ऐसे उत्पाद जिनमें भारत वैश्विक स्तर पर मजबूत स्थिति में है, जैसे कि दवाएं और इंजीनियरिंग का सामान, वे रूस के प्रमुख आयात हैं, लेकिन रूसी बाजार में उनके निर्यात की पूरी क्षमता का अभी तक इस्तेमाल नहीं हो पाया है।

ब्रिक्स भारत इनोवेट्स एक्सपो का दिल्ली में आगाज

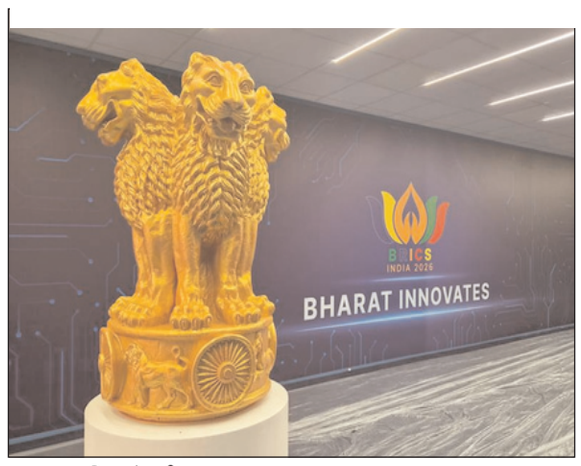

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले शुक्रवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में दो दिवसीय 'ब्रिक्स भारत इनोवेट्स (बीबीआई) एक्सपो' की शुरुआत हुई। इस प्रदर्शनी में भारत की डीप-टेक नवाचार क्षमता और उच्च शिक्षा संस्थानों से जुड़े स्टार्टअप्स का वैश्विक प्रदर्शन किया जा रहा है। शिक्षा मंत्रालय ने विदेश मंत्रालय के समन्वय से इस एक्सपो का आयोजन किया है। इसका उद्देश्य भारतीय उच्च शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र से विकसित नवाचारों को वैश्विक मंच उपलब्ध कराना और स्टार्टअप्स, उच्च शिक्षा संस्थानों, शोध प्रयोगशालाओं व रिसर्च पार्कों को दुनिया भर के उद्योग जगत, निवेशकों, विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों, सरकारों और प्रवासी भारतीय नेटवर्क से जोड़ना है। ब्रिक्स भारत इनोवेट्स एक्सपो 2026 इस वर्ष भारत की दूसरी बड़ी डीप-टेक प्रदर्शनी है। इससे पहले जून 2026 में फ्रांस के नीस शहर में पहली बार भारत इनोवेट्स का आयोजन किया गया था। उस कार्यक्रम में शामिल 120 स्टार्टअप्स में से चुनी गई 37 डीप-टेक स्टार्टअप्स इस बार ब्रिक्स मंच पर अपनी तकनीक और नवाचारों का प्रदर्शन कर रही हैं।

यह प्रदर्शनी भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता 2026 की थीम 'बिल्डिंग फॉर रेजिलिएंस, इनोवेशन, कोऑपरेशन एंड सस्टेनेबिलिटी' के अनुरूप आयोजित की जा रही है।

बीबीआई एक्सपो का आयोजन शुक्रवार को ब्रिक्स बिजनेस फोरम के साथ किया गया है, जिससे भारतीय स्टार्टअप्स को ब्रिक्स देशों के सीईओ, निवेशकों, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और कारोबारियों के साथ सीधे संवाद और नेटवर्किंग का अवसर मिलेगा। इसके माध्यम से बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) साझेदारी, प्रौद्योगिकी सहयोग, निवेश वार्ता और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच की संभावनाओं को बढ़ावा मिलेगा।

यह एक्सपो भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत शिक्षा क्षेत्र की प्राथमिकताओं में शामिल 'रिसर्च, इनोवेशन और स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने' के लक्ष्य को भी आगे बढ़ाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी और ब्रिक्स देशों के शीर्ष नेताओं के इस प्रदर्शनी का दौरा करने की संभावना है। इसके अलावा ब्रिक्स सदस्य देशों के वरिष्ठ प्रतिनिधि, निवेशक, उद्योगपति और कारोबारी नेता भी एक्सपो में शामिल होंगे।

शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, इस मंच से भारतीय स्टार्टअप्स को ब्रिक्स देशों के निवेशकों और उद्योग जगत तक सीधी पहुंच, राष्ट्राध्यक्षों और सरकार प्रमुखों के स्तर पर दृश्यता, एफआईसीसीआई, सीआईआई और एसोचैम के सहयोग से बी2बी बैठकों और संरचित मैचमेकिंग, तथा वैश्विक स्तर पर ब्रांड और कूटनीतिक विश्वसनीयता हासिल करने का अवसर मिलेगा।

एआई युग की तैयारी में गुजरात, नई डेटा सेंटर नीति से 17 लाख करोड़ निवेश की उम्मीद

विश्व केसरी ■

गांधीनगर। गुजरात ने अपनी नई डेटा सेंटर नीति के तहत 7.5 गीगावाट डेटा सेंटर क्षमता विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। यह देश की मौजूदा 1.5 गीगावाट क्षमता से लगभग पांच गुना अधिक है। यह जानकारी राज्य के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अर्जुन मोढवाडिया ने शुक्रवार को विधानसभा में दी।

उन्होंने बताया कि नई नीति का उद्देश्य गुजरात को देश का प्रमुख डेटा सेंटर हब बनाना है और इसके माध्यम से बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित करने के साथ-साथ डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है।

मोढवाडिया ने 'विकसित गुजरात-डाटा सेंटर पॉलिसी 2026-2029' के तहत मिलने वाले प्रोत्साहन और फायदों से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि राज्य डाटा स्टोरेज और कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करके उभरते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इकोसिस्टम में अहम भूमिका निभाने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने कहा, 'आज के दौर में डाटा सेंटर तेल के कुओं की तरह हैं और गुजरात इस दिशा में आगे बढ़ रहा है।'

मोढवाडिया ने बताया कि अभी दुनियाभर में 122 गीगावाट क्षमता वाले डाटा सेंटर काम कर रहे हैं। अमेरिका में 4,423 डाटा सेंटर हैं जिनकी कुल क्षमता 53 गीगावाट है, जो दुनिया की कुल क्षमता का 44 प्रतिशत है।

यूनाइटेड किंगडम में 2.5 गीगावाट क्षमता वाले 555 डाटा सेंटर हैं, जबकि चीन में 31 गीगावाट क्षमता वाले 369 डाटा सेंटर हैं, जो दुनिया की कुल क्षमता का 26 प्रतिशत है। यूरोप की क्षमता 11.9 गीगावाट है, जबकि जापान और दक्षिण कोरिया की कुल क्षमता 6.6 गीगावाट है।

जर्मनी में 523 डाटा सेंटर हैं। उन्होंने कहा, 'भारत दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत डाटा बनाता है, लेकिन अभी इसका केवल 2 से 2.5 प्रतिशत ही स्टोर करता है। दुनिया की कुल डाटा-सेंटर क्षमता में भारत का हिस्सा लगभग 2 प्रतिशत है। अमेरिका की 53 जीडब्ल्यू क्षमता के मुकाबले भारत की क्षमता 1.5 जीडब्ल्यू है। उन्होंने कहा कि गुजरात की नई पॉलिसी का मकसद बड़े पैमाने पर निवेश को बढ़ावा देकर इस अंतर को कम करना है। राज्य को पहले ही 17 पार्टियों से 19 प्रोजेक्ट्स के लिए लगभग 17 जीडब्ल्यू की क्षमता के लिए दिलचस्पी दिखाने वाले प्रस्ताव (ईओआई) मिल चुके हैं। मोढवाडिया ने कहा, 'हमने 7.5 जीडब्ल्यू क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा है। भारत की मौजूदा क्षमता 1.5 जीडब्ल्यू है, जबकि अकेले गुजरात ने ही 7.5 जीडब्ल्यू का लक्ष्य तय किया है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजना इस पॉलिसी के तहत खास प्रोत्साहन देने की है और शुरुआत में एक ही चरण में 7.5 गीगावाट क्षमता वाले प्रोजेक्ट्स को मंजूरी देने का इरादा है, जिसके बाद जरूरत और उपलब्ध क्षमता के आधार पर आगे के फैसले किए जाएंगे। उन्होंने कहा, 'अगर सभी आवेदन असल में प्रोजेक्ट्स में बदल जाते हैं, तो प्रस्तावित निवेश 17 लाख करोड़ रुपए से ज?यादा हो सकता है। आवेदकों में देश और विदेश, दोनों तरह की कंपनियां शामिल हैं। उन्होंने बताया कि सरकार ने गिफ्ट सिटी में इकोसिस्टम को बढ़ाने का काम शुरू कर दिया है और लगभग छह महीने पहले, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में योटा टेक्नोलॉजी और शारजाह सरकार के साथ मिलकर एक डाटा सेंटर बनाने की योजना बनाई गई थी।

स्किन टीबी के मरीजों में बढ़ा डीआर-टीबी का खतरा

विश्व केसरी ■

लखनऊ। क्षय रोग (टीबी) केवल फेफड़ों तक सीमित नहीं है। टीबी का जीवाणु शरीर के अन्य अंगों को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है, जिसमें स्किन (त्वचा) भी शामिल है।

चिकित्सा जगत में इसे एक्स्ट्रा-पल्मोनरी टीबी कहा जाता है। मतलब ऐसी टीबी जो फेफड़ों के अलावा शरीर के किसी और हिस्से में अपनी जड़ें जमा लेती है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि स्किन टीबी से पीड़ित मरीजों में दवा-प्रतिरोधी (डीआर) टीबी का जोखिम बढ़ रहा है। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में हुए एक अध्ययन में यह निष्कर्ष सामने आया है।

यह अध्ययन इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी एंड लेप्रोलॉजी (आईडीजीवीएल) में प्रकाशित हुआ है। 54 मरीजों पर हुआ अध्ययन केजीएमयू के त्वचा रोग विभाग के वर्ष 2019 से 2022 के बीच हुए अध्ययन में स्किन टीबी के 54 मरीजों को शामिल किया गया। इनकी उम्र 20 से 40 वर्ष के बीच थी। इनमें सात मरीजों में दवा-प्रतिरोधी टीबी पाई गई। सभी मरीज एचआईवी निगेटिव थे। शोध में पाया गया कि छह मरीजों पर टीबी की सबसे असरदार दवा का असर नहीं हो रहा था। ऐसे में इन्हें बहु दवा-प्रतिरोधी (एमडीआर) टीबी की दवाएं दी गईं। वहीं एक मरीज पर एक और मुख्य टीबी-रोधी दवा असर नहीं कर रही थी। उसका इलाज तय मानक के तहत किया गया। राहत की बात यह रही कि इलाज शुरू होने के लगभग एक महीने के भीतर ही मरीजों की हालत में सुधार होने लगा। इलाज पूरा करने वाले मरीजों में त्वचा के घाव पूरी तरह ठीक हो गए।

सात मरीजों में चार तरह की स्किन टीबी शोध में सामने आया कि इन सात मरीजों में तीन को ल्यूपस वल्गैरिस (त्वचा पर लाल-भूरे रंग के चकत्ते और घाव), दो को स्क्रोफूलोडरमा (गांठों से मवाद रिसना), एक को ट्यूबरकुलर एब्सेस (त्वचा के नीचे मवाद भरी गांठ) और एक मरीज को ट्यूबरकुलर चैंक्र (त्वचा पर छाले जैसा घाव) थे।

शोध में अहम चुनौती यह रही कि स्किन टीबी में बैक्टीरिया की संख्या सामान्यत: बहुत कम होती है। जिससे मरीजों की कल्चर जांच से टीबी के जीवाणु की पहचान और दवा-प्रतिरोध का पता लगाना मुश्किल होता है। ऐसे में आधुनिक मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक टेस्ट बेहतर नतीजे देते हैं। स्किन टीबी की पुष्टि के लिए जरूरी जांचें केजीएमयू के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर ड्रग रेजिस्टेंट टीबी के संस्थापक प्रभारी प्रो. सूर्यकांत के मुताबिक, स्किन टीबी को केवल त्वचा तक सीमित बीमारी मानकर दवा-प्रतिरोध की संभावना को नजरअंदाज करना खतरनाक साबित हो सकता है।

भारत में 80 लाख से ज्यादा एचपीवी टीकाकरण हुए पूरे : स्वास्थ्य मंत्रालय

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत ने हेल्थ सेक्टर में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। देश में 80 लाख से ज्यादा एचपीवी टीकाकरण पूरे हो चुके हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसकी जानकारी एक्स पर पोस्ट के जरिए दी है।

मंत्रालय ने 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, 'भारत ने 80 लाख एचपीवी टीकाकरण का आंकड़ा पार कर लिया है, जो प्रिवेंटिव हेल्थकेयर को मजबूत करने और एचपीवी संक्रमण और इससे जुड़े कैंसर से सुरक्षा को आगे बढ़ाने में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। हर टीकाकरण के साथ, भारत अपनी बेटियों के लिए एक स्वस्थ, कैंसर-मुक्त भविष्य की ओर एक और कदम बढ़ा रहा है।'

एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) वैक्सीन एक सुरक्षित और बेहद असरदार टीका है। यह उन संक्रमणों को रोकता है जो सर्वाइकल कैंसर, एनल और गले के कैंसर के साथ-साथ जननांग में मस्से का कारण बनते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, यह वैक्सीन हाई-रिस्क एचपीवी स्ट्रेन से बचाती है, जो 90 प्रतिशत तक सर्वाइकल कैंसर के लिए जिम्मेदार होते हैं। यह लंबे समय तक सुरक्षा देती है और कैंसर से पहले होने वाले सेल बदलावों को रोकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, वैक्सीन सबसे ज्यादा असरदार 9 से 14 साल की उम्र के लिए यह सबसे अच्छी मानी जाती है। इस उम्र में आमतौर पर 2 डोज की जरूरत होती है। भारत के राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत सिंगल-डोज अप्रोच भी अपनाई जा रही है।

वहीं, 15 से 26 साल और कुछ वयस्कों के लिए 45 साल तक के लोगों को कैच-अप के तौर पर 3 डोज दी जाती है, जो छह महीने के अंदर पूरी की जाती है। बड़ी उम्र के टीनएजर्स और वयस्कों को भी इसका फायदा मिलता है, हालांकि सबसे अच्छा असर वायरस के संपर्क में आने से पहले होता है। विशेषज्ञों के मुताबिक ग्लोबल स्तर पर व्यापक निगरानी से यह साबित हुआ है कि यह वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित है।

तनाव और अनिद्रा से हैं परेशान; रोज 10 मिनट करें शवासन, मिलेगा गहरा सुकून

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में काम का प्रेशर और घंटों मोबाइल-लैपटॉप में व्यस्त रहने से शरीर और मन दोनों ही थक जाता है। ऐसे में योग एक अद्भुत और असरदार आसन है 'शवासन'। यह सिर्फ शरीर की सारी थकान को दूर कर, नई ऊर्जा भरने का सबसे अच्छा साधन है।

यह एक विश्राम की मुद्रा है, जिसमें शरीर को बिल्कुल ढीला छोड़ दिया जाता है। 'शव' यानी मृत शरीर के समान लेटना।

देखने में यह सबसे आसान मुद्रा लगती है, लेकिन असल में यह सबसे कठिन आसनों में से एक माना जाता है क्योंकि इस आसन को करने के दौरान शरीर को पूरी तरह ढ़ीला छोड़कर मन को शांत करना आसान नहीं है। शवासन सिर्फ आराम करने का तरीका नहीं है बल्कि यह शरीर की सारी थकान को दूर कर, नई ऊर्जा भरने का सबसे अच्छा साधन है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने शवासन के लाभ के बारे में बताया है। उनके अनुसार, यह आसन तनाव और चिंता को करने में मदद करता है। नींद की गुणवत्ता को बेहतर बनाता है और अनिद्रा की समस्या को दूर करता है। साथ ही, यह ब्लड प्रेशर को नियंत्रित कर हृदय के स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है। शवासन मस्तिष्क को शांत कर एकाग्रता बढ़ाता है। इसके नियमित अभ्यास से मांसपेशियों में तनाव कम होता है और शरीर में ऊर्जा का संचार होता है।

सिर्फ स्वाद नहीं, सेहत का आधार है आयुर्वेद आहार, आयुष मंत्रालय ने बताया महत्व

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज के समय में लोग अपने खान-पान को लेकर पहले से ज्यादा जागरूक हो रहे हैं। क्या खाना चाहिए, किस तरह का भोजन हमारी दिनचर्या का हिस्सा होना चाहिए और पारंपरिक खान-पान को किस नजरिए से देखा जाए, इन सवालों पर लोगों की दिलचस्पी बढ़ रही है। ऐसे में आयुर्वेद आहार की अवधारणा को समझना जरूरी हो जाता है। आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि आयुर्वेद आहार यानी ऐसा आहार, जिसकी अवधारणा आयुर्वेद के सिद्धांतों और पारंपरिक ज्ञान से जुड़ी है। इसे समझने के लिए केवल भोजन पर ध्यान देना काफी नहीं है। इसके साथ हमारी परंपरा और भोजन से जुड़े तय मानकों को भी समझना जरूरी है।

आयुर्वेद आहार के लिए एक निर्धारित नियामक व्यवस्था भी मौजूद है। खाद्य सुरक्षा और मानक (आयुर्वेद आहार) विनियम, 2022 के तहत आयुर्वेद आहार के लिए एक नियामक ढांचा तैयार किया गया है। इसमें श्रेणी ए की व्यवस्था भी शामिल है। इसका उद्देश्य आयुर्वेद आहार के उत्पादन और उससे जुड़ी जानकारी को एक व्यवस्थित और जिम्मेदार ढांचे में लाना है।

आयुर्वेद आहार को आसान भाषा में समझने के लिए तीन बातें सबसे महत्वपूर्ण हैं- आहार, परंपरा और मानक। पहला है आहार। इसका सीधा मतलब है कि हम क्या खाते और पीते हैं। हमारे रोजमर्रा के भोजन में शामिल सभी चीजें हमारी आहार व्यवस्था का हिस्सा हैं। आयुर्वेद में भोजन को केवल भूख मिटाने का साधन नहीं माना जाता, बल्कि खान-पान और जीवनशैली को भी महत्वपूर्ण माना गया है।

दूसरा है परंपरा। भारत में भोजन से जुड़ा ज्ञान और तरीके सदियों से एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचते रहे हैं। अलग-अलग इलाकों में मौसम, स्थानीय उपलब्धता और पारंपरिक ज्ञान के आधार पर भोजन तैयार करने और खाने के अलग-अलग तरीके देखने को मिलते हैं। यही पीढ़ियों से चला आ रहा ज्ञान आयुर्वेद आहार को समझने में अहम भूमिका निभाता है।

तीसरा है मानक। किसी भी खाद्य पदार्थ के उत्पादन और उसके बारे में लोगों तक सही जानकारी पहुंचाने के लिए स्पष्ट नियम और जिम्मेदार व्यवस्था जरूरी होती है। मानक इसी व्यवस्था का आधार हैं। ये भोजन के उत्पादन और उससे जुड़ी जानकारी को एक तय ढांचे के भीतर रखने में मदद करते हैं।

ब्रेक ने मेरी गेंदबाजी को प्रभावित किया, मोहम्मद सिराज का बयान

विश्व केसरी ■

चेन्नई। दलीप ट्रॉफी 2026 का फाइनल मुकाबला ईशान किशन की कप्तानी वाली ईस्ट जोन और तिलक वर्मा की कप्तानी वाली साउथ जोन के बीच एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला गया। ईस्ट जोन विजेता रही। साउथ जोन की तरफ से खेल रहे भारतीय टीम के सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज इस मुकाबले में प्रभावी नहीं रहे। मोहम्मद सिराज ने मैच में कुल 41ओवर गेंदबाजी की और महज 1 विकेट ले पाए। इस दौरान उन्होंने 187 रन लुटाए। सिराज के गेंदों की गति भी 125-130 किलोमीटर/घंटा के बीच रही। भारतीय टेस्ट टीम के नियमित और प्रभावी तेज गेंदबाज सिराज का यह प्रदर्शन निराशाजनक और क्रिकेट विश्लेषकों और फैंस के लिए चौंकाने वाला था।

सिराज का मानना है कि श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले उनको मिले 2 महीने के ब्रेक ने उनकी गेंदबाजी को प्रभावित किया है। इसी वजह से श्रीलंका सीरीज के दौरान गाले और कोलंबो में हुए टेस्ट मैचों में उनकी गेंदबाजी की गति भी कम रही।

दलीप ट्रॉफी फाइनल की समाप्ति के बाद सिराज ने कहा, 'मैं पूरी तरह से एक रिदम गेंदबाज हूं। अगर मैं अपने रंग में नहीं हूं, तो मैं क्रीज से तेजी से नहीं निकल सकता। श्रीलंका में यही मुश्किल थी - मेरा रन-अप बिखरा हुआ लग रहा था। कुछ स्ट्राइड बहुत छोटे थे, कुछ बहुत लंबे, और इससे मेरा फ्लो टूट गया। इससे मेरी गति पर असर पड़ा।

सिराज ने कहा, 'हर गेंदबाज का शरीर अलग होता है। मेरा शरीर लंबे ब्रेक को अच्छी तरह नहीं झेल पाता। छोटा ब्रेक ठीक है। दस साल के करियर में, मैंने कभी पूरे दो महीने की छुट्टी नहीं ली थी। मैं जिम में वर्कआउट कर रहा था और कभी-कभी गेंदबाजी भी कर रहा था, लेकिन कितना भी अभ्यास कर लो, मैच वाली स्थिति नहीं बनती। यह एक नया अनुभव था। यह मेरे आगे के करियर के लिए बेहद अहम था। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने कहा, 'हम सीधे श्रीलंका से आए थे, जहां हमने दूसरे टेस्ट में साढ़े तीन दिन फील्डिंग की, और एक सप्ताह के अंदर, हम यहां चेन्नई की चिलचिलाती गर्मी में खेल रहे थे। यह पैशन पर निर्भर है। जब आप अपने देश का प्रतिनिधित्व कर रहे होते हैं, तो आप बहाने नहीं बना सकते। आपको अपनी टीम और देश के लिए पूरी कोशिश करनी होती है। मुझे विकेट नहीं मिला, लेकिन यह अनुभव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम आएगा।

सिराज की गेंदबाजी पहली पारी की तुलना में दूसरी पारी में बेहतर रही। उन्होंने कहा, 'पहली पारी में, पिच फ्रेश लग रही थी, इसलिए मैंने बहुत तेज गेंदबाजी करने की कोशिश की। मैं जबरदस्ती कर रहा था, इससे मेरी रिदम बिगड़ गई। दूसरी पारी में, मैंने खुद से कहा कि परिणाम भूल जाओ और बस अच्छी रिदम के साथ मैदान में उतरो। ऐसा करते ही पुराना सिराज वापस आ गया।

बांग्लादेश के खिलाफ शांत रहते हुए पारी को बढ़ाने की कोशिश की: शेफाली वर्मा

विश्व केसरी■

दुबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशिया कप 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। गुरुवार को हुए सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को हराकर फाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम की जीत में सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा की 64 रनों की विस्फोटक पारी की अहम भूमिका रही। शेफाली को उनकी बेहतरीन पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वर्मा ने कहा कि उन्होंने गुरुवार को यहां महिला एशिया कप सेमीफाइनल में बांग्लादेश के खिलाफ मैच जिताने वाली 64 रन की पारी के दौरान मुश्किल बैटिंग पिच के हिसाब से खुद को ढालते हुए शांत रहने और टीम के लिए योगदान देने पर ध्यान दिया।

शेफाली ने बीसीसीआई विमेन द्वारा जारी एक वीडियो में कहा, 'एक सलामी बल्लेबाज के तौर पर मैं कभी-कभी बड़े शॉट लगाती हूं और कभी-कभी बस शांत रहने और सिंगल लेने की कोशिश करती हूं, क्योंकि स्मृति भी साथ होती हैं। कभी-कभी, मैं बस टीम के लिए वहां रहने और पारी को आगे बढ़ाने की कोशिश करती हूं।

सीनियर खिलाड़ी और ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने शेफाली वर्मा की तारीफ करते हुए कहा, 'गेंद उनके पास वैसी नहीं आ रही थी जैसी वह चाहती थीं। पिछले मैच से अलग चुनौती थी, पिच भी मुश्किल थी, लेकिन उन्होंने खुद को शांत रखा और अपने शॉट्स पर भरोसा किया। यह देखना अच्छा था, और उनके शॉट्स को देखकर लगा कि उनकी मानसिकता स्पष्ट नजर आई। उन्हें पता था कि क्या करना है, और ये छोटी-छोटी चीजें उनकी मदद कर रही थीं। दीप्ति ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं कि मुझे 2-3 या 4 बॉल खेलने को मिलीं, और मैं बस जल्द से जल्द ऐसी छोटी पारी खेलने का इंतज़ार कर रही थी। मैं बहुत खुश हूं कि मैं आखिरी कुछ गेंदों पर योगदान दे पाई। एक ऑल-राउंडर के तौर पर खेल के अलग-अलग विभाग में योगदान करना अहम है। जब आप तीनों डिपार्टमेंट्स में अपना बेस्ट करने जाते हैं, तो ज़ाहिर है आप एक कदम आगे होते हैं, चाहे वह बैटिंग हो, बॉलिंग हो या फील्डिंग। मैच की बात करें तो, भारतीय टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 149 रन बनाए थे और बांग्लादेश को 7 विकेट पर 109 रन पर रोककर 40 रन से मैच जीता। गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा ने कमाल दिखाया और 4 ओवर में 26 रन देकर सर्वाधिक 3 विकेट लिए।

नवांग त्सेरिंग ने जीता लद्दाख मैराथन, 122 किलोमीटर की दूरी रिकॉर्ड समय में पूरा किया

विश्व केसरी ■

लद्दाख। अपनी प्रतिभा को पहचानकर कोई भी अगर उस पर कड़ी मेहनत करता है और निखारने की लगातार कोशिश करता है, तो एक न एक दिन उसे बड़ी सफलता जरूर मिलती है। नवांग त्सेरिंग की कहानी कुछ ऐसी ही है। नवांग ने लद्दाख मैराथन जीतकर रिकॉर्ड बनाया है।

नवांग त्सेरिंग ने लद्दाख मैराथन में 122 किलोमीटर सिल्क रूट अल्ट्रा (एसआरयू) की दूरी को 12 घंटे, 12 मिनट और 18 सेंकड (12:12:18) में पूरा कर रिकॉर्ड बनाते हुए पहला स्थान हासिल किया है। त्सेरिंग का यह पहला प्रयास था और पहले ही प्रयास में वह चैंपियन बनकर निकले हैं।

लद्दाख मैराथन जीतने के बाद आईएएनएस से खास बातचीत में नवांग ने कहा, 'मैंने लद्दाख मैराथन सिल्क रुट अल्ट्रा (एसआरयू) में पहली बार हिस्सा लिया था और पहले प्रयास में ही पहला स्थान हासिल किया है। यह काफी मुश्किल और चुनौतीपूर्ण था। मेरी मांसपेशिया काफी सख्त हो गई थीं। प्रतिस्पर्धा काफी कड़ी थी। इस साल मैंने (12:12:18) रिकॉर्ड बना दिया है। नवांग ने अपनी सफलता का श्रेय

अपने सभी कोचों, सहयोगियों और प्रशासन को दिया।

मैराथन में आने से जुड़े सवाल पर नवांग ने मुस्कुराते हुए कहा, 'मैं अपने दोस्तों को देखकर मैराथन में आया हूं। मैं उन लोगों को देखता था। वे दूसरे राज्यों में जाते थे। वही, देखकर मैंने मैराथन में आने का फैसला किया। युवाओं को संदेश देते हुए नवांग ने कहा, 'मैं युवाओं से यह कहना चाहता हूं कि आप सभी अपनी प्रतिभा को बर्बाद मत कीजिए। अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करिए। मैं यह नहीं कह रहा कि सभी दौड़ में ही आगे आएं। सभी के पास एक खास प्रतिभा होती है। आप उस प्रतिभा को निखारिए और उसमें आगे बढ़िए।

नवांग की सफलता निश्चित रूप से उन युवाओं के लिए प्रेरणा है जो अभावों के बीच बड़ी उपलब्धि हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं।

मैं ज्यादा कुछ नहीं कर सकती, वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर एक का ताज छीनने के बाद बोलीं सबालेंका

विश्व केसरी ■

न्यूयॉर्क। एलेना रिबाकिना विश्व की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने बेलारूस की आर्यना सबालेंका की बादशाहत को खत्म करते हुए नंबर एक की कुर्सी हासिल की। सबालेंका ने नंबर एक की पोजीशन गंवाने के बाद कहा कि वह इसमें ज्यादा कुछ नहीं कर सकती हैं।

एलेना रिबाकिना और आर्यना सबालेंका रविवार को यूएस ओपन 2026 के महिला सिंगल्स फाइनल मुकाबले में भिड़ेंगी। दोनों के बीच यह मुकाबला आर्थर ऐश स्टेडियम में खेला जाएगा। सबालेंका ने कहा कि दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी बनना बिल्कुल आसान नहीं है। उन्होंने माना कि सीजन के बीच में उनका प्रदर्शन थोड़ा गिर गया था, लेकिन नंबर एक की पोजीशन को गंवाना उन्होंने थोड़ा अजीब बताया।

सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला को हराने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा, 'मैं अच्छी तरह समझती हूं कि वर्ल्ड नंबर 1 तक पहुंचना कितना मुश्किल है। यह मेरे लक्ष्यों में से एक था। हालांकि, अभी मैं ज्यादा कुछ नहीं कर

सकती। सीजन के बीच में मैंने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था। एलेना ने बाजी मारी और बहुत अच्छा खेलीं। उन्होंने नंबर वन की पोजिशन हासिल कर ली। मैं इसके बारे में ज्यादा कुछ नहीं कर सकती। पेगुला को 7-5, 6-2 से हराकर सबालेंका ने अपने चौथे यूएस ओपन फाइनल में जगह बनाई। वह न्यूयॉर्क में लगातार तीसरी बार जीत हासिल करने की कोशिश कर रही हैं। ओपन एरा में अब तक सिर्फ क्रिस एवर्ट और सेरेना विलियम्स ने ही लगातार कम से कम तीन यूएस ओपन खिताब जीते हैं। दो बार की डिफेंडिंग चैंपियन सबालेंका अब तीसरी खिलाड़ी बनने की कोशिश में हैं।

सबालेंका ने जोर देकर कहा कि वह अपना फोकस खुद पर रख रही हैं और किसी न किसी स्टेज पर रिबाकिना से वर्ल्ड नंबर 1 रैंकिंग वापस लेने की कोशिश करेंगी। मैं सिर्फ़ खुद पर फोकस कर सकती हूं, मौजूदा पल में रह सकती हूं और अभी अपना बेस्ट देने की कोशिश कर सकती हूं। बस मजबूती से खेलती रहूंगी, और शायद मैं उनसे यह रैंकिंग वापस ले लूंगी।

उन्होंने आगे कहा, यह थोड़ा अजीब लगता है कि आप टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करें और फिर भी आपसे नंबर 1 की पोजीशन छिन जाए। कोई बात नहीं। यह खेल है। मुझे यह पसंद है। खेल की यही तो खूबसूरती है। हर कोई एक-दूसरे से आगे निकलने की कोशिश में रहता है। बात बस छोटी-छोटी चीजों को बेहतर बनाने और उनमें सुधार करने की है।

सबालेंका ने कहा कि वह खिताब के लिए लड़ने और जीत के लिए सब कुछ करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा, अगर मुकाबला एलेना से हुआ, तो यह वाकई मुश्किल होगा। वह बहुत जबरदस्त सर्विस करती हैं। पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने अपने बेसलाइन गेम में काफी सुधार किया है, इसलिए यह मुकाबला शारीरिक और मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण होगा। मैंने जैसा कहा कि मैं मुकाबले के लिए तैयार हूं। मैं जीत हासिल करने के लिए कुछ भी करने को तैयार हूं।

जूनियर पुरुष हॉकी एशिया कप: भारतीय टीम ने बनाई फाइनल में जगह, मलेशिया को 3-1 से दी शिकस्त

विश्व केसरी■

मोकी (चीन)। भारतीय जूनियर पुरुष टीम ने एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 के फाइनल का टिकट कटा लिया है। शुक्रवार को पहले सेमीफाइनल में भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मलेशिया को 3-1 से हराया।

कप्तान और ड्रैग-फ्लिकर अनमोल एक्का ने एक बार फिर टीम की अगुवाई की। उन्होंने पेनल्टी कॉर्नर से दो गोल किए, जिससे टूर्नामेंट में उनके कुल गोलों की संख्या 16 हो गई और स्कोरिंग चार्ट में उनकी शीर्ष स्थिति और मजबूत हो गई। इसके साथ ही गोलकीपर और 'प्लेयर ऑफ द मैच' विवेक लाकड़ा का प्रदर्शन भी शानदार रहा। उन्होंने कई बेहतरीन बचाव किए, जिसमें एक पेनल्टी स्ट्रोक को रोकना भी शामिल था, जिससे भारत मैच पर अपनी पकड़ बनाए रखने में सफल रहा।

डिफेंडिंग चैंपियन भारत, जो लगातार चौथी और कुल छठी बार खिताब जीतने की कोशिश कर रहा है, अब दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान और साउथ कोरिया के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से भिड़ेगा। भारत ने मैच की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। अजीत यादव ने डीप डिफेंस से खेली गई लंबी गेंदों का चतुराई से पीछा करते हुए शुरुआती दो मिनटों में ही 2 बार गोल करने के करीब पहुंचे। भारत को जल्द ही तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन मलेशियाई गोलकीपर अमस्यार मोहम्मद अदीब ने कुछ अच्छे बचाव करते हुए भारत को गोल करने से रोके रखा।

शुरुआती पांच मिनटों में मलेशिया को गेंद पर नियंत्रण बनाए रखने में संघर्ष करना पड़ा और वे मुख्य रूप से बचाव करने तक ही सीमित रहे। उनका पहला प्रभावी आक्रामक प्रयास 11वें मिनट में हुआ जब वे भारत के 23-यार्ड क्षेत्र में पहुंचे, लेकिन भारतीय डिफेंस सतर्क रहा और सर्कल में घुसने से पहले ही उन्हें रोक दिया।

12वें मिनट में एक टर्नओवर (गेंद का पाला बदलना) से भारत को लगभग पहला गोल मिल ही गया था, लेकिन वे इस मौके को भुना नहीं पाए। मलेशिया क्वार्टर के आखिरी मिनट में गोल के करीब पहुंचा, लेकिन सर्कल के ऊपरी हिस्से से किए गए प्रयास में न तो ताकत थी और न ही सही दिशा। पहला क्वार्टर बिना किसी गोल के समाप्त हुआ।

यूएस ओपन: राजीव राम ने पुरुष डबल्स सेमीफाइनल में हार के बाद लिया संन्यास

विश्व केसरी ■

न्यूयॉर्क। पूर्व डबल्स वर्ल्ड नंबर 1 राजीव राम ने टेनिस को अलविदा कह दिया है। राम और जो सैलिसबरी की जोड़ी को छठी सीड वाली जर्मन जोड़ी ने यूएस ओपन 2026 के डबल्स के सेमीफाइनल में हराया। इस हार के साथ ही राजीव राम ने टेनिस को अलविदा कहा।

2021 से 2023 तक हर साल यूएस ओपन डबल्स का खिताब जीतने वाली राम और सैलिसबरी की जोड़ी को केविन क्राविएट्ज और टिम पुएट्ज से 6-3, 6-4 से हार का सामना करना पड़ा।

यूएसटीए के सीईओ क्रेग टिली और यूएस ओपन टूर्नामेंट के निदेशक एरिक बुटोरैक ने राजीव राम को उनके बेहतरीन करियर के लिए बधाई दी। बता दें कि टिली, इलिनोइस यूनिवर्सिटी में राम के कॉलेज कोच हैं, जबकि एरिक

उनके पूर्व डबल्स पार्टनर रहे हैं।

राम और उनके लंबे समय के डबल्स पार्टनर सैलिसबरी टूर्नामेंट के इतिहास में अकेले ऐसे जोड़ी हैं जिन्होंने मेन्स डबल्स में तीन बार जीत हासिल की है। इंडियाना के रहने वाले राम ने लगातार 26 बार यूएस ओपन पुरुष डबल्स खेला है। यह अपने आप में ऐतिहासिक है।

राजीव राम ने सेमीफाइनल के बाद कहा, 'वह इस खेल को अलविदा कहने का इससे बेहतर तरीका सोच भी नहीं सकते थे।'

यूएसओपन.ओआरजी से बात करते हुए राजीव राम ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो, इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता था। मेरा परिवार, मेरी पत्नी और मेरी मां वहां थीं। मेरे कॉलेज के कोच और मेरे पुराने पार्टनर एरिक बुटोरैक वहां थे। मेरे पुराने पार्टनर (जो सैलिसबरी), जिनके साथ मेरी बहुत सारी अच्छी यादें हैं, वह भी मेरे साथ वहां थे। राम ने अपना करियर छह बड़े टाइटल के साथ खत्म किया। इसमें दो मिक्स्ड और चार पुरुष में, और 32 एटीपी डबल्स टाइटल हैं। वह 2023 में नंबर 1 रैंकिंग पर पहुंचे, छह मास्टर्स टाइटल और दो ओलंपिक सिल्वर मेडल जीते। यूएस डेविस कप टीम में अहम योगदान दिया।

यूएस ओपन में राम का दबदबा दिखा। उन्होंने और सैलिसबरी ने लगातार 20 जीत हासिल कीं, जिसमें 2021 से 2023 तक लगातार तीन खिताब शामिल हैं। यह एक ऐसा कारनामा है जो किसी दूसरी पुरुष टीम ने कभी हासिल नहीं किया।

अमित असावा: राजस्थान को अपनी कोचिंग में लगातार दो बार रणजी चैंपियन बनाया

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट में कई ऐसे नाम हैं जिन्हें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बहुत कम मौके मिले। इसकी वजह से उनकी अंदर मौजूद पूर्ण क्षमता का प्रदर्शन नहीं सका। ऐसे खिलाड़ी एक साधारण और गुमनाम क्रिकेटर के रूप में खेल से विदा हो जाते हैं। लेकिन, कुछ ऐसे भी खिलाड़ी होते हैं जो एक क्रिकेटर के तौर मिली असफलता से निराश नहीं होते और कोच के तौर पर बड़ी सफलता प्राप्त करते हैं।

क्रिकेटर के तौर पर असफल लेकिन कोच के तौर पर बड़ी सफलता हासिल करने वाले भारतीय क्रिकेट के प्रमुख नामों में से एक नाम अमित असाव का है।

अमित असावा का जन्म 12 सितंबर 1963 को इंदौर, मध्यप्रदेश में हुआ था। वह बाएं हाथ के

बल्लेबाज थे और दाएं हाथ से ऑफ स्पिन गेंदबाजी किया करते थे।

असावा ने राजस्थान के लिए घरेलू क्रिकेट खेला। 1984 से 1991 के बीच राजस्थान के लिए उन्होंने 26 प्रथम श्रेणी और 1 लिस्ट ए मैच खेले। 42 प्रथम श्रेणी पारियों में अमित ने 1 शतक और 6 अर्धशतक लगाते हुए 1,125 रन बनाए। उनका सर्वाधिक स्कोर 128 रन था। वहीं, 2 विकेट हासिल किए। एकमात्र लिस्ट ए मैच में उन्होंने नाबाद 34 रन की पारी खेली थी।

अमित असावा को एक खिलाड़ी के तौर पर बेशक बड़ी सफलता नहीं मिली, लेकिन कोच के तौर पर उन्होंने घरेलू क्रिकेट में ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। अमित असावा की कोचिंग में हीं राजस्थान ने पहली बार रणजी ट्रॉफी का खिताब जीता था। राजस्थान ने असावा की कोचिंग में न सिर्फ पहला रणजी (2010-11) का खिताब जीता, बल्कि अगले साल (2011-12) में इस खिताब का सफलतापूर्वक बचाव भी किया। राजस्थान लगातार दो रणजी खिताब जीतने के बाद फिर से कभी इस खिताब को नहीं जीत सका है।

राजस्थान को अपने निर्देशन में लगातार 2 बार भारतीय घरेलू क्रिकेट की सबसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में चैंपियन बनाना अमित असावा के नेतृत्व कौशल और रणनीति और क्रिकेट के प्रति गहरे लगाव को दिखाता है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय B-87A गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादक: रामप्रसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251